हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार | 06 जुलाई 2024 | वर्ष: 02 अंक: 55 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र सरकार ने परीक्षा संबंधी गड़बड़ी रोकने के लिए विधेयक पेश किया

एजेंसी

मुंबई: परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर चिंताओं के बीच, महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में एक विधेयक पेश किया, जिसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार को रोकना है। इस विधेयक में अपराधियों को पांच साल तक जेल की सजा का प्रावधान किया गया है। विधानसभा में मंत्री शंभुराज देसाई ने ह्यमहाराष्ट्र प्रतियोगी परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024ह्व विधेयक पेश किया। विधेयक के तहत, प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य होंगे। विधेयक के अनुसार, प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन में अनुचित साधनों और अपराधों में लिप्त पाए जाने वालों को कम से कम तीन साल के कैद की सजा दी जाएगी, जिसे बढ़ाकर पांच साल किया जा सकता है और 10 लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। जुमार्ना अदा न करने की स्थिति में भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रावधानों के अनुसार कारावास की अतिरिक्त सजा दी जाएगी।

प्राइवेट डिनर होस्ट करेंगे पुतिन, रूस के दौरे का क्या है पूरा शेड्यूल

भारतीय समुदाय के लोगों से साथ होगी मोदी की बात,

प्रधानमंत्री की यात्रा के बारे में विस्तार से बताते हुए क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी संघ के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई को मॉस्को की आधिकारिक यात्रा करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने एक प्रेस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई से रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर होंगे, जहां वह भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ "सीमित स्तर की बातचीत" भी करेंगे। आगे की यात्रा में प्रधानमंत्री 9 जुलाई को ऑस्ट्रिया का भी दौरा करेंगे, जो 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की देश की पहली यात्रा होगी।पीएम मोदी की रूस यात्रा का पूरा कार्यक्रम प्रधानमंत्री की यात्रा के बारे में विस्तार से बताते हुए क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी संघ के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई को मॉस्को की आधिकारिक यात्रा करेंगे। फिलहाल, प्रधानमंत्री मंत्री 8 जुलाई की देर दोपहर में मंत्री का मॉस्को पहुंचने का कार्यक्रम है। राष्ट्रपति पुतिन आगमन के दिन पीएम के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। अगले दिन, पीएम की बातचीत में रूस में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत

शामिल होगी। प्रोग्रामिंग तत्वों के हिस्से के रूप में, पीएम क्रेमलिन में अज्ञात सैनिक की कब्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे और उसके बाद पीएम मॉस्को में प्रदर्शनी स्थल का दौरा करेंगे। इन व्यस्तताओं के बाद दोनों नेताओं के बीच एक प्रतिबंधित स्तर की बातचीत होगी, जिसके बाद प्रधान मंत्री और रूसी राष्ट्रपति के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी।पीएम मोदी की ऑस्ट्रिया यात्रा का पूरा कार्यक्रम पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया जाएगा, जिसके बाद वह ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री ऑस्ट्रिया के चांसलर के निमंत्रण पर 9-10 जुलाई को ऑस्ट्रिया का दौरा करेंगे। यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी... भारत से ऑस्ट्रिया की आखिरी प्रधान मंत्री यात्रा 40 से अधिक बार हुई थी वर्षों पहले, प्रोग्रामिंग तत्वों के संदर्भ में, प्रधानमंत्री अपने औपचारिक स्वागत के अलावा, ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे और प्रतिबंधित प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय वार्ता के साथ-साथ ऑस्ट्रिया में उच्च-स्तरीय व्यापारिक भागीदारी भी करेंगे।

नयी दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान रेड्डी के साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू भी थे। पिछले महीने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी और रेड्डी के बीच यह पहली मुलाकात थी। सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने मोदी के साथ दक्षिणी राज्य की प्रमुख लंबित परियोजनाओं पर चर्चा की। इससे पहले दिन में रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने तेलंगाना से जुड़े मामलों पर विचार-विमर्श किया। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई, इसका अभी तक कोई आधिकारिक ब्यौरा नहीं दिया गया है लेकिन समझा जाता है कि विकास परियोजनाओं और राज्य को केंद्रीय सहायता से जुड़े मुद्दे एजेंडे में शामिल थे। रेड्डी ने पिछले साल दक्षिणी राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था।

हाथरस हादसे पर SIT ने योगी को सौंपी जांच रिपोर्ट, 100 से अधिक के बयान दर्ज, पॉलिटिकल लिंक का भी जिक्र

एजेंसी

नई दिल्ली: हाथरस भगदड़ की जांच के लिए गठित एसआईटी ने उस त्रासदी पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें इस सप्ताह की शुरूआत में कम से कम 123 लोगों की जान चली गई थी। यह भगदड़ मंगलवार को धार्मिक उपदेशक नारायण साकार हरि, जिन्हें 'भोले बाबा' के नाम से भी जाना जाता है, के 'सत्संग' के दौरान हुई। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर 15 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी को 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। यह एसआईटी रिपोर्ट एडीजी आगरा अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ कमिश्नर चैत्रा वी के तहत तैयार की गई थी। 15 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट में डीएम और एसपी समेत करीब 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। एसआईटी के सदस्यों ने भगदड़ का कारण जानने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, कार्यक्रम से जुड़े लोगों और सेवादारों से बात की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी प्रशांत कुमार से हाथरस मामले पर पूरी जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कुछ ऐसे राजनीतिक नेताओं के नाम का जिक्र है जिनके चुनाव में 'भोले बाबा' ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा 'भोले बाबा' के अन्य लिंक्स का भी जिक्र किया गया है। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट राजनीतिक साजिश की ओर इशारा करती है। सभा में लोगों की संख्या का अनुमान नहीं लगा पाने को लेकर कुछ स्थानीय नेताओं, सेवादारों, कार्यक्रम के आयोजकों और वहां तैनात अन्य अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं।

लालू के बयान पर BJP का पलटवार, नित्यानंद राय बोले- देश को मोदी पर भरोसा, जंगलराज नहीं चाहिए

एजेंसी

पटना: राजद अध्यक्ष लालू यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार "कमजोर" है और एक महीने के भीतर ही "गिर" सकती है। इस टिप्पणी को भाजपा ने तुरंत खारिज कर दिया। इसे साथ ही भाजपा ने कहा कि बीमार सत्तर वर्षीय व्यक्ति "भ्रमपूर्ण" हैं और हाल के आम चुनाव मोदी के नेतृत्व में लोगों के विश्वास की पुष्टि थे। प्रसाद ने ये भविष्यवाणी अपनी पार्टी के गठन के 28 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में की, जिसे उन्होंने जनता दल को विभाजित करके स्थापित किया था।लालू यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने पलटवार किया है। राय ने कहा कि पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश और बिहार की जनता ने इच्छा जताई है कि पीएम मोदी भारत के सच्चे सपूत हैं और देश को आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता पीएम मोदी, नीतीश कुमार, एनडीए-बीजेपी पर विश्वास करती है, उन्हें जंगलराज नहीं चाहिए। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने आम बोलचाल की हिंदी वाक्यांश मुंगेरी लाल के हसीन सपने का उपयोग करते हुए राजद सुप्रीमो पर मतिभ्रम करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस में शामिल हुए केशव राव का इस्तीफा स्वीकार, राज्यसभा में एक और सीट हुई खाली

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्यसभा में शुक्रवार को एक नई रिक्ति पैदा हो गई जब सदन के सभापति जगदीप धनखड़ ने के केशव राव का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। राव ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्यसभा सदस्य के रूप में अपनी सदस्यता छोड़ दी थी। राव 2020 से तेलंगाना से बीआरएस के राज्यसभा सदस्य थे। वह बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए थे। उन्होंने बृहस्पतिवार को संसद के ऊपरी सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। आधिकारिक सूत्रों

ने बताया कि धनखड़ ने शुक्रवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके बाद राज्यसभा में उनकी सीट खाली हो गई है। राव के इस्तीफे के बाद सदन में 16 सीटें खाली हो गई हैं।

संजय सिंह आम आदमी पार्टी के संसदीय दल के अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को पार्टी के संसदीय दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें राज्यसभा में पार्टी का नेता भी चुना गया है।सिंह ने एक्स पर कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री आदरणीय अरविंद केजरीवाल ने हमेशा (मुझे) सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करने का अवसर दिया। पार्टी संसदीय दल के अध्यक्ष की जो ज़िम्मेदारी दी गई है उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। इसके लिये अरविंद केजरीवाल और आम

आदमी पार्टी का अत्यंत आभार।इससे पहले, सिंह अपने पहले कार्यकाल के दौरान राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह फिर से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किये गए हैं।इस साल 19 मार्च को सिंह ने संसद के उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली थी। पार्टी ने कहा कि वर्तमान में आप 10 सदस्यों के साथ राज्यसभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है और लोकसभा में इसके तीन सदस्य हैं।इससे पहले, सिंह अपने पहले कार्यकाल के दौरान राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह फिर से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किये गए हैं।

भाजपा ने 24 राज्यों के लिए नियुक्त किए प्रभारी, जानें किसे मिली कहां की जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली: आगामी चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कई प्रमुख क्षेत्रों में राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में यह बड़ी नियुक्ति है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कुछ राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे बड़े राज्यों में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं।

प्रमुख नियुक्तियाँ- बिहारः महासचिव विनोद तावड़े प्रभारी, सांसद दीपक प्रकाश सह प्रभारी।

- छत्तीसगढ़ः नितिन नबीन प्रभारी नियुक्त।
- गोवाः आशीष सूद को प्रभारी नियुक्त किया गया।
- मणिपुरः अजीत गोपचड़े को प्रभारी नियुक्त किया गया।
- हरियाणाः सतीश पूनिया को प्रभारी नियुक्त किया गया, सुरेंद्र सिंह नागर को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया।
- लद्दाख और जम्मू-कश्मीरः तरुण चुघ को प्रभारी नियुक्त किया गया, आशीष सूद सहप्रभारी की देखरेख करेंगे।
- झारखंडः सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी प्रभारी नियुक्त।

अगर इस बार भी बढ़ा यमुना का जलस्तर तो कैसे निपटेगी दिल्ली सरकार? आतिशी ने बताया पूरा प्लान

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर उससे निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यमुना का स्तर बढ़ने की स्थिति में बाढ़ नियंत्रण और राहत के सभी उपाय किए गए हैं। आतिशी ने कहा कि हमने बाढ़ राहत और बाढ़ नियंत्रण को लेकर दिल्ली सरकार और सभी संबंधित विभागों की तैयारियों का जायजा लिया। हमें उम्मीद है कि दिल्ली में बाढ़ की

स्थिति नहीं बने। लेकिन, अगर यमुना में पानी का स्तर बढ़ता है तो दिल्ली सरकार उससे निपटने के लिए तैयार है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में पिछली बार यमुना का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। जिस वजह से काफी परेशानी हुई थी। लेकिन इस बार हमने पूरी तैयारी कर ली है। इस बार पूर्वी ज़िले के उद्द ऑफिस में बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसमें सभी विभागों के अधिकारी तैनात रहते हैं। यहां से हर समय निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हथिनीकुंड बैराज से 1 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी के रिलीज होते ही बाढ़ नियंत्रण विभाग समेत सभी एजेंसी सक्रिय हो जायेंगी। मंत्री ने बताया कि आज की मीटिंग में सभी तैयारियों का जायजा लिया गया है।

दूरसंचार कंपनियों को यूजर्स से 34,824 करोड़ वसूलने की दी गई छूट, मोदी सरकार पर कांग्रेस ने साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को रिलायंस जियो, वोडाफोन और एयरटेल सहित तीन निजी दूरसंचार कंपनियों द्वारा बिना किसी निरीक्षण और विनियमन के 3 और 4 जुलाई, 2024 से अपनी सेवा दरें बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर साठगांठ वाले पूंजीवाद का आरोप लगाया और भारत में 1.09 अरब मोबाइल उपयोगकताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने का आरोप लगाया। सुरजेवाला ने कहा कि शासन के तहत और मोदी सरकार की सहमति से तीन निजी दूरसंचार कंपनियों ने अपनी सेवा दरें बढ़ा दी हैं। इससे उनके 109 करोड़ (1.09 बिलियन) उपयोगकताओं को सामूहिक रूप से लगभग 35,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने उल्लेख किया कि देश में 1.19 अरब मोबाइल उपयोगकताओं में से 1.09 अरब लोग इन तीन निजी कंपनियों की सेवाओं पर निर्भर हैं, जिनकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 92% है। यह दावा करते हुए कि तीनों कंपनियों ने टैरिफ में लगभग समान प्रतिशत की वृद्धि की है और यह एक ही समय से प्रभावी होगी, सुरजेवाला ने कहा, ह्ल...यह अद्वितीय है कि विभिन्न निवेश, विभिन्न ग्राहक आधार, लाभप्रदता और पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं वाली कंपनियों में कैसे वृद्धि हुई है 48 घंटों के भीतर कीमतों में लगभग समान प्रतिशत की वृद्धि हुई।सुरजेवाला ने कहा कि सेल फोन रेट वृद्धि से 109 करोड़ सेल फोन यूजर्स को प्रति वर्ष ?34,824 करोड़ अतिरिक्त देने पड़ेंगे। और बढ़े हुए शुल्क का कंपनीवार विभाजन निम्नलिखित है। रिलायंस ख्रङ्म के हर यूजर पर 30.51 रुपए की बढ़त हुई है। यानी सालाना 17,568 करोड़ रुपए, एयरटेल के यूजर्स पर 22.88 रुपए की बढ़त हुई है।

दो सप्ताह में 12 पुल ढहने के बाद एक्शन में नीतीश सरकार, 11 इंजीनियर निलंबित

संवाददाता

पटना: बिहार में दो सप्ताह में कुल 12 पुल ढहने के बाद, राज्य सरकार ने शुक्रवार को 11 इंजीनियरों को निलंबित कर दिया। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने नए पुलों के पुनर्निर्माण का भी आदेश दिया है। निर्माण की लागत दोषी पाए गए ठेकेदारों पर लगाई जाएगी। यह निर्णय उड़न दस्तों द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद लिया गया, जिसमें बताया गया था कि पुलों के ढहने के पीछे मुख्य कारण इंजीनियरों की लापरवाही और निगरानी की अप्रभावीता थी।राज्य जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने इंजीनियरों पर उचित देखभाल नहीं करने का आरोप लगाया और घटनाओं के पीछे ठेकेदारों की मेहनत पर प्रकाश डाला। मीडिया को

जानकारी देते हुए प्रसाद ने कहा, "ऐसा प्रतीत होता है कि इंजीनियरों ने उचित देखभाल नहीं की और ठेकेदार भी मेहनती नहीं थे।" इससे पहले, गुरुवार को बिहार के सारण जिले में एक और पुल के ढहने के साथ, पिछले 17 दिनों में ऐसी घटनाओं की कुल संख्या बढ़कर बारह हो गई।घटनाओं के बारे में बोलते हुए, ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) के सचिव दीपक सिंह ने कहा, "अररिया में बखरा नदी पर पुल 18 जून को क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली थी। राज्य और केंद्रीय दोनों टीमें जांच कर रही हैं, चार इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है।" दो अन्य को असंबंधित कारणों से पहले ही निलंबित कर दिया गया है। जांच समाप्त होने तक संबंधित ठेकेदारों का भुगतान रोक दिया जाएगा, और निरीक्षण टीमों द्वारा अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद ठेकेदार और सलाहकार के खिलाफ अंतिम कार्रवाई की जाएगी।राज्य जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने इंजीनियरों पर उचित देखभाल नहीं करने का आरोप लगाया और घटनाओं के पीछे ठेकेदारों की मेहनत पर प्रकाश डाला।

नरेन्द्र मोदी की सरकार सबसे कमजोर सरकार है, यह कुछ दिनों की मेहमान है: श्री लालू प्रसाद

पार्टी के मजबूती के लिए कार्यकताओं और नेताओं को हर घर तक जाने की आवश्यकता है: तेजस्वी प्रसाद यादव

संवाददाता

पटना 05 जुलाई, 2024आज राष्ट्रीय जनता दल का 28वाँ स्थापना दिवस पार्टी के प्रदेश कार्यालय के कपूर्री सभागार में प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदानन्द सिंह जी की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर अपने संबोधन में राजद प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदानन्द सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी के विचारों को मजबूती देने में संघर्ष और आन्दोलन के साथियों का बड़ा योगदान है और पार्टी के मजबूती के लिए हमसभी को पार्टी के नीति और सिद्धांतों पर मजबूती से कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन राजद प्रदेश प्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू ने की।

बिहार प्रदेश राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि 28वां स्थापना दिवस समारोह का राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद, नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदानन्द सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।इस अवसर पर राजद संसदीय दल के नेता श्री अभय कुशवाहा ने चांदी का मुकुट तथा पार्टी का चुनाव चिन्ह लालटेन देकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद जी का स्वागत किया।साथ ही नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव को चांदी का मुकुट और बुके देकर स्वागत किया।

इन्होंने यह भी बताया कि पटना में राज्य कार्यालय में पांच जिला का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जबकि पूरे राज्यभर में पार्टी के जिला मुख्यालय पर स्थापना दिवस समारोहपूर्वक धूमधाम से मनाया गया।

सर्वप्रथम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर युवा राजद एवं छात्र राजद के कार्यकत्ताओं द्वारा राजद के झंडे को सलामी दी गई।

इस अवसर पर स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद ने समस्त राजद कार्यकताओं को पार्टी की स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामना दी। साथ ही पार्टी के स्थापना के संबंध में बताते हुए कहा कि पार्टी का नामाकरण हमने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रामकृष्ण हेगड़े के सुझाव पर राष्ट्रीय जनता दल रखा।

श्री लालू प्रसाद ने आगे कहा कि चुनाव परिणाम के बाद देश में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो सरकार बनी है, वह काफी कमजोर सरकार है और यह सरकार जल्द ही अपने कारणों से गिर जायेगी, क्योंकि जनता के जनादेश का पालन नहीं किया गया।

इन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार विधान सभा का चुनाव मजबूती से लड़ेंगे साथ ही कार्यकताओं से पिछड़ों, अतिपिछड़ों, दलित, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के बीच जाकर काम करने तथा उनके मान-सम्मान तथा हक और अधिकार के लिए उनके बीच उनके घर तक जाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि 28वाँ स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामना और बधाई देते हुए कहा कि राजद कभी सत्ता में रहा, कभी विपक्ष में लेकिन कभी भी अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं किया और न ही साम्प्रदायिक शक्तियों को आगे बढ़ने का मौका दिया। हमारे समर्थकों और कार्यकताओं ने पूरे मनोबल के साथ अपनी विचारधारा पर चलकर पार्टी को मजबूती प्रदान की। कार्यकत्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और सभी के मेहनत का प्रतिफल है कि हमलोग आज बेहतर प्रदर्शन किये।

जनता दल से अलग होकर कुछ लोग अपने स्वार्थ और सत्ता के लिए साम्प्रदायिक शक्तियों से समझौता किया और उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया जबकि लालू प्रसाद जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने हमेशा मजबूती के साथ उन शक्तियों से लोहा लिया। पिछले लोकसभा चुनाव में हमलोग शुन्य पर थे लेकिन आज चार सीट जीते हैं, ये हमारी उपलब्धि है। अगर और मेहनत करते तो हम और बेहतर करते। 2020 के विधान सभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। अगर बेईमानी नहीं हुई होती तो आज स्थिति दूसरी होती। जातिय आधारित गणना हमलोगों का संकल्प था जिसे महागठबंधन सरकार के माध्यम से हमलोगों ने कराया। 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की लेकिन किस तरह की साजिश हुई यह सभी लोग जानते हैं। जबकि इस आरक्षण व्यवस्था को अगर केन्द्र सरकार नौवीं अनुसूची में डाल दी होती तो आज जो स्थिति बनी है वो नहीं हुई होती।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने आगे कहा कि 17 महीने के कार्यकाल में पांच लाख से उपर नौकरियां हमलोगों ने दी और तीन लाख नौकरियों को जो प्रक्रियाधीन थी उसे छोड़कर आये लेकिन डबल इंजन सरकार नौकरियों के मामले में सुस्त पड़ गई है और

बहाली नहीं की जा रही है जबकि हमारी सरकार होती तो अबतक प्रक्रियाधीन नौकरी का नियुक्ति पत्र दे दिये होते। बिहार की जनता समझदार है, होशियार है और वह सब समझते हैं। आने वाले समय में बिहार की जनता उनलोगों को सबक सिखायेगी जो नौकरी और रोजगार के मामले में जुमलाबाजी और भ्रम की राजनीति करते हैं। बिहार की जनता का समर्थन और विश्वास राष्ट्रीय जनता दल के साथ मजबूत हुआ है। लालू जी देश की राजनीति के मजबूत धरोहर हैं और इन्होंने तीन-तीन प्रधानमंत्री बनाया और देशभर में समाजवादी विचारधारा और सामाजिक न्याय की धारा को मजबूती प्रदान की। आज हमसभी इस बात का संकल्प लेते हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नेतृत्व में पार्टी को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय जनता दल को किसानों, युवाओं के हित में मजबूती से आगे बढ़ायेंगे। हमारी पार्टी सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। हम उन्हीं को प्रत्याशी बनायेंगे जो खुद की भी ताकत रखते हैं। बेहतर प्रदर्शन करने वाले और पार्टी हित में हम निर्णय लेंगे और पार्टी ने जो हमें जिम्मेदारी दी है हम उसे पूरा करेंगे। जिसका प्रदर्शन ठीक नहीं है उसका अगर टिकट भी काटना होगा तो हम काटेंगे क्योंकि पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी का साथ मिलकर चलना आवश्यक है।

इन्होंने कहा कि बिहार के मुद्दे पर विधान सभा का चुनाव होगा और लोग तेजस्वी जी के कामों को देख चुके हैं और खासतौर से महिलाओं और नौजवानों को इस बात का एहसास है कि उनके मान-सम्मान और उनके अधिकार को हमने मजबूती दी है। महिलाओं को हम हर स्तर पर सम्मान देने का कार्य करेंगे। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, विशेष पैकेज की मांग करने की बात डबल इंजन की सरकार कर रही है, यह समझ से परे है जबकि बिहार के भरोसे ही भारत सरकार चल रही है। अगर बिहार के हितों की रक्षा नहीं हो पा रही है तो डबल इंजन की सरकार किस काम का।

इन्होंने आगे कहा कि बिहार में चेहरा किसी और का है और सरकार पीछे से कोई और चला रहे है, जिनकी नीतियां पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज के विरोध वाली नीतियां चलाने का रहा है। आने वाले समय में हम वैसी शक्तियों को बेनकाब करेंगे जो बिहार को उसका हक और अधिकार नहीं दे रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल अपने मजबूत संकल्पों के साथ राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनेगी क्योंकि बिहार से जो लोगों ने समर्थन और विश्वास दिया है उसे देश स्तर पर स्वीकार्यता मिल रही है।

इस अवसर पर स्थापना दिवस समारोह को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी, बिहार विधान परिषद के पूर्व उप सभापति डॉ0 रामचन्द्र पूर्वे, राष्ट्रीय महासचिव डॉ0 श्रीमति कांति सिंह, श्री श्याम रजक, श्री भोला यादव, राजद संसदीय दल के नेता श्री अभय कुशवाहा, सांसद डॉ0 सुरेन्द्र प्रसाद यादव, श्री संजय यादव, पूर्व सांसद श्री विजय कृष्ण, पूर्व मंत्री श्री शिवचन्द्र राम, रामलखन राम रमण, विधायक सुदय यादव, रीतलाल यादव, श्रीमती रेखा देवी पासवान, पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव, लालदास राय, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विनोद श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, चितरंजन गगन, सारिका पासवान, अरूण कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा, आरजू खान, प्रदेश महासचिव बल्ली यादव, फैयाज आलम कमाल, मदन शर्मा, डॉ0 प्रेम कुमार गुप्ता, निर्भय कुमार अम्बेदकर, निराला यादव, प्रमोद कुमार राम, संजय यादव, खुर्शीद आलम सिद्दिकी, डॉ0 कुमार राहुल सिंह, नन्दू यादव, श्री मनोज कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, अरविन्द कुमार सहनी, डॉ0 मोहित यादव, गगन यादव, शाहीद जमाल, विनोद यादव, वैशाली जिलाध्यक्ष बैजनाथ चन्द्रवंशी, भोजपुर जिला अध्यक्ष श्री बीरबल यादवजहानाबाद जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर, अरवल जिलाध्यक्ष जगजीवन राम, बाढ़ जिलाध्यक्ष नमिता नीरज सिंह सहित अन्य गणमान्य नेताओं ने सभा को संबोधित किया।

जबकि कार्यक्रम की व्यवस्था और झंडोत्तोलन कार्यक्रम में उपेन्द्र चन्द्रवंशी, अफरोज आलम, सुरेन्द्र यादव, बेलाल खान, शिवेन्द्र कुमार तांती, विक्की यादव, ओमप्रकाश चैटाला, गणेश यादव, मनोज यादव, अर्चना यादव, कुंदन कुमार राय, रोहित यादव, अजय यादव, नीतीश रविदास, बिंदन यादव, विमल राय, मनोजकांत कुशवाहा, अजीत कुशवाहा, मनोज यादव, मुकेश यादव, अविनाश कुमार राय, हरिमोहन यादव, सोनू यादव, रित्विक राज, कुंदन कुमार गुप्ता, हिमांशु यादव, अमनमोल यादव, अंकित कुमार चैधरी, साकेत कुमार, शत्रुधन यादव, निशांत यादव, रंजन-यादव, रितेश पासवान, दीपक प्रकाश सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

जिला कार्यालय मधुबनी में राजद जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव के अध्यक्षता में राजद का 28 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया

संवाददाता
अबु बकर

पटना: राष्ट्रीय जनता दल जिला इकाई मधुबनी के द्वारा जिला कार्यालय मधुबनी में राजद जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव के अध्यक्षता में राजद का 28 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया. इस मौके पर राजद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सह विधायक समीर कुमार महासेठ ने कहा कि राजद एक पार्टी नहीं बल्कि विचारधारा है. पार्टी के सुप्रीमो संस्थापक लालू प्रसाद यादव को सामाजिक न्याय विरोधी लोग हर तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं, इसके बावजूद वे अडिग हैं. अगर देश में राज कर रहे लोगों को किसी एक व्यक्ति से डर है तो वे हैं लालू प्रसाद यादव ,

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का काम की जिम्मेवारी हम सबों का बनता है कि उनके विचारों को गांव गांव तक पहुंचाएं एवं गरीब, वंचित, दलितों एवं अल्पसंख्यकों को लालू यादव ने ऊपर उठाने का काम किया एवं मान सम्मान देने का काम किया। राजद के स्थापना दिवस समारोह में हम सभी नेता एवं कार्यकर्ता यह संकल्प लेते हैं की लालू के पद चिन्हों पर चलने का काम करें।

राजद जिला अध्यक्ष रामाशीष यादव ने कहा कि 10 सालो में भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाएं सबको नष्ट और भ्रष्ट किया जा रहा है। अफसोस तो तब होता है जब कोई संस्थान बड़ी मेहनत से खड़ी होती है। लोकतंत्र बड़ी मेहनत से खड़ा हुआ है। आजादी बहुत लोगों के शहादत के बाद मिली है। यह सब चीज नष्ट और भ्रष्ट दंगाई उन्मादी ना कर दे यह बहुत बड़ा खतरा हम लोग देख रहे हैं। श्री महासेठ ने कहा कि लेकिन फिर भी समाजवाद का झंडा बुलंद रहेगा। यह मैं भी जानता हूं कभी भी धनवान लोग इस भारत पर रूल नहीं कर सकते। इस भारत में हिंदू मुसलमानों का विवाद नहीं है यहां तो कट्टरपंथी हिंदुओं से उदारपंथी हिंदुओं से बराबर संघर्ष चल रहा है.

'अगस्त में गिर जाएगी नरेंद्र मोदी सरकार,' RJD थापना दिवस पर लालू यादव की भविष्यवाणी

संवाददाता
अबु बकर

पटना: लालू यादव एक पक्खड़ राजनेता हैं, उनके बयान के मायने दूर तक होते हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि मोदी सरकार अगस्त महीने में गिर जाएगी, तो उसके पीछे सत्ता पक्ष पर दबाव की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। हालांकि लालू यादव के इस बयान पर अभी तक बीजेपी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन लालू ने अपने कार्यकताओं को साफ मैसेज दे दिया है कि थमना नहीं है, 2025 का विधानसभा लक्ष्य है। वहीं तेजस्वी यादव ने भी मंच से दावा किया कि "लोकसभा चुनाव में कुछ और मेहनत की होती तो 5 से 6 सीट आरजेडी की और बढ़ सकती थी। यदि इंडिया गठबंधन को 15 से 20 सीटें और आ गईं होतीं तो मोदी जी की सरकार नहीं बन पाती, राष्ट्रीय जनता दल का गठन 5 जुलाई 1997 को लालू यादव के नेतृत्व में पार्टी की स्थापना दिल्ली में हुई। लालू के नेतृत्व में रघुवंश प्रसाद सिंह, मोहम्मद शहाबुद्दीन, मुहम्मद तस्लीमुद्दीन, अली असरफ फातिमी, अब्दुल बारी सिद्दीकी समेत 17 लोकसभा और 8 राज्यसभा सांसदों और सैकड़ों वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में राजद की घोषणा हुई थी।

बिहार के केंद्रीय मंत्रियों का भाजपा ने किया अभिनन्दन, 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनाने का लिया संकल्प

एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रियों के स्वागत में भाजपा के कार्यकताओं की तालियों से गूंजा श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल
- आगामी डेढ़ साल सिर्फ काम करने का समय, कल्याणकारी योजनाओं को गांव -गांव तक पहुंचाना है : सम्राट चौधरी
- केंद्र में नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बन गई सरकार, अब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में बनानी की सरकार : सम्राट चौधरी
- एनडीए के कार्यकताओं को वोट मांगने के लिए सिर झुकाकर नहीं जाना होगा : ललन सिंह
- कांग्रेस बाबा साहेब को भूलने लगी थी : जीतन राम मांझी
- लोकसभा चुनाव में बिहार ने दिया संदेश , प्रदेश जाति नहीं जमात की राजनीति करती है : विजय सिन्हा

पटना, 5 जुलाई। बिहार भाजपा ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार बनी सरकार में शामिल बिहार के मंत्रियों का पटना में जोरदार स्वागत और अभिनन्दन किया। इस मौके पर श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित एक समारोह में इन सभी मंत्रियों का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। मंत्रियों को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छा देकर सम्मानित किया गया।इस समारोह का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सभी केंद्रीय मंत्रियों के साथ संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस समारोह में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, ललन सिंह, गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राजभूषण निषाद को सम्मानित और अभिनन्दन किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 1952 के बाद पंडित नेहरू लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने थे । इतिहास में यह पहला मौका है तीसरी बार किसी गठबंधन की बहुमत के साथ सरकार बनी है और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। मोदी जी लगातार गठबंधन की सरकार चलाने का काम किया। एनडीए लगातार काम कर रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बन गयी है अब अगले साल नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनानी है। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह करते हुए कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए के सभी दल सामंजस्य बनाकर पिछला 206 सीट का रिकॉर्ड तोड़कर नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सरकार बनानी है।श्री चौधरी ने भारत सरकार में बिहार के आठ मंत्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि बिना बिहार को समृद्ध बनाये देश समृद्ध नहीं बन सकता। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार का केंद्रीय मंत्रिमण्डल में उचित प्रतिनिधित्व मिला है जिससे बिहार और तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने छद्म लड़ाई लड़ी, झूठ फैलाने का काम किया गया। नौकरी देने को लेकर झूठ फैलाया गया।उन्होंने कहा कि अगले साल तक एनडीए सरकार इस कार्यकाल में 12 लाख लोगों को नौकरी दे देगी। इस सरकार का लक्ष्य 2025 तक 22 लाख लोगों को रोजगार देने का है, यह भी हम पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में यूथ क्लब बनाने का कार्य किया जाना है।

पटना में केंद्रीय मंत्रियों को भाजपा के द्वारा किया गया सम्मानित

विशेषसंवाददाता

पटना: भारतीय जनता पार्टी के द्वारा एनडीए के केंद्रीय मंत्रियों का स्वागत समारोह पटना के कृष्ण मेमोरियल हॉल में किया गया था उस कार्यक्रम से कुछ पहले भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष नूर आलम हवारी ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री माननीय श्री नित्यानंद राय जी को अंग वस्त्र तथा बुके देकर सम्मानित किया, श्री नूर आलम ने बताया कि श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में लाखों की तादाद में कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद है इसलिए मैंने यह देखा कि मुझे वहां पर सम्मानित करने का मौका नहीं मिलेगा इसलिए मैंने अपने नेता माननीय श्री नित्यानंद राय जी का स्वागत बुके देकर किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया,

मधुबनी जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया

संवाददाता
अबु बकर

मधुबनी जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया।गौरतलब हो कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में प्रत्येक माह ईवीएम वेयर हाउस में रखे हुए ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था का समय-समय पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया जाना है,इसी क्रम में आज ईवीएम से संबंधित सभी सुरक्षा मानकों की जांच हेतु ,जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया साथ ही वीवीपैट गोदाम के सुरक्षा मानकों की भी जायजा लिया गया।

मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रशांत कुमार भी उपस्थित रहे-

गिरते हैं शहसवार (घुड़सवार) ही मैदान-ए-जंग में, वो तिफ़्ल (छोटा बच्चा) क्या गिरे जो घुटनों के बल चले।

नीतीश की सरकार ने बिहार में विकास का सेतु बनाया है जो काफी मजबूत है- मनोज शर्मा

संवाददाता

पटना, 05 जुलाई। पुराने पुलों के गिरने के बाद विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा राजनीतिक करने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि जब युद्ध में सेना लड़ती है तो इस बात की गारंटी नहीं होती है कि विपक्ष के तरफ से उनकी सेना पर हमला नहीं होगा। ठीक उसी तरह से जब बिहार में विकास का कार्य तेजी से चल रहा है और लगातार निर्माण कार्य किया जा रहे हैं। उसमें एक दो त्रुटियां हो सकती हैं लेकिन, ऐसा कतई नहीं है कि उस विकास को नकारा जा सके।पिछले 18-19 सालों में एनडीए की सरकार ने जो विकास की लकीर बिहार में खींची है, वह रिकॉर्ड है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव यह आरोप इसलिए लगा रहे हैं क्योंकि अभी बिहार में एनडीए की सरकार है।बिल्कुल एक-दो सालों को छोड़कर पिछले 18-19 सालों में बिहार में एनडीए की ही सरकार रही है और एनडीए की सरकार ने इस रिकार्ड समय में सड़क, पुल-पुलियों के निर्माण में रिकॉर्ड स्थापित किया है। नीतीश की सरकार ने बिहार में विकास का सेतु

बनाया है जो काफी मजबूत है। बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव जी, आपकी जानकारी के लिए यह बता दे कि सिर्फ मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना जो 2005 से 2016 चली, तब तक 6 हजार से अधिक छोटे बड़े पुल-पुलियों का निर्माण किया जा चुका था और आगे लगभग एक हजार पुल-पुलियों का निर्माण चल रहा था। इसके अलावा बिहार में ग्रामीण टोला संपर्क निश्चय योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अन्य योजनाओं को मिलाकर 2005-06 से लेकर 2022 -23 तक करीब 1695 छोटे-बड़े पुलों का निर्माण किया गया। जो एक रिकार्ड है और उन निमार्णों से ही बिहार के विकास की रफ्तार बढ़ी है। श्री शर्मा ने कहा कि अब तेजस्वी यादव यह बताएं की लगभग 9 हजार पुल- पुलियों का निर्माण इन 18 -19 सालों में हुए और जो पुल गिरे हैं उनमें से ज्यादातर पुल काफी पुराने थे और जर्जर अवस्था में थे। ऐसी हालत में यदि एक-दो पुल गिर भी गए तो, सरकार उसके लिए सजग है और सक्षम है कि उसे तुरंत दुरुस्त कर लेगी। वहीं, दूसरी तरफ टेक्निकल पहलू को ध्यान में रखा जाए तो ज्यादातर पुल पुराने जर्जर तो थे ही साथ में सरकार के तरफ से नदियों की गाद को साफ भी किया जा रहा है। निर्माण पुराने थे, इसलिए कमजोर हुए। अब विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इस बात को बताएं कि उनकी सरकार 2005 से पहले 15 सालों तक बिहार में थी उस कार्यकाल में कितने पुल-पुलियों का निर्माण हुआ? वो बताएं कि पुलों के निर्माण में कितने की राशि खर्च की गई? कौन सा मेगा प्रोजेक्ट लालू यादव और राबड़ी देवी की सरकार में बने? हां, आपके माता पिता के शासनकाल में सड़क से ज्यादा अलकतरा घोटाले की चर्चा जरुर थी। पता नही, उस समय अलकतरा कौन पीता था? बिहार के लोगों को तो ये समझ में नही आता था कि सड़क है या गड्ढा है गड्ढा या सड़क। तेजस्वी यादव जी, जो परीक्षा देता है वही पास या फेल होता है।

छपरा शहर में जलजमाव की समस्या के निदान हेतु जल निकासी की स्थायी व्यवस्था को लेकर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधि गण एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक

संवाददाता

- जनप्रतिनिधियों से उनके अनुभवों के आधार पर लिया गया महत्वपूर्ण सुझाव
- प्राप्त सुझावों के आधार पर एक सप्ताह के अंदर स्पष्ट एवं समेकित कार्य योजना तैयार करने का नगर आयुक्त को निदेश
- नाले/नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु एक सप्ताह में कार्ययोजना तैयार करने का अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश, प्राथमिकता के अनुरूप चरणबद्ध ढंग से अतिक्रमण हटाने हेतु की जायेगी कार्रवाई

सारण, छपरा 5 जुलाई, 2024 छपरा शहर में जलजमाव की समस्या के स्थाई निदान को लेकर जल निकासी की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी श्री अमन समीर की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधि गण एवं नगर निगम, विभिन्न संबंधित विभाग तथा रेलवे के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। नगर निगम एवं आस पास के पंचायतों को मिलाकर जल निकासी की व्यवस्था हेतु समेकित कार्ययोजना तैयार कर इसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधि गण से उनके अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किये गये।

इस संदर्भ में माननीय विधायक श्री जितेंद्र कुमार राय, पूर्व मंत्री श्री उदित कुमार राय, महापौर नगर निगम छपरा, छपरा सांसद प्रतिनिधि श्री सतेंद्र सिंह एवं सीमावर्ती विभिन्न पंचायतों के मुखिया गण ने अपने अपने पूर्व के अनुभवों एवं वर्तमान स्थिति के आलोक में महत्वपूर्ण सुझाव दिया।

सुझावों में मुख्य रूप से जल निकासी हेतु एंड टू एंड व्यवस्था के क्रियान्वयन पर बल दिया गया। इसके किये कई पुराने अतिक्रमित नालों/नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराने, कई जगहों पर नये कलवर्ट/पुलिया/मिसिंग लिंक नाले के निर्माण कराने, नालों/नालियों की उड़ाही कराने आदि महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। नमामि गंगे परियोजना के तहत जारी कार्यों को तेजी से पूरा कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। रेलवे के स्वामित्व वाले नालों एवं वेंट की निरंतर सफाई की प्रभावी व्यवस्था की भी आवश्यकता बताई गई।

बैठक में प्राप्त सभी सुझावों के आधार पर एंड टू एंड प्रणाली के दृष्टिगत शहर के विभिन्न दिशाओं में जल निकासी हेतु समेकित कार्य योजना एक सप्ताह में तैयार करने का निदेश नगर आयुक्त को दिया गया। इसके तहत आवश्यक नये स्ट्रक्चर के निर्माण के आवश्यकता को भी शामिल किया जायेगा। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत के कार्यों को नगर निगम के माध्यम से तथा सीमावर्ती पंचायतों के कार्यों को जिला परिषद के माध्यम से क्रियान्वित कराया जायेगा।

सभी नालों की मैपिंग कराकर अतिक्रमित नालों को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु एक सप्ताह के अंतर्गत कार्ययोजना तैयार करने का निदेश अनुमंडल पदाधिकारी सदर को दिया गया। प्राथमिकता के अनुरूप चरणबद्ध ढंग से नालों से अतिक्रमण हटाया जायेगा।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रेलवे के वरीय मंडल अभियंता तथा उपस्थित रेलवे के स्थानीय पदाधिकारियों को भी इसमें आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। रेलवे के स्वामित्व वाले नालों एवं वेंट की साफ सफाई रेलवे प्रशासन एवं नगर निगम के आपसी समन्वय एवं दोनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सुनिश्चित कराया जायेगा। रेलवे प्रशासन के अनुरोध पर उनके स्वामित्व के परिसम्पत्तियों के लिए नगर निगम को देय वार्षिक शुल्क के निर्धारण हेतु एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। रेलवे के स्वामित्व के नालों एवं वेंट की सफाई हेतु स्थाई कार्ययोजना के तहत नगर निगम को एक समयबद्ध एसओपी तैयार करने को कहा गया।

पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को अपने स्वामित्व की सड़कों में आवश्यकतानुसार नये नालों/ वेंट के निर्माण हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया। बैठक में प्राप्त सुझाव के तहत सांढा ढाला से बाजार समिति के आगे तक नये नाले का निर्माण कर आगे पूर्व निर्मित नाले में जोड़ने हेतु कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बुडको के अभियंता को नवनिर्मित मेन सीवर लाइन संरचनाओं के साथ पूर्व के नालों को जोड़ने हेतु त्वरित कार्रवाई करने को कहा गया। 8 आउट पंप सिस्टम में से अद्यतन 5 तैयार है, अन्य को भी तैयार करने हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया।

बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के बीच समन्वय हेतु एक अलग से व्हाट्सएप ग्रुप बनाने को कहा गया।

बैठक में विधायक श्री जितेंद्र कुमार राय, महापौर, जिला परिषद अध्यक्षा, पूर्व मंत्री श्री उदित कुमार राय,नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा सांसद प्रतिनिधि श्री सतेंद्र सिंह, विभिन्न सीमावर्ती पंचायतों के मुखिया गण, प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी सदर, नगर निगम के अन्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग/बुडको सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कराए जा रहे योजनाओं में गड़बड़ी बर्दाश्त नही, परभारी मंत्री

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन धरातल पर उतारने के मद्देनजर सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। कराए जा रहे कार्यों में पुरी पारदर्शिता हो साथ ही विहित गुणवत्ता एवं तय विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें।

उक्त बात अशोक चौधरी,माननीय मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग अध्यक्ष झसहझप्रभारी मंत्री,जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति ने विभिन्न विभागों के समीक्षात्मक बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सभी पदाधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करें। अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं तत्परता के साथ करते हुए सरकार के विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन मेंअपनी भूमिका निभाएं ताकि आम आवाम को इसका लाभ मिल सके इसके पूर्व जिलाधिकारी सीतामढ़ी श्री रिची पांडेय के द्वारा माननीय मंत्री जी एवं माननीय सांसद ,सीतामढ़ी श्री देवेश चंद्र ठाकुर का स्वागत पौधा देकर किया गया।

बैठक में माननीय मंत्री जी के द्वारा निर्देश दिया गया कि जिले में प्राइवेट नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच टीम बनाकर की जाए। उन्होंने कहा कि अनधिकृत रूप से या बिना लाइसेंस के चलने वाले नर्सिंग होम या अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच की जाए।सिविल सर्जन को निर्देशित करते हुए कहा कि जांचोपरांत अनधिकृत रूप से चलने वाले नर्सिंग होम /अल्ट्रासाउंड केंद्र के विरुद्ध नियमानुसार विधि सम्मत कार्रवाई की जाय।माननीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा विद्युत सप्लाई में कमी एवं पिक आवर में बिजली कटौती की बात उठाने पर , माननीय मंत्री के द्वारा विद्युत की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के मद्देनजर सख्त निर्देश दिए गए। विशेष कर पुपरी में विद्युत सप्लाई में कमी को लेकर माननीय जन प्रतिनिधियों के द्वारा बात रखी गई। जर्जर तारों को शीघ्र हटाने का निर्देश दिया गया।साथ ही बांस बल्लो के जगह पोल के सहारे विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया गया।विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहे हैं।जन वितरण प्रणाली दुकानों में उपलब्ध कराए गए अनाज की गुणवत्ता ठीक नहीं होने एवं उपलब्ध अनाज का वजन कम होने की शिकायत मिलने पर माननीय मंत्री के द्वारा निर्देश दिया गया कि संबंधित अनुमंडल अधिकारी और अनुमंडल पुलिस अधिकारी संयुक्त रूप से लगातार छापामारी करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उपलब्ध कराए गए अनाज की गुणवत्ता में यदि कमी पाई जाएगी तो संबंधित विभाग के पदाधिकारी नपेंगे। बैठक में जिले में सड़कों की स्थिति को लेकर माननीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा सवाल उठाए गए जिस पर माननीय मंत्री जी ने आर डब्लू डी एवं आर सी डी के अभियंताओं को निर्देशित किया की वैसे सड़कों की सूची प्राप्त कर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करते हुए आवागमन बहाल करना सुनिश्चित किया जाए ।उन्होंने आरसीडी एवं पहुऊ के अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि जो सड़के खराब हैं ,शीघ्र दुरुस्त करें,जहां एप्रोच रोड बनाने की जरूरत है शीघ्र बनाएं,साथ ही महादलित टोलों के संपर्क पथ का निर्माण करना सुनिश्चित करें।शिक्षा विभाग के समीक्षा के क्रम में माननीय जन प्रतिनिधियों के द्वारा स्कूलों में चारदीवारी निर्माण ,चापाकल का संस्थापन एवं बेंच /डेस्क की इत्यादि की आपूर्ति में प्राप्त शिकायतों के आलोक में जांच कराने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कराने की भी बात कही गई। कार्यपालक अभियंता पी एच ई डी को निर्देशित किया गया कि नल-जल की जिन योजनाओं का हस्तांतरण अभी तक पीएचईडी को नहीं किया गया है तुरंत शिफ्ट कराते हुए अग्रेतर कारवाई करें।

सिवान के ब्लेथा मे एक साथ उठी तीन अर्थी मां, पिता व पुत्र का ,ट्रिपल हत्या से सनसनी

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान 5 जुलाई शुक्रवार। मुफासिल थाना क्षेत्र स्थित ब्लेथा बाजार पर बृहस्पतिवार को कलयुगी पुत्र अवधेश कुमार साह ने ही अपने माता, और छोटे भाई की हत्या कर दी थी। और पिता को चाकू मारकर घायल कर दिया था। जिसे इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर किया गया था। लेकिन इलाज के कर्म मे पिता ने भी दम तोड़ दिया। जिसे मृतकों की संख्या तीन हो गई। बता दे की बृहपतिवार को दरवाजे पर टेंट का पाइप रखने को लेकर विवाद दो भाइयों सूरज कुमार साह और अवधेश कुमार साह के बिच हुआ। जिसे बिच बचाव करने आए पिता, शिव नाथ साह 68 वर्ष और माता सुशीला देवी 65 बर्ष को पुत्र अवधेश कुमार साह ने भाई सूरज कुमार 25 बर्ष और माता सुशीला देवी को चाकू मारकर घटना स्थल पर हत्या कर दी। जब की पिता की मौत इलाज के कर्म मे पटना पीएमसीएच में हो गई। इन तीन हत्याओं ने पुरे इलाके को मातम मे डूबा दिया। वही शुक्रवार को गांव मे ही तीनो का दाह संस्कार कर दिया गया। पुलिस ने तवरीत कारवाई करते हुए अवधेश साह को गिरफ्तार कर सिवान जे सीवान जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बलेथा गांव में गुरुवार की शाम आपसी विवाद में एक युवक ने मां और भाई की चाकू घोंपकर जान ले ली। वहीं पिता को भी चाकू से जख्मी कर दिया। इस घटना में मृत मां की पहचान सुशीला देवी और छोटे भाई की पहचान सूरज साह के रूप में हुई है। जबकि पिता शिवनाथ साह गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है। बताया गया है कि गुरुवार की शाम को अवधेश साह अपने मवेशियों से दूध निकाल रहा था। इस दौरान छोटा भाई टेंट का सामान कहीं ले जाने के लिए निकालने लगा। अवधेश के मना करने पर घर के अन्य सदस्यों में कहासुनी शुरू हो गयी। वहीं, मां और बाप भी मौके पर पहुंचकर झगड़ा छुड़ाने लगे। लेकिन धीरे-धीरे विवाद बढ़ता गया और चाकूबाजी होने लगी। अवधेश कुमार के हाथ में भी चाकू था, इससे उसने अपने छोटे भाई सूरज साह और मां सुशीला देवी, पिता शिवनाथ साह पर वार कर दिया। चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल सभी जमीन पर गिर गए और शरीर से अत्यधिक खून निकलने लगा। इधर, जबतक सुशीला देवी और उसके पुत्र सूरज को सदर अस्पताल लाया जाता, उससे पहले घटनास्थल पर ही दोनों ने दम तोड़ दिया। वहीं, इस घटना में घायल शिवनाथ साह, अवधेश साह व पुत्र आलोक साह का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। वहीं एसपी कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले में अपसी विवाद में घटना हुई है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सिवान छपरा रेल खंड दुरौंधा पश्चिम ढाला के समीप ट्रेन से कटकर तीन की मौत

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

5 जुलाई शुक्रवार।सिवान छपरा रेल खंड दुरौंधा पश्चिम ढाला के पास गोरखपुर से आने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस से कट कर एक महिला और दो बच्चो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मृतकों में एक महिला है और दो छोटे छोटे बच्चे है।

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 5 जुलाई शुक्रवार।सिवान छपरा रेल खंड दुरौंधा पश्चिम ढाला के पास गोरखपुर से आने वाली पूर्वांचल एक्सप्रेस से कट कर एक महिला और दो बच्चो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मृतकों में एक महिला है और दो छोटे छोटे बच्चे है। आरपीएफ रेल पुलिस चौकी इंचार्ज श्री गयास सरवर ने बताया कि महिला की उम्र लगभग 35 बर्ष है और बच्चो की उम्र 6साल और तीन साल है। आशंका जताई जा रही है की महिला अपने बच्चो संग आत्म हत्या की है। रेल पुलिस जांच मे जुटी हुई है पुलिस तीनो शव को अपने कब्जे मे लेकर सिवान सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। वही दुरौंधा रेल पुलिस चौकी इंचार्ज श्री गयास सरवर ने बताया की शव को पहचान हेतु सदर अस्पताल के मॉर्चरी मे रखा जाएगा। अगर कोई वारिश मिलेगा तो शव को शोप दिया जायेगा। अन्यथा प्रशासन के द्वारा खुद ही अन्तिम संस्कार कर दिया जायेगा।

महिला एवं बाल विकास निगम ने किया सखी वार्ता का आयोजन

संवाददता
कफील एकबाल

मोतिहारी 5 जुलाई। महिला एवं बाल विकास निगम,समाज कल्याण विभाग बिहार के निदेर्शानुसार जिला हब एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन के कर्मियों द्वारा पिपरा कोठी प्रखंड के सूर्यपुर पंचायत स्थित झखरा बलुआ के महिलाओं के साथ सखी वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार एवं आई.सी.डी.एस द्वारा संचालित योजना यथा-वन स्टॉप सेन्टर, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना, मुख्य मंत्री कन्या उत्थान योजना, प्रधानमंत्री मंत्री मातृत्व वंदना योजना ,सामाजिक पुनर्वास कोष योजना, महिला हेल्पलाइन(181) के साथ-साथ बाल विवाह , दहेज प्रथा,

लैंगिक समानता, स्वच्छता माहवारी, लैंगिक हिंसा,असंगठित क्षेत्र कामगार शिल्पकार योजना,लेबर किकार्ड, परवरिश योजना, स्पांसरशिप योजना,स्टूडेंट कैरेडिट कार्ड सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही जिला मे संकल्प "100 दिन का विशेष अभियान " के अंतर्गत कल्याणकारी योजनाओं के साथ - साथ भारतीय न्याय संहिता के बारे में जानकारी प्रदान की गई। उपरोक्त सभी जानकारी जिला मिशन समनव्यक निधि कुमारी, लैंगिक विशेषज्ञ एजाजुल अंसारी,महिला एवं बाल विकास निगम,समाज कल्याण विभाग यूनिसेफ द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा के द्वारा दिया गया।बैठक में सेविका उर्मिला देवी, जीविका समूह समूह से अनिता देवी,उर्मिला देवी, ललिता देवी, राजमती देवी, हैवंती देवी, पूनम देवी, बबीता देवी सहित कुल 50 महिलाएं उपस्थित हुई।

रुपौली में वोटिंग से पांच दिन पहले बीमा भारती के पति अवधेश मंडल व बेटे की तलाश में घर पर इश्तेहार

संवाददाता

पटना:लोकसभा चुनाव को लेकर बीमा भारती के इस्तीफे से खाली पूर्णिया के रुपौली विधानसभा में 10 जुलाई को मतदान होने वाला है। पिछली बार जेडीयू से विधायक बनी बीमा भारती इस बार आरजेडी से चुनाव मैदान में है। मतदान से पांच दिन पहले उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। चर्चित यादुका हत्याकांड में आरोपी उनके पति और बेटे की गिरफ्तारी के लिए कानून का शिकंजा कस गया है। भवानीपुर के चर्चित व्यवसायी गोपाल यादुका हत्याकांड में फरार चल रहे रुपौली के पूर्व विधायक बीमा भारती के पति अवधेश मंडल और उसके पुत्र राज कुमार राज उर्फ राजा कुमार के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपका दिया है। बीमा भारती नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट के समय जदयू छोड़कर आरजेडी में शामिल हो गई थीं और पूर्णिया से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने रुपौली विधानसभा से त्यागपत्र दे दिया था। लेकिन पप्पू यादव ने उन्हें हरा दिया।भवानीपुर पुलिस ने पूर्व प्रमुख अवधेश मंडल के भवानीपुर नगर पंचायत के भवनदेवी टोला स्थित आवास और उनके पैतृक घर भिट्ठा आवास में इश्तेहार चिपकाया। इस मामले में भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुरुवार की संध्या न्यायालय से निर्गत इश्तेहार अवधेश मंडल के दोनों घरों पर चिपकाया गया है। चर्चित हत्याकांड में रुपौली की पूर्व विधायक बीमा भारती के पति पूर्व प्रखंड प्रमुख अवधेश मंडल को जहां पुलिस के अनुसंधान में मुख्य साजिशकर्ता बताया गया है, वहीं उसके पुत्र राज कुमार राज उर्फ राजा कुमार के द्वारा शूटर को हाइयर करने की बात पुलिस के द्वारा बताई गई। इस चर्चित हत्याकांड में दोनों का नाम आने के बाद से ही दोनों पिता पुत्र फरार बने हुए हैं।व्यवसायी गोपाल यादुका हत्याकांड में अवधेश मंडल और उसके पुत्र का नाम आने के बाद भवानीपुर पुलिस के द्वारा दोनों की गिरफ्तारी के लिए भवानीपुर पुलिस के द्वारा अवधेश मंडल के घर भिट्ठा एवं भवानीपुर से लेकर पटना स्थित बीमा भारती के सरकारी आवास तक छापेमारी करने का काम किया गया था।

मुकेश सहनी क्रूज पर करेंगे पार्टी की बैठक, बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई VIP

संवाददाता

अगले साल 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी कल यानी शुक्रवार को भागलपुर में जिलाध्यक्षों की बैठक करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने बताया कि पार्टी प्रमुख कल भागलपुर में पवित्र पावन गंगा की लहरों के बीच क्रूज पर प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे।उन्होंने बताया कि मुकेश सहनी बाबूपुर घाट, सबौर, भागलपुर से क्रूज द्वारा विभिन्न जगहों का भ्रमण करते हुए पार्टी की कमिटी की बैठक करेंगे। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के अध्यक्ष और कमिटी के अन्य लोग भी शामिल होंगे। पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में आगामी संभावित उप चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा की जाएगी तथा संगठन को और मजबूत करने को लेकर विचार विमर्श किया

जायेगा।आपको बता दें लोकसभा चुनाव में मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी ने महागठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। लालू यादव की आरजेडी ने अपने कोटे की तीन सीटें वीआईपी को दी थी। लेकिन कोई सीट जीतने में वीआईपी कामयाब नहीं रह पाई थी। गोपालगंज, झंझारपुर और मोतिहारी में वीआईपी के उम्मीदवार महागठबंधन की तरफ से उतारे गए थे। तीनों सीटों पर वीआई पार्टी को बड़े अंतर से हार मिली है। हालांकि चुनाव प्रचार में तेजस्वी के साथ मुकेश सहनी ने 250 से ज्यादा चुनावी रैलियां और जनसभाएं की थी। और दोनों के हेलीकॉप्टर में मछली और केक काटते हुए वीडियो वायरल हुए थे। और अब मुकेश सहनी की वीआईपी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। जिसके लिए भागलपुर में क्रूज पर जिलाध्यक्षों की मीटिंग बुलाई है।

मुहर्रम के अवसर पर शांति समिति की बैठक एवं दरोगा मुख्तार अहमद की विदाई समारोह आयोजन किया गया

संवाददाता
अबु बकर

- मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के औसी थाना के प्रांगण में मुहर्रम के अवसर पर शांति समिति की बैठक एवं दरोगा मुख्तार अहमद की विदाई समारोह आयोजन किया गया*

मुहर्रम के अवसर पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है।एवं साथ ही थाना में सेवानिवृत हुए दरोगा मुख्तार अहमद की विदाई समारोह भी आयोजित की गई है। औसी थाना परिसर में मोहर्रम त्योहार के अवसर पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। साथ ही औसी थाना से सेवानिवृत हुए पुअनी मुख्तार अहमद का विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बहुत संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जनता शामिल हुए। थाना अध्यक्ष विकास कुमार, मुखिया मोहम्मद कलाम कुरैशी, को बधाई देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं हमेशा खुशी खुर्रम रहने की दुआएं की गई अवसर पर थाना परिसर में थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि इन्होंने अपने कार्यकाल में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन और कार्य किए हैं जो एक सिख और अच्छे लोगों की एक पहचान है हम लोग हमेशा से प्रेरित और इनको याद करते रहेंगे हम लोग प्रार्थना करते हैं कि भगवान इनको सेहत और अच्छे खुश रखे ।

ब्रीफ न्यूज

आयुर्वेद कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ हरिशंकर सिह ब्रह्मचारी नहीं रहें

संवाददता
कफील एकबाल

मोतिहारी 5 जुलाई:नगर के मिशन चौक के पास रह रहे 77 वर्षीय अवकाश प्राप्त आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ हरिशंकर सिह ब्रह्मचारी का निधन उनके पैतृक गांव मे हुआ।डा ब्रह्मचारी बंद पड़े आयुर्वेद कॉलेज को नया जीवन दिया था तथा अपने बोल्डनेस एवं नेतृत्व क्षमता के बदौलत मृत पड़े आयुर्वेद कॉलेज में जान फूकी थी। उन्होने सैकड़ो छात्रों जीवन संवारा था। कॉलेज के सचिव के रूप में जब तक बिहार सरकार के मंत्री सीताराम सिंह थे तब तक कॉलेज अपने यौवन पर था ।यद्यपि हर कमेटी ने ब्रह्मचारी जी का दोहन और शोषण किया था लेकिन कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने में ब्रह्मचारी जी की अहम भूमिका थी। बिहार सरकार के सत्ता परिवर्तन के बाद नई कमेटी का गठन हुआ उसके बाद कालेज का दुर्दिन शुरू हुआ लेकिन कई उतार-चढ़ाव के बीच ब्रह्मचारी जी ने कॉलेज को चलाया।बाद मे आंतरिक कलह, गुटबाजी एवं कॉलेज के वित्तीय अनियमितता के कारण कॉलेज बंद हुआ और लगभग 12 -13 वर्षों से कॉलेज में पठन-पाटन नामांकन प्रक्रिया बंद है। अपने कार्यकाल में डॉक्टर ब्रह्मचारी जी ने कॉलेज के बड़े भूभाग पर भैसजय उद्यान लगाया था , आज सैकड़ो पेड़ विस्तरित हुये हैं । कालेज बंद होने से जड़ी बूटी का पौधा भी व्यर्थ पड़ा हुआ है उसकी कोई उपयोगिता नहीं हो पा रही है। ब्रह्मचारी जी ने कोरोना काल में अपने विशेष विधि से काढा निर्माण किया था जिसमें विभिन्न जड़ी बूटियो का इस्तेमाल हुआ था, बाद में भारत सरकार द्वारा उसी आधार पर काढा निर्माण के लिए प्रचार किया गया। उससे काफी लोगों को कोरोना में फायदा हुआ था ।उम्र के 75वें वर्ष में प्रवेश करने के साथ अवकाश प्राप्त ब्रह्मचारी जी ने संन्यास धर्म अपना लिया और वे गृहस्थी से संन्यास की ओर मुड़ गए ।गेरुआ वस्त्र धारी बन गए। सन्यास धारण करने के एक वर्ष के बाद ब्रम्हचारी जी का निधन हुआ ।उनके निधन से पूर्वी चंपारण के चिकित्सा जगत में शोक की लहर दौड़ गई ,काफी लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की।आयुर्वेद कॉलेज के वर्तमान प्राचार्य डॉ नरेंद्र कुमार ने कहा कि ब्रह्मचारी जी से हम लोगों ने बहुत कुछ सीखा है वे काफी साहसिक कदम उठाते थे ।विपरित परिस्थिति मे भी उन्होंने कॉलेज को चलाया था ,वैसे हम लोग उनसे जो कुछ भी सीखा है उस आधार पर कॉलेज को चलाने का प्रयास कर रहे हैं ।पूर्व प्राचार्य डॉक्टर डीएन मिश्रा के पुत्र डॉक्टर आलोक कुमार मिश्रा ने कहा कि वे आयुर्वेद के बहुत बड़े जानकार थे ,पौधों की विशेष जानकारी थी ।उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी कि हर परिस्थिति में वे किसी तरह कॉलेज को चला लेते थे अपने स्तर से बहुत हिम्मत का कदम उठाते थे ।डॉक्टर आर एन सिंह मुजफ्फरपुर आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के रीडर ने बताया कि ब्रह्मचारी जी आयुर्वेद के महापंडित थे और वे बहुत कुछ अपने साथ ले गए। नीमा के प्रदेश नेता डॉक्टर सच्चिदानंद पटेल ने अपने शुभ संदेश में कहा कि ब्रह्मचारी जी का निधन आयुर्वेद जगत के लिए काफी बड़ा नुकसान है, दिल्ली में अपनी मां डॉक्टर अंजु वर्मा के नाम पर क्लीनिक चला रही है डॉ आभा बर्मा ने कहा कि ब्रह्मचारी जी के समय में मैं बिहार यूनिवर्सिटी से डिग्री ली थी, उनसे पढ़ने का सौभाग्य मिला था ,वे काफी नॉलेज रखे थे आयुर्वेद के गुढ रहस्य पर उन्होंने बहुत कुछ बताया था ,उनकी मृत्यु की खबर से मैं व्यक्तिगत तौर पर मर्माहत हूं। डॉ रंजना पांडे ने कहा कि मोतिहारी की एक हस्ती चली गई उनकी कमी हमेशा खेलेगी। आईएमए के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शरण ने गहरी संवेदना व्यक्त की, डॉक्टर सीएल झा , डॉक्टर यू एस पाठक ,डॉ अजय कुमार वर्मा, सहित जिले के कई एलोपैथ डॉक्टरो ने भी अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव ,डॉक्टर शारदा कुमार ,डॉक्टर टीके नंदी, डॉक्टर सरिता कुमारी सहित कई अन्य डॉक्टरो ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

बीजेपी विधायक भरत बिंद पर जानलेवा हमला, झगड़े में दूसरे पक्ष की तीन महिला समेत 5 लोग घायल

संवाददता

बिहार के भभुआ से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायक भरत कुमार बिंद पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। यह घटना कैमूर जिले के चांद थाना इलाके में स्थित विधायक के पैतृक गांव सिलौटा की है। बुधवार शाम जमीन विवाद को लेकर विधायक का दूसरे पक्ष के लोगों के साथ विवाद हो गया। इस दौरान उनपर हमला किया गया, जिसमें बीजेपी विधायक को चोट भी लगी। इस मामले में विधायक के पुत्र संजय कुमार बिंद ने विरेंद्र यादव सहित 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इस झगड़े में विरेंद्र यादव के पक्ष की तीन महिला समेत पांच अन्य लोग भी घायल हुए हैं। विरेंद्र यादव ने विधायक भरत बिंद पर फायरिंग का आरोप भी लगाया है ।विरेंद्र यादव के पक्ष के घायल लोगों को परिजन बुधवार रात को चांद अस्पताल ले गए, जहां के डॉक्टर द्वारा उनका इलाज किया गया। इस मामले में दोनों पक्ष की ओर से चांद पुलिस थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया गया है। विरेंद्र यादव की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमा में भभुआ विधायक भरत प्रसाद बिंद सहित पांच लोगों को नामजद किया गया गया है। थानाध्यक्ष रविरंजन सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ एवं छानबीन की जा रही है। इलाज करा रहे विरेंद्र सिंह ने अस्पताल में बताया कि विधायक भरत बिंद के परिवार की ओर से फायरिंग भी की गई। उन्हें विधायक ने राइफल के बट एवं उसके कुंदे से मारकर घायल किया। वहीं, इस संबंध में पूछने पर विधायक भरत बिंद ने बताया कि घटना के दौरान वह मौके पर मौजूद थे। करीब 700 मीटर दूर से आकर उनपर जानलेवा हमला किया गया। इसमें उन्हें चोट भी लगी। विधायक ने कहा कि विरेंद्र यादव के घर से 10-15 पुरुष एवं 5-7 महिलाओं ने हमला किया है, जिसमें उनके परिजन भी घायल हुए हैं।

हाथरस हादसे व पानी की टंकी गिरने में मारे गए लोगां की आत्मा की शांति के लिए कांग्रेसियो ने निकाला कैंडिल मार्च

मथुरा। महानगर कांग्रेस कमेटी मथुरा के अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि के नेतृत्व में जनपद हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से सैकड़ो की संख्या में मृतकों एवं इ र अ कॉलेज के पीछे कृष्ण विहार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पानी की टंकी धराशाई में मृतकों के आत्म शांति एवं श्रद्धांजलि देने के लिए एक कैंडल मार्च होली गेट चौराहे से लेकर विकास बाजार स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर तक निकल गया महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने बताया कि जनपद हाथरस में सत्संग के दौरान बहुत ही दर्दनाक बड़ा हादसा हुआ है जिसमें 100 से भी ज्यादा जान चली गई हैं और सैकड़ो की संख्या में घायल भी हुए हैं उनकी आत्म शांति एवं श्रद्धांजलि देने के लिए होली गेट चौराहे से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी प्रतिमा पर कैंडल मार्च का समापन किया सभी कांग्रेस जनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष पर 2 मिनट का मौन रखा गया और घायलों को भी जल्द से जल्द स्वस्थ होने के भी कामना की और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की मृतकों के आश्रितों को पांच पांच लाख रुपए और घायलों ढाई ढाई लाख रुपए और उचित इलाज की व्यवस्था की जाए जिला प्रशासन ने इतने बड़े आयोजन की परमिशन किन बिंदुओं पर दी गई इसकी भी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। कैंडल मार्च में उपस्थित सर्वश्री महिला अध्यक्ष नीलम कुलश्रेष्ठ पार्षद संतोष पाठक अबरार कुरैशी निजामुद्दीन खान पूर्व सभासद डॉ.डी डी गर्ग मनोज गौड़ जिलानी कादरी दिनेश सैनी एडवोकेट विपुल पाठक हाजी शहाबुद्दीन ट्राली वाले प्रवीण गौड़ राजू फारुकी अशोक शर्मा डी पी शुक्ला रमेश कश्यप आशीष चतुर्वेदी राजकुमार शर्मा शाहिद कुरेशी कैमरे वाले उमाशंकर शर्मा अजय कुमार अप्रीतम सक्सेना महेश चतुर्वेदी मुस्लिम कुरेशी कासन रिजवी रवि वाल्मीकि इंद्रजीत गौतम नसरुद्दीन अब्बासी नितिन वाशने रवि कुमार एडवोकेट रवि उपाध्याय अशोक कुमार संतोष कुमार श्रीवास्तव अमित राज अनवर फारुकी वरूण अरोड़ा पूरन सिंह आसिफ कुरेशी दौलत राम गोला पुनीत शर्मा गोपाल कलुआ शाह विजय सिंह सौरभ दीक्षित मुकेश गोयल कुलदीप चतुर्वेदी विजय सिंह लोधी हरि दत्त शर्मा आदि कांग्रेस जन्म कैंडल मार्च में उपस्थित थे

आगरा में नव विवाहिता ने किया सुसाइड

आगरा। झांसी रेलवे ट्रैक के पास गांव टपरा के नजदीक एक नव विवाहिता का शव मिला है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि ट्रेन के सामने कूदकर नवविवाहिता ने जान दे दी। महिला की डेढ़ महीने पहले शादी हुई थी। रात को घर से अकेले निकली थी। सुबह 6 बजे उसका 4 किमी दूर रेलवे ट्रैक पर शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजन भी नहीं समझ पा रहे आखिर नव विवाहिता यहां कैसे पहुंची।

राजस्थान के धौलपुर के गांव खिल्ली निवासी धन सिंह ने अपनी 20 वर्षीय बेटी आशा देवी की शादी मलपुरा के कंचनपुर निवासी रामवीर सिंह के साथ 10 मई 2024 को की थी। परिजनों ने बताया है कि बुधवार की रात को करीब 10 बजे आशा देवी खाना खाकर अपने पति के साथ सो गई। परिवार के सभी लोग भी घर पर सो गए। पति रामवीर ने बताया है कि उसकी नींद करीब 3 बजे खुल गई, तो देखा पत्नी आशा देवी बिस्तर पर नहीं थी।

इसके बाद पति रामवीर सिंह ने इस बारे में परिजनों को बताया। परिजनों ने महिला को आसपास तलाशना शुरू किया। लेकिन महिला का कही कोई पता नहीं चला। इसके बाद सुबह 6 बजे परिजनों को टपरा चौकी के पास आगरा झांसी रेलवे लाइन पर महिला शव क्षत विक्षत हालत में मिला है।

घर से 4 किमी दूर है रेलवे ट्रैक

आशंका व्यक्त की जा रही है कि आशा कुमारी ने रेल के आगे छलांग लगाकर खुदकुशी की होगी। दर्दनाक हादसा देखकर परिजनों के होश उड़ गए। परिजन समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर मृतक आशा देवी रेलवे लाइन पर कैसे पहुंची। रेलवे ट्रैक घर से लगभग 4 किमी दूर है। इसके बावजूद वह इतनी दूर कैसे पहुंची। इसके बाद उसने सुसाइड किया।पति रामवीर सिंह पेंटिंग का कार्य करते हैं। घटना की जानकारी पर आशा देवी के मायके के स्वजन भी आ गए। स्वजन घटना के पीछे कारण नहीं बता पा रहे हैं। थाना प्रभारी ईश्वर सिंह तोमर ने बताया कि शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहले से चल रहा था प्रेम प्रसंग

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि महिला का पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसके बावजूद परिजनों ने इसकी शादी यहां कर दी। जिससे वह परेशान रहती थी। शादी के बाद से किसी से ज्यादा बात नहीं करती थी। ससुराल वाले उसको मायके भी जाने नहीं देते थे। इसलिए शायद उसने आत्महत्या की होगी। वहीं परिजन इस मामले पर कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं।

हाथरस हादसे के बाद ब्रज में भीड़ प्रबंधन पर बढी चिंता

साधु संत, भागवताचार्यो ने की अनुयाईयों से भावुक अपील

मथुरा। हाथरस हादसे के बाद धार्मिक आयोजनों में और तीर्थ स्थलों पर भीड़ प्रबंधन को लेकर चिंतन तेज हो गया। ब्रज में यह चिंतन चौतरफा दिख रहा है। जिला प्रशासन इस ओर से सतर्क हो गया है तो साधु संतों और भागवताचार्यों ने भी अनुयाईयों से भावुक अपील की है। हाल के वर्षों में ब्रज में भीड़ का दबाव बेतहाशा बढा है। मशक्कत के बावजूद भीड़ प्रबंधन को लेकर कोई प्रभावी कार्य योजना तैयार नहीं हो सकी है। हाथरस में सतसंग के दौरान हुए दर्दनाक हादसे के बाद मथुरा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड़ में नजर आ रही है। जिसे लेकर जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बांके बिहारी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा को लेकर मंदिर प्रबंधन व मंदिर सेवायतों के साथ मोहन बाग में बैठक की। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने मीडिया को जानकारी दी कि ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन सुलभ हो सकें जिसको देखते हुए मोहन बाग में मंदिर प्रबंधक व सेवायत गोस्वामियों के साथ बैठक कर उनकी राय ली गई है। जिससे कि श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकें। जिसे लेकर एक प्लान तैयार किया गया है। जिससे कि बाहर से आने वाले श्रद्धालु बिना किसी भय और डर के अपने आराध्य के दर्शन कर सके। हाथरस में हुए हादसे के बाद से मथुरा प्रशासन ही नहीं धमार्चार्य और भागवत आचार्य भी सतर्कता बरत रहे हैं।

इसी क्रम में वृंदावन के प्रेमानंद महाराज ने भी सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो पोस्ट कर उनके निवास से आश्रम जाने वाली रात्रि की यात्रा पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है।

युवक की हत्या के बाद सुनाई गई फेक स्टोरी

आगरा। बौद्ध कथा पंडाल के स्टेज पर 2 जुलाई को सो रहे युवक के सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारोपी ने सच्चाई बताई की गोली तमंचे को खोलने और बंद करने में चली। कुछ लोगों के कहने पर गोली चलने की बात छिपा दी गई थी। मृतक राजाबाबू के भाई के द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार आंवलखेड़ा में जूनियर हईस्कूल के सामने चार दिन से सामूहिक बौद्ध कथा चल रही थी। रात करीब साढ़े 12 बजे राजा बाबू स्टेज पर सो रहा था।

पास में गांव के 7-8 लोग भी सो रहे थे। तभी अज्ञात बदमाश ने गोली मार दी थी। राजा बाबू के पिता जय चंद की करीब चार साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। राजा बाबू मजदूरी करता था। उसका एक छोटा भाई प्रेम है। सभी ने छिपाई बात

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी गुलाब सिंह को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर तमंचा भी बरामद कर लिया गया है। पूछताछ में गुलाब सिंह ने बताया कि कथा की रात वो राजाबाबू के साथ पंडाल में लेता हुआ था। दोनों तमंचे से खेल रहे थे। इसी दौरान राजाबाबू को गोली लग गई।

प्रतिबंधित प्लास्टिक पर वसूला 20 हजार का जुमार्ना

मथुरा। प्रतिबंधित प्लास्टिक की पॉलीथिन मिलने पर कारोबारी के खिलाफ नगर निगम ने कार्यवाही की है। नगर आयुक्त के निदेर्शों के क्रम में नगर निगम मथुरा वृन्दावन क्षेत्रान्तर्गत लगातार प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अन्तर्गत प्राप्त होने वाली प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त करने के साथ जुमार्ना वसूल किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। कल्पना सिंह चौहान सहायक नगर आयुक्त के निर्देश में गुरुवार को सिविल लाइन एवं कचहरी के पास से काफी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। जिस पर टास्क फोर्स एवं सफाई निरीक्षक द्वारा कुल 20 हजार का जुमार्ना वसूली किया गया तथा चेतावनी दी गयी है कि प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध प्रतिदिन अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक जब्तीकरण करने के साथ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इस अवसर पर राजेश कुमार जेसीओ,` दीपक सफाई निरीक्षक, धर्मवीर सिंह प्रवर्तन दल, दीपक शर्मा, कमलकान्त आदि एवं प्रवर्तन दल मौजूद रहा।

संक्षिप्त डायरी

कर्मचारी निष्ठा से करें अपने दायत्व का निर्वहन : रविन्द्र

मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ द्वारा नवागत डीआईओएस रविन्द्र कुमार का अभिनंदन किया गया। इस अभिनंदन दौरान जिल विधालय निरीक्षक रविन्द कुमार सिंह ने कहा कि सभी अपना कार्य पूण निष्ठा के साथ करे मै पूर्ण विश्वास दिलाता हूं कि किसी का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। संघ के महामंत्री अक्षय भारद्वाज ने संघ परिवार क परिचय कराया। प्रदेश नेतृत्व द्वारा भेजे गए प्रदेश महामंत्री ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार ने श्री सिंह को पूर्ण विश्वास दिलाया कि संघ आपको कभी निराश नहीं करेगा पूर्ण ईमानदारी के साथ कर्मचारी वर्ग कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। जिलाध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता ने जनपद के एडेड विद्यालयों मे कर्मचारियों की कार्यशाला आयोजित करने का सुझाव दिया जिसमे आने वाली समस्याओ ओर उनका समयबद्ध निराकरण सुगमता पूर्वक हो। अभिनंदन दौरान डीआईओएस का स्वागत मुकेश सिंह सिकरवार अक्षय भारद्वाज उमेश गुप्त ने साफा बांधकर एवम प्रभु श्री राध कृष्ण की छवि चित्र प्रदान कर किया। इस दौरान जिला मंत्री संजय कुंतल नारायण प्रसाद पाण्डेय, विजय शर्मा, राधा चरण, बलदेव सिंह, ठाकु गिरधारी लाल, प्रेम सिंह, सत्यभान सिंह, प्रभात कुमार, राजेश कुमार, आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री बीएल वर्मा पहुंचे बांके बिहारी की शरण में

मथुरा। वृंदावन केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री बी एल वर्मा गुरुवार की सुबह ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर दर्शनों के लिए पहुंचे जहां भाजपा कार्यकताओं द्वारा श्री वर्मा का जोशीला स्वागत किया गया तीसरी बार मोदी सरकार में मंत्री बने राज्यसभा सांसद बी एल वर्मा गुरुवार की सुबह ठाकुर श्री बांके बिहारी के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। जहा उन्होंने ठाकुर जी के समक्ष विधिवत पूजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलित किया। सेवायत गोस्वामियों द्वारा उन्हें ठाकुर जी का प्रसादी अंगवस्त्र ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया गया। मथुरा में आयोजित पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस समारोह में शामिल होने आए श्री वर्मा ने कहा कि ठाकुर जी की कृपा से ही उन्हें मंत्री बनाकर जनता की सेवा का अवसर प्रदान किया गया है।

वृंदावन में घरों में घुसा बारिश का पानी

मथुरा। बारिश के मौसम के साथ नगर निगम और नगर निगम के कर्मचारियों की पोल भी खुलने लगी है। बारिश होते ही नगर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिसके बाद नगर वासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ऐसा ही एक नजारा गुरुवार की सुबह हुई बारिश के बाद मथुरा वृंदावन नगर निगम के वार्ड संख्या 34 के गौरा नगर कॉलोनी में देखने को मिला जहां पर नालियों की सफाई न होने के चलते लोगों के घरों में बारिश और नाली का पानी घुस गया। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए वार्ड संख्या 34 के निवासी पंकज शर्मा ने बताया कि वार्ड संख्या 34 की पार्षद माधवी बघेल के पति सतीश बघेल से कई बार उन्होंने बारिश से पहले नालियों की सफाई के विषय में अवगत कराया है, लेकिन उसके बावजूद भी कोइ सुनवाई नहीं हुई है। जिसके चलते उनके घर में नाली और बारिश का पानी घुस गया। जिसके बाद उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं गौरा नगर में कई नई सड़कों का निर्माण हुआ है। जिसके बाद से नालियों की सफाई नहीं हो पाई है। जिससे गौरा नगर में कई जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

कृष्णा नगर कृष्णा प्लाजा में शॉपिंग करने आया था टटलू

मथुरा । कृष्णा नगर कृष्णा प्लाजा में शॉपिंग करने आया था टटलू 4000 की शॉपिंग करने के बाद पेटीएम कर पेमेंट क्लियर करने का किया नाटक लेकिन शॉपकीपर के अकाउंट में पेमेंट नहीं आया तभी उसने उसको पकड़ लिया और पुलिस चौकी कृष्णा नगर के हवाले कर दिया है बताया गया है राधा नगर में चौधरी स्पोर्ट्स वाले के यहां भी वह शॉपिंग करने आया था वहां भी उसने पेटीएम क्लियर किया था लेकिन उसके अकाउंट में पैसे नहीं पहुंचे दो दुकानदारों ने आरोपी के खिलाफ पुलिस चौकी कृष्णा नगर में एप्लीकेशन देकर शिकायत दर्ज कराई है आरोपी कृष्णा नगर चौकी में बंद है।

मुंह चिढ़ा रही यमुना किनारे बसे मथुरा में जलभराव की समस्या

नया बस स्टैंड के पास पुल के नीचे फंसी स्कूल बस

मथुरा। यमुना नदी के तीरे बसे मथुरा वृंदावन में जलभराव की समस्या का लाइलाज हो गई है। जेनर्म से लेकर स्मार्ट सिटी तक विगत 20 साल में अरबों रुपये की योजनाएं आईं और पानी की तरह बह गई। जलभराव की समस्या जस की तस है। जिस तरह यमुना शुद्धिकरण की योजनाएं लगातार बन रहीं हैं पैसा बहाया जा रहा है और यमुना साल दर साल पहले से कहीं ज्यादा दूषित होती जा रही है, यही हाल शहर में जल निकासी प्रबंधन का है। जेनर्म से लेकर स्मार्ट सिटी तक कई बडी योजनाएं पूरी हुईं लेकिन जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हो सका।

जानकारों का मानना है कि नव विकसित कॉलोनियों में जलभराव के अपने कारण हैं लेकिन पुराने शहर में इस समस्या का हल नहीं निकल पाना जिम्मेदारों के गैर जिम्मेदाराना होने को ही पुष्ट करता है।

मानसून की दूसरी बरसात में स्मार्ट सिटी में शामिल मथुरा वृंदावन नगर निगम क्षेत्र की एक भद्दी तस्वीर फिर से सामने उभर कर आ गई। गुरुवार तड़के आरंभ हुई वर्षा करीब सुबह दस बजे थमी। तेजी से पानी की निकासी न हो पाने से सड़के जल जग्न हो गई। बस की सीटों तक पानी के पहुंच जाने से छात्रों में चीख पुकार मच गई। चालक मदद के लिए गुहार लगाता रहा पर प्रशासनिक स्तर से कोई सहायता नहीं मिल सकी। चालक ने छात्रों की अपने कंधे पर बैठा कर बस से बहार निकाला। उसी समय आए नगर निगम के एक ट्रैक्टर ट्रॉली की भी चालक ने मदद ली। तब कहीं जाकर सभी छात्रों को सुरक्षित पानी से बहार निकाला जा सका। दवा लेकर जा रही एक एंबुलेंस भी इसी जलभराव में फंस गई। वहीं दवाईयां लेकर जा रही एक एम्बुलेंस भी पुल के नीचे पानी में फंस गई। एम्बुलेंस को निकालने के लिए जेसीबी की मदद ली गई।

28 देशों की 110 सुंदरियों ने किया ताजमहल का दीदार

आगरा। आगरा में 28 देशों की 110 विश्व सुंदरियों ने गुरुवार को ताजमहल का दीदार किया। हर देश की ब्यूटी पेजेंट विनर के लिए पर्यटन पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए थे। सुरक्षा के घेरे में इन सुंदरियों ने मोहब्बत की निशानी ताजमहल का दीदार किया। भारत में इस साल मिस टीन इंटरनेशल-2024 का आयोजन किया जा रहा है। यह इवेंट जयपुर में होगा। सभी सुंदरियां यहां भाग लेने पहुंची है। इनके साथ पिछले साल की विजेता मिस टीन इंटरनेशल भी पहुंची। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई।28 देशों से प्रतिभागियों ने पच्चीकारी और इतिहास को जानने में खास रुचि दिखाई। टूरिस्ट गाइड के माध्यम से ताजमहल के इतिहास और उसके वास्तुकला की जानकारी ली। सुंदरियों ने कहा कि ताजमहल मोहब्बत की निशानी है। ताजमहल एक अद्भुत स्मारक है। ताजमहल की खूबसूरती आंखों में क अलग ही चमक दे जाती है।सभी ब्यूटी पेजेंट विनर्स गोल्फ कार्ट से ताजमहल तक पहुंची। वहां टूरिस्ट गाइडों ने उन्हें ताजमहल के इतिहास, वास्तुकला और शाहजहां-मुमताज की प्रेम कहानी की जानकारी दी। इस दौरान पर्यटन पुलिस द्वारा सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। टूरिस्ट गाइड से सुंदरियों ने ताजमहल के इतिहास से जुड़े सवाल भी किए। ताजमहल को बनने में कितना समय लगा, कौन से कमरे बंद हैं, क्यों बंद हैं। यमुना की स्थिति को देखकर उन्होंने थोड़ी चिंता जताई।7 जुलाई को विनर्स को पहनाया जाएगा मिस टीन का ताज भारत में 30 देशों की प्रतिभागी ताज के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मिस टीन इंटरनेशनल 2023 बारबरा परागा 7 जुलाई को अपने उत्तराधिकारी को ताज पहनाएंगी। आगरा में भारत के अलावा, बांग्लादेश, बोस्टवाना, ब्राजील, कंबोडिया, क्यूबा, डोमिनियन रिपब्लिक, इंग्लैंड, फिजी, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, लिथुआनिया, मैक्सिको, मंगोलिया, नमीबिया, नेपाल, नीदरलैंड, फिलिपींस, साउथ अफ्रीका, स्पेन, श्रीलंका, थाईलैंड, यूगांडा, यूएसए, वेनेजुएला, वियातनाम और जिम्बाब्वे की प्रतिभागी शामिल रहीं।

आगरा में व्यापारी ने गोली मारकर सुसाइड किया

आगरा। आगरा में गुरुवार सुबह बेडरूम में व्यापारी ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से उसने गोली मारी है। एक दिन पहले यानी बुधवार को ही व्यापारी ने छोटे भाई को अपने इनकम टैक्स से संबंधित पूरी जानकारी दी। पिता के रिटर्न, अपने रिटर्न आदि के पूरे कागजात अपने छोटे भाई को दिखाए और समझाए थे। घटना थाना एत्माउद्दौला के ट्रांस यमुना इलाके की है। ट्रांस यमुना इलाके के अतुल शिवहरे (40) बिजनेसमैन थे। उनका तलाक हो चुका था। कुछ साल पहले ही दूसरी शादी की थी।परिजनों के अनुसार- गुरुवार सुबह अतुल जिम गए। फिर नहाए और पूजा करने मंदिर गए। वहां से लौटने के बाद मां से चाय बनाने के लिए कहा। मां चाय बना ही रही थी कि बेडरूम से गोली चलन की आवाज आई। घर वाले भागकर पहुंचे तो बेड पर अतुल मृत पड़ा था। उसने कनपटी में गोली मारी थी। पत्नी बाथरूम में और पिता पोर्च में थे जिस समय अतुल ने खुद को गोली मारी, उनकी पत्नी बाथरूम में थी। पिता घर के पोर्च में थे और भाई अपने कमरे में था। छोटा भाई मुरादाबाद मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर है। अतुल हर महीने उज्जैन महाकाल के दर्शन करने के लिए जाते थे। वह महाकाल के बहुत बड़े भक्त थे। पूरे शरीर पर भोलेनाथ के टैट बनवाए थे। कोई और घटना ना हो जाए, इसलिए पिता ने रिवॉल्वर रख ली आगरा शहर में शिवहरे समाज में युवाओं को जोड़ने का काम भी कर रहे थे। कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े थे वृद्ध आश्रम और गरीब बच्चों के लिए काम करते रहते थे। अतुल के पिता ने लाइसेंसी रिवाल्वर को उठाकर अलमारी में रख दिया था पुलिस के पूछताछ करने पर उन्होंने कहा- मैंने ही अलमारी में रिवॉल्वर रख दी थी कि कहीं कोई और घटना ना हो जाए। घटना सुबह 6.40 बजे की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गौरवशाली पर्यटक स्थल

आगरा

कैसे जाएं – यहां के लिए विमान सेवा की सुविधा है। 7 किलोमीटर की दूरी पर हवाई अड्डा है। आगरा के समीप 4 रेलवे स्टेशन हैं–आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ईदगाह आगरा जंक्शन और राजा की मंडी। सड़क मार्ग द्वारा देश के विभिन्न भागों से जुड़ा है।

अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर आगरा देश–विदेश में लोकप्रिय पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राचीन धरोहर मुगल काल की याद ताजा कर देती हैं। बात चाहे मो हब्बत की निशानी ताजमहल की हो या आगरा के किले की या फिर फतेहपुर सीकरी की, आगरा और उसके आसपास सारी ऐतिहासिक इमारतें एक से बढ़कर एक हैं। आगरा में विश्व की तीन सांस्कृतिक धरोहरें हैं। ताजमहल, आगरा का किला और फतेहपुर सीकरी। यह शहर यमुना नदी के तट पर बसा है। आगरा शहर को सकिंदर लोदी ने 1506 ई. में बसाया था। आगरा लंबे समय तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। इसकी लोकप्रियता के कारण ताजनगरी आगरा सिर्फ उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि भारत का गौरव है। इस गौरवशाली शहर की ऐतिहासिक इमारतों का दीदार करने चलें–

ताजमहल

विश्व के सात अजूबों में ताजमहल एक महत्वपूर्ण अनोखा स्थान रखता है। यह खूबसूरत प्यार का महल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा विश्व के सबसे मशहूर इमारतों में से एक है। इसे बनाने में बाइस वर्ष (1630–1652) लगे। इसे बनाने में 20,000 कारीगरों की अथक मेहनत लगी थी। इसका निर्माण 1653 में पूरा हुआ। पूरे संगमरमर में तराशा हुआ यह भारत का ही नहीं विश्व की भी अति उत्तम कृति है। यह मुगल शैली के चार बाग के साथ स्थित है जिसे फारसी वास्तुकार उस्ताद ईसा खां के दिशा निर्देश में यमुना नदी के किनारे बनवाया गया। इसके ऊपर 22 छोटे गुम्बद हैं जो इसके निर्माण वर्षो की संख्या बताते हैं। ताजमहल को एक लाल बलुआ पत्थर के चबूतरे पर बने सफेद संगमरमर के चबूतरे पर बनाया गया है। ताज की सर्वा धिक सुंदरता इसके इमारत के बराबर ऊंचे महान गुंबद में बसी है। यह 60 फीट व्यास का 80 फीट ऊंचा है। इसके नीचे मुमताज की कब्र है। इसके बराबर ही शाहजहां की भी कब्र है। अंदरूनी क्षेत्रों में रत्नों और बहुमूल्य पत्थरों का काम है। इसके साथ एक खबर–पर्य टकों के लिए शुक्रवार को बंद रहता है।

आगरा का किला

आगरा का दूसरा विश्व धरोहर है– आगरा का किला। जो शहर के बीचोंबीच सर उठाए खड़ा है। इसे लोग लाल किला भी कहते हैं। यह अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में शाहजहां ने इस किले का पुनरुद्धार बलुआ पत्थर से करवाया था। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान–ए–आम, दीवान–ए–खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल और मुसम्मन बुर्ज हैं। इसकी पूरी परिधि 24 किलोमीटर की है, जो दोहरे पर कोटेवाली किलेनुमा चहारदीवारी से घिरी है। शिवाजी 1666 में पुरंदरपुर संधि हेतु यहां आये थे। उनकी याद में एक बड़ी मूर्ति यहां स्थपित है। किले को देखने में आप का अच्छा–खासा समय लगेगा।

फतेहपुर सीकरी

मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई व अपनी राजधानी स्थानांतरित की। यह आगरा से 35 किलोमीटर दूर है। यहां अनेकों भव्य इमारतें बनवाई। यहां का बुलंद दरवाजा एक विश्व धरोहर स्थल है। बुलंद दरवाजा 53.63 मीटर ऊंचा और 35 मीटर चौड़ा है। यह लाल और शौकीन बलुआ पत्थर से बना है। जो नक्काशी और काले व सफेद संगमरमर से सजाया गया है। यहां पर दीवान–ए–आम, दीवान–ए–खास एवं पचीसी दरबार के अद्भुत प्राचीन वास्तुशिल्प को पर्यटक देखकर आनंदित और रोमांचित हो जाते हैं। मान्यता है कि सूफी संत शेख सलीम चिश्ती का घराना यहां पर ही था।

एतेमादुल्ला मकबरा

नूरजहां ने एतेमादुल्ला का मकबरा बनवाया था। यह उनके पिता ग्यासुद्दीन बेग, जो जहांगीर के दरबार में मंत्री थे, की याद में बनवाया गया था। मुगल काल के अन्य मकबरों सें अपेक्षाकृत छो टा हो ने से इसे श्रृंगारदान भी कहा जाता है। यहां के बाग, पीट्रा ड्यूरा पच्चीकारी व कई कलाकारी ताजमहल से मिलते हुए हैं।

जामा मस्जिद

जामा मस्जिद विशाल मस्जिद है। जो शाहजहां की पुत्री जहांआरा बेगम को समर्पित है। इसका निर्माण 1648 में हुआ था। यह अपने मीनार रहित ढांचे तथा विशेष प्रकार के गुंबद के लिए मशहूर है।

चीनी का रोजा

चीनी का रोजा शाहजंहा के मंत्री अल्लामा अफजल खां शकराउल्ल शिराज को समर्पित है। पारसी शिल्पकारी वाले चमकीले नीले रंग के गुम्बद के लिए यह जानी जाती है।

मेहताब बाग

मेहताब बाग ताजमहल के विपरीत यमुना के किनारे उत्तर में स्थित है। यह सबसे पुराना मुगल उद्यान है। इसे बाबर ने सन 1528 में बनवाया था। यह उद्यान ताजमहल से 2.34 किलोमीटर दूर है।

स्वामी बाग

स्वामी बाग समाधि हुजूर स्वामी महराज शिवदयाल सिंह सेठ का स्मारक है। यह शहर के बाहरी क्षेत्र में है जिसे स्वामी बाग कहते हैं। वे राधास्वामी मत के संस्थापक थे। इसका निर्माण 1908 में आरंभ हुआ था। कहते हैं कि यहां कार्य कभी समाप्त नहीं होगा। इसमें त संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

सकिंदरा

आगरा से 13 किलोमीटर दूरी पर महान मुगल सम्राट अकबर का मकबरा है। यह मकबरा उनके व्यक्तित्व की पूर्णता को दर्शाता है। अकबर ने स्वयं ही अपने मकबरे की रूपरेखा तैयार करवाई थी। उसी स्थान का चुनाव उसने स्वयं ही किया था। अपने जीवन काल में ही अपने मकबरे का निर्माण करवाना एक तुर्की प्रथा थी। जिसका मुगल शासक ने धर्म की तरह पालन किया। अकबर के पुत्र जहांगीर ने इस मकबरे का निर्माण 1613 में करवाया।

मरियम मकबरा

मरियम मकबरा अकबर की इसाई बेगम का मकबरा है। जो आगरा और सिकन्दराबाद के बीच में है। मुहम्मद कामिल खां कब जाएं कभी भी आगरा जा सकते हैं। वैसे नवम्बर से मार्च में जाना बेहतर है। सर्दियों के मौसम में घूमने और भी आनन्द आता है। आजकल आगरा में 'ताज महोत्सव' चल रहा है। इसकी शुरुआत 18 फरवरी को हो गई है, जो 27 फरवरी तक चलेगा। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे।

केरल

में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत–पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ऋषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी–बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग–बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षो में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर–मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़–पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भूत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

पहाड़ियों से घिरा इटली का खूबसूरत शहर ट्यूरिन

ट्यूरिन एक घनी आबादी वाला शहर है यह पहले कभी इटली की राजधानी हुआ करता था। यहां की सभ्यता, भाषा, खानपान बिल्कुल अलग है। इस शहर की गगनचुंबी इमारतें बहुत पुरानी हैं। इटली की मुद्रा लीरा है जिसका दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर से बहुत कम है इसलिए यहां वस्तुओं की कीमत हजारों, लाखों से शुरू होती है। मसलन खाने के लिए एक पिज्जा लगभग 10 से 12 हजार लीरा का आता है। यदि आप मकान खरीदने जाएंगे तो कम से कम तीनल्चार करोड़ लीरा देने पड़ेंगे। यदि आप घर का कुछ हल्काल्फुल्का सामान खरीदने जाएंगे तो कम से कम पचास हजार लीरा तो खर्च हो ही जाएंगे। यहां अधिकांश वस्तुएं उपयोग करो और फेंक दो वाली होती हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इटली में बाल कटवाने के लिए 20 हजार लीरा तक आपको देने पड़ेंगे।

ट्यूरिन के लोग इटालियन भाषा बोलना पसंद करते हैं। यहां शिक्षा भी इटालियन भाषा में दी जाती है। इटालियन भाषा के कुछ शब्द तो भारतीय बोलचाल की भाषा से काफी मिलतेल्जुलते हैं। जैसे कमीज को कमीचा, आज को ओज्जी व तुम को तू बोला जाता है। आधुनिकता के मामले में यहां के लोग अन्य यूरोपीय देशों से पीछे नहीं हैं।

ट्यूरिन पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इनमें प्रमुख है आल्पस। इटली के दक्षिण भाग में स्थित सिसली में विश्व प्रसिद्ध एटन नामक ज्वालामुखी है। यहां के लोग संगीत के शौकीन हैं। यहां लगभग हर घर में प्यानो होता है। यहां का मौसम अन्य यूरोपीय देशों की तरह परिवर्तनशील है। यहां पांच दिनों का सप्ताह होता है।

यहां के चौराहे बड़ेल्बड़े हैं जिन्हें प्रियात्सा कहा जाता है। यहां कई प्राचीन मीनारें हैं इनमें प्रसिद्ध पालातिनि टावर, प्रियात्सा कास्तेलो स्थित पलाजो मदामा व पुराने महलों में विक्टोरिया अमीदियो द्वारा बनाए गए हंटिंग लाज प्रसिद्ध हैं। ट्यूरिन का वानस्पतिक उद्यान बोटेनिकल गार्डन ट्यूरिन विश्वविद्यालय के मत्तीओली मार्ग पर है।

ट्यूरिन एक हराभरा शहर भी है। यहां पर अनेक पार्क और बागल्बगीचे हैं। उदाहरण के लिए वेलेंटिना पार्क जो पिछली शताब्दी के मध्य में इटली का पहला पार्क था। शहर के बाहरी छोर पर ला मंदरीना पार्क भी है इसका क्षेत्रफल 6,500 हेक्टेयर है।

ट्यूरिन के दर्शनीय स्थलों में यहां के संग्रहालय सबसे आकर्षक हैं। इंजिप्शियन संग्रहालय में लगभग 30 हजार देखने योग्य चीजें हैं। यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है। रायल आरमोरी यूरोप के बड़े संग्रहालयों में से एक है जिसमें 14 से 20वीं शताब्दी तक के हथियार रखे हुए हैं।

यहां का आटोमोबाइल संग्रहालय लगभग 10 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें पुरानी से पुरानी कारों का इतिहास है। इसमें इटली की पहली कार भी रखी हुई है। ट्यूरिन इटली का ऐतिहासिक शहर है जोकि विश्व भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

जेफ बेजोस बेच सकते हैं कंपनी के 25 मिलियन शेयर

- शेयर बिक्री के बाद कंपनी में बेजोस की हिस्सेदारी 912 मिलियन रह जाएगी

वाशिंगटन ।

एमेजान के फाउंडर जेफ बेजोस ने कंपनी के 25 मिलियन शेयर बेचने की योजना बनाई है। इन शेयरों की कीमत लगभग 5 बिलियन डॉलर है। जेफ बेजोस ने यह योजना एमेजान के शेयरों के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद बनाई है। इस बिक्री के बाद कंपनी में बेजोस की हिस्सेदारी 912 मिलियन या 8.8 फीसदी रह जाएगी। अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई फाइलिंग से यह जानकारी मिली है। एमेजान के शेयरों में बीते कुछ दिनों से लगातार तेजी देखी जा रही है। पिछले दिनों कंपनी के शेयर ने नया रिकॉर्ड बनाते हुए 200 डॉलर के पार पहुंचकर 200.43 डॉलर का स्तर छुआ। हालांकि, बुधवार को यह 1.21 फीसदी गिरकर 197.59 डॉलर पर बंद हुआ। अब जब भी एमेजान का शेयर 200.43 डॉलर के स्तर को पार करेगा, जेफ बेजोस अपने शेयर बेचने की योजना को अमल में लाएंगे। इस साल फरवरी में जेफ बेजोस ने नौ कारोबारी दिनों में लगभग 8.5 बिलियन मूल्य के एमेजान शेयर बेचे थे। जेफ बेजोस फिलहाल एलन मस्क के बाद दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, एलन मस्क 252 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया में सबसे अमीर हैं। वहीं जेफ बेजोस 219 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। कुछ समय पहले पहले स्थान पर रहे फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट 201 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ अब तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। बता दें कि जेफ बेजोस स्पेस एक्सप्लोरेशन कंपनी ब्लू ओरिजिन के भी फाउंडर हैं। इस दौरान एमेजान ने कहा कि वह छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों के लिए अपने सिक्योरिटी रोबोट, एस्ट्रो फॉर बिजनेस, को बंद कर देगा, क्योंकि कंपनी अपने ध्यान को घरेलू रोबोटों पर फोकस कर रही है।

बजाज सीएनजी बाइक कल होगी लांच

-ये दुनिया की पहली सीएनजी बाइक

नई दिल्ली ।

देश के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में कल शुक्रवार को बजाज ऑटो कंपनी दुनिया की पहली सीएनजी बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। बजाज ऑटो ने लॉन्च से पहले अपनी आगामी सीएनजी बाइक का नया टीज़र जारी किया है। इस अपकमिंग सीएनजी बाइक में एडीवी से इंस्पायर्ड डिजाइन है जो उस स्पेसिफिक ऑडियंस को अपील करता है। बजाज का लक्ष्य एक वर्सेटाइल प्रोडक्ट बनाना है जो प्रीमियम 125 सीसी मोटरसाइकिल पेश करके अलग-अलग ग्रुप्स को अपील कर सके।स्पाई शॉट्स जो सामने आई हैं उनमें एक छोटा सा फ्यूल टैंक दिख रहा है जो लगभग 5 लीटर पेट्रोल रखने में सक्षम है और बाइक के व्हीलबेस पर एक लंबी सीट है, जिसके नीचे सीएनजी टैंक रखा गया है। सीएनजी और पेट्रोल ईंधन की कंबाइंड कैपेसिटी ट्रेडिशनल 125 सीसी कम्यूटर मोटरसाइकिलों के समान टैंक रेंज होनी चाहिए। बजाज सीएनजी बाइक में सिल्वर रंग में हाइलाइट किए गए मस्कुलर टैंक श्राउड भी हैं, जो हेडलाइट हाउसिंग तक फैले हुए हैं यहां। गोल हेडलाइट एक क्लासिक टच देता है, जबकि हैंडलबार ब्रेसेस, नकल गार्ड और फ्रंट डिस्क ब्रेक कम्यूटर सेगमेंट में प्रीमियम फील देते हैं।बाकी नोटेबल कंपोनेंट्स में एक लार्ज साइड बॉडी पैनल, स्टाइलिश बेली पैन, स्प्लिट 5-स्पोक डिजाइन एलॉय व्हील्स, पीछे बैठने वालों के लिए फंक्शनल ग्रैब रेल, रिब्ड सीट, ट्रेडिशनल आरएसयू टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, रियर मोनो-शॉक सेटअप, टायर हगर और मेगा कलर रेंज शामिल हैं। बजाज द्वारा सीएनजी बाइक में 125 सीसी इंजन दिए जाने की संभावना है।

देश की फूड सर्विस 10 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली।

भारत में खान-पान सेवा बाजार के 2030 तक 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। इस दौरान कंज्यूमर बेस 45 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑनलाइन खानपान वितरण क्षेत्र में सीएजीआर 18 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है। इसकी पहुंच 2023 में 12 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 20 प्रतिशत हो जाएगी। खानपान सेवा बाजार में बाहर खाना और घर पर ऑर्डर करके मंगाना शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन फूड डिलीवरी मार्केट 2030 तक 2.12 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में खानपान सेवा बाजार का वर्तमान मूल्य 5.5 लाख करोड़ रुपये है। अगले सात वर्षों में इस कारोबार के सालाना 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो 2030 तक 9 से 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि मजबूत बुनियादी कारकों से प्रभावित होगी। इनमें विस्तारित ग्राहक आधार, बढ़ती खपत के अवसर और आपूर्ति में वृद्धि शामिल है। इसके अलावा ऑनलाइन खाद्य वितरण में (लगभग) 18 प्रतिशत सीएजीआर की दर से वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2030 तक कुल खानपान सेवा बाजार में 20 प्रतिशत का योगदान देगा। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारतीय खानपान सेवा बाजार, विशेष रूप से खाद्य वितरण में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उच्च आय, डिजिटलीकरण, बेहतर ग्राहक अनुभव और नए अनुभवों को आजमाने की प्रवृत्ति ने इस वृद्धि में योगदान दिया है।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक कई राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतों में कमी आई है। तो वहीं देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है।

गुरुवार को बिहार में पेट्रोल 10 पैसे घटकर 107.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल 10 पैसे घटकर 93.92 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। जबकि यूपी में पेट्रोल 2 पैसे घटकर 94.49 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे घटकर 87.55 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है।

यहां पेट्रोल के दाम 9 पैसे घटकर 104.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 10 पैसे घटकर 90.96 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर,

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर है।

आइनॉक्स विंड कर्ज मुक्त कंपनी बन जाएगी

आईडब्ल्यूईएल ने कंपनी में किया 900 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली । आईनॉक्स विंड लिमिटेड की प्रवर्तक आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड (आईडब्ल्यूईएल) ने कंपनी में 900 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके बाद पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी कर्ज मुक्त कंपनी बन जाएगी। आईनॉक्स विंड लिमिटेड ने गुरुवार को एक बयान में अपने प्रवर्तक आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड (आईडब्ल्यूईएल) द्वारा कंपनी में 900 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की। आईनॉक्स विंड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस निधि निवेश से हमें ऋण-मुक्त कंपनी बनने में मदद मिलेगी, हमारा बही-खाता मजबूत होगा तथा वृद्धि में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि भविष्य में ब्याज व्यय में पर्याप्त बचत होगी, जिससे हमारी लाभप्रदता में और वृद्धि होगी। कंपनी के अनुसार इस राशि का इस्तेमाल आईनॉक्स विंड लिमिटेड द्वारा अपने बाह्य ऋण को पूरी तरह से कम करने के लिए किया जाएगा, ताकि शुद्ध ऋण-मुक्त स्थिति प्राप्त की जा सके। आईनॉक्स विंड ने कहा कि शुद्ध ऋण मुक्त स्थिति में प्रवर्तक ऋण शामिल नहीं है।

सुजुकी मोटर ने 340 करोड़ का कोष नेक्स्ट भारत किया पेश

नई दिल्ली । जापान की मोटर वाहन कंपनी सुजुकी मोटर ने भारत में अपना पहला निवेश कोष नेक्स्ट भारत गुरुवार को शुरू किया। यह 340 करोड़ रुपये का कोष है जो मझोले शहरों और उससे नीचे के क्षेत्रों में मूल्य सृजन करने वाले प्रभावशाली उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। कंपनी के अनुसार सुजुकी की इस पहल का मकसद एक रेजीडेंसी कार्यक्रम के जरिए कृषि, वित्तीय समावेशन, ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला तथा ग्रामीण परिवहन के क्षेत्रों में सामाजिक प्रभाव वाले स्टार्टअप को समर्थन देना है। नेक्स्ट भारत के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नेक्स्ट भारत अपने प्रमुख रेजिडेंसी कार्यक्रम के जरिए उन कंपनियों में निवेश करना चाहता है जो वृद्धि के पहले चरण में हैं और उन उद्यमियों की मदद करना चाहता है जो अपने सफर की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार महीने के हाइब्रिड रेजीडेंसी कार्यक्रम में चयनित प्रभावशाली उद्यमियों को व्यापक मार्गदर्शन, संसाधनों तक पहुंच और उद्योग विशेषज्ञों तथा साथियों के साथ संपर्क करने के अवसर मिलेंगे, जिससे वे अपने उद्यमों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ा सकेंगे।

जावा येज़दी मोटरसाइकल्स की कीमत घटाई

नई दिल्ली ।

नई 2024 जावा 350 रेंज को कंपनी जावा येज़दी मोटरसाइकल्स ने 16 हजार रुपये की कटौती के साथ पेश किया है। कटौती के बाद बाइक की शुरुआती कीमत 1.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम हो गई है। हालांकि मोटरसाइकल में मैकेनिकल स्पेसिफिकेशन्स, डायमेंशन्स और फीचर्स बरकरार रखी गई हैं, लेकिन इसमें कई नए अपग्रेड्स भी किए गए हैं। अपडेटेड जावा 350 अब तीन नए कलर ऑप्शन्स में उपलब्ध है। ये कलर्स ओब्सीडियन ब्लैक, ग्रे और डीप फॉरेस्ट हैं। इसके अलावा, सभी कलर वेरिएंट में अब ऑप्शनल अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो ट्यूबलेस टायर के साथ आते हैं। मैरून, ब्लैक, वाइट और मिस्टिक ऑरेंज शेड्स उपलब्ध हैं, जिसमें स्पोक और अलॉय व्हील दोनों ऑप्शन हैं। कुल मिलाकर, मोटरसाइकल अब चुनने के लिए सात कलर ऑप्शन्स के साथ उपलब्ध है। जावा 350 में 334 सीसी सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन लगा है, जो 22.5 एचपी की पावर और 28.2 एनएम का पीक टॉर्क देता है। इस इंजन को स्लिप और असिस्ट क्लच वाले 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। इसके अलावा, कंपनी ने

सभी वेरिएंट में स्टैंडर्ड तौर पर डुअल-चैनल एबीएस देना जारी रखा है।

इसके अलावा, मॉडल में फ्रंट टेलिस्कोपिक फोर्क्स और एडजस्टेबल डुअल रियर एब्जॉर्बर सस्पेंशन सेटअप भी बरकरार रखा गया है। स्पोक व्हील वाले बेस मॉडल की कीमत 1.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम है, जबकि एलॉय व्हील वेरिएंट 2.08 लाख रुपये एक्स-शोरूम में उपलब्ध है।

टीयूईसीओ को ताप विद्युत संयंत्र लगाने मिली सैद्धांतिक मंजूरी

देहरादून । केंद्र सरकार ने यूजेवीएन लिमिटेड एवं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम टीयूईसीओ को कोयला-आधारित तापीय बिजली घर की स्थापना के लिए सैद्धांतिक सहमति दे दी है। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शक्ति नीति के अंतर्गत अप्रैल, 2024 में कोयला आवंटन हेतु केंद्र से अनुरोध करते हुए कहा था कि राज्य सरकार अपने सार्वजनिक उपक्रम यूजेवीएन लिमिटेड के अतिरिक्त टीयूईसीओ के जरिये भी कोयला-आधारित ताप-विद्युत संयंत्र की स्थापना करने के लिए इच्छुक है। इसी क्रम में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने उत्तराखंड को शक्ति नीति के अंतर्गत 1,320 मेगावाट क्षमता के ताप-विद्युत उत्पादन के लिए कोयला आपूर्ति की संस्तुति की थी। विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्र सरकार ने टीयूईसीओ के माध्यम से ताप-विद्युत संयंत्र की स्थापना पर सैद्धांतिक सहमति जता दी है। शक्ति नीति के तहत कोल इंडिया लिमिटेड केंद्र एवं राज्य सरकारों की उत्पादन कंपनियों तथा उनके संयुक्त उपक्रमों को अधिसूचित दरों पर कोयला आपूर्ति की अनुमति दे सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का अड्डा बनेगा भारत

- वैश्विक ब्रांड बनने मिल सकती है 44,000 करोड़ की मदद

नई दिल्ली । देसी कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक एवं सेमीकंडक्टर उत्पाद तैयार करने और वैश्विक ब्रांड बनने में मदद करने के लिए 44,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की सिफारिश की जा सकती है। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर का अड्डा बनाने के मकसद से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल अपनी रिपोर्ट में इसकी सिफारिश कर सकता है। कार्यबल रिपोर्ट को अंतिम रूप दे रहा है और उसमें 2024 से 2030 के बीच आवंटन की बात होगी। कार्यबल के एक सदस्य ने बताया कि सिफारिश के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (सिस्टम) के लिए 15,000 करोड़ रुपये, सेमीकंडक्टर उत्पादों के लिए 11,000 करोड़ रुपये और प्रतिभा विकास, साझा बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स एवं प्रौद्योगिकी व आईपी (बौद्धिक संपदा) जैसे प्रोत्साहनों के लिए 18,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया जा सकता है। सरकार से मंजूरी मिल गई तो तो यह आवंटन मोबाइल उपकरण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लगभग बराबर होगा। सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार अजय के सूद की अध्यक्षता में इस कार्यबल का गठन पिछले साल मार्च में हुआ था। इसमें एचसीएल के संस्थापक एवं एपिक फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय चौधरी, डिक्सन टेक्नोलॉजिज के एमडी सुनील वचानी, तेजस के पूर्व एमडी संजय नायक, वीवीडीएन टेक्नोलॉजिज के सीईओ पुनीत अग्रवाल, बोट के संस्थापक अमन गुप्ता, आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुशील पाल और दूरसंचार विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के प्रतिनिधि शामिल हैं।

शेयर बाजार ने बनाया नया रिकार्ड , सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के ऊपर पहुंचा

निफ़्टी भी बढ़त के साथ 24,304 पर रहा

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी जबरदस्त तेजी रही और बाजार ने नये रिकार्ड बनाते हुए पहली बार 80 हजार का आंकड़ा पारी किया। गत दिवस भी बाजार 80 हजार के ऊपर पहुंचा था पर बाद में फिसल गया था। बाजार में ये उछाल एशियाई व दुनिया भर के अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 62.87 अंक करीब 0.08 फीसदी बढ़कर 80,049.67 अंक के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 17.55 अंक तकरीबन 0.07 फीसदी बढ़कर 24,304.05 अंक तक पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा आज 2.69 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टीसीएस, इन्फोसिस और कोटक बैंक के शेयर भी बढ़े। वहीं दूसरी ओर एचडीएफ़सी बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 2.26 प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एलऐंडटी, टेक महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स के शेयर भी गिरे हैं। आज सुबह से ही एशियाई बाजारों में बढ़त देखी गयी। जापान के निक्के केई में 0.21 फीसदी की तेजी आई जबकि ताइवान वेटेड में 1.33फीसदी और कोरिया के कोस्पी में 0.59फीसदी की तेजी रही है। हैंगसेंग 0.43फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि शंघाई कंपोजिट में 0.16फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। दूसरी ओर गत दिवस अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। डाओ जोंस 23.85 (0.06फीसदी) अंक चढ़कर 39,308 पर बंद हुआ। वहीं नेसडेक 159.54 (0.88फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 18,188 के लेवल पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 28.01 (0.51फीसदी) अंक बढ़कर 5,537 पर बंद हुआ।

इससे पहले कल बुधवार को सेंसेक्स ने

80,074 और निफ्टी ने 24,307 का स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे आ गया था।

वहीं आज सुबह बाजार की शानदार तेजी के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। शुरुआती व्यापार में सेंसेक्स ने 80,300 के स्तर को पार कर लिया, जबकि निफ्टी50 ने 24,350 के स्तर को पार किया। बीएसई सूचकांक 80,331 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा और शुरुआती सौदों में 225 अंक की बढ़त के साथ 80,212 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर निफ्टी50 ने 24,372 का नया उच्चतम स्तर छूआ और 69 अंक की बढ़त के साथ 24,356 पर कारोबार करता दिखा।

श्रीलंका ने बांड धारकों से किया निजी ऋण पुनर्गठन करार

कोलंबो । श्रीलंका के वित्त मंत्री शेहन सेमसिंघे ने गुरुवार को कहा कि लंबी बातचीत के बाद द्वीप राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बॉन्डधारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौते पर पहुंच गया है। उन्होंने इसे नकदी की कमी का सामना कर रहे देश में ऋण स्थिरता को बहाल करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वित्त राज्य मंत्री सेमसिंघे ने कहा कि पुनर्गठन शर्तों पर बुधवार को समझौता हो गया, जिससे श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई। सेमसिंघे ने कहा कि कुल 37 अरब अमेरिकी डॉलर के बाहरी ऋण में आईएसबी (अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बॉन्ड) का हिस्सा 12.5 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह समझौता ऋण स्थिरता को बहाल करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि निजी बॉन्डधारकों के साथ समझौता भारत सहित देशों की आधिकारिक ऋणदाता समिति की मंजूरी के अधीन है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह आर्थिक पुनरुद्धार तथा मजबूती की दिशा में हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अधिकारियों ने बताया कि अपेक्षित कटौती 28 प्रतिशत होगी, जिसका अग्रिम भुगतान आईएसबी धारकों को इस वर्ष सितंबर से शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह चार वर्षों के लिए मार्च 2023 में बढ़ाए गए 2.9 अरब अमरीकी डॉलर के जारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के 'बेलआउट' में ऋण स्थिरता की पूर्व शर्त के तौर पर आई। भारत और चीन सहित द्विपक्षीय ऋणदाताओं के साथ 26 जून को पेरिस में ऋण पुनर्गठन समझौतों को अंतिम रूप देने के बाद इस पर बातचीत संपन्न हुई है।

जनवरी-जून में आवासीय बिक्री बढ़कर 10 साल के उच्च स्तर पर: नाइट फ्रैंक

- कार्यालय स्थान की मांग 33 प्रतिशत बढ़कर 3.47 करोड़ वर्ग फुट रही

नई दिल्ली ।

देश में 2024 की पहली छमाही में मकानों की बिक्री 11 साल के उच्च स्तर 1.73 लाख इकाई पर पहुंच गई। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक के अनुसार इस दौरान देश के आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय की मांग रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई। वार्षिक आधार पर इस वर्ष जनवरी से जून के बीच आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 1,73,241 इकाई हो गई, जबकि कार्यालय स्थान की मांग 33 प्रतिशत बढ़कर 3.47 करोड़ वर्ग फुट रही। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियाद तथा स्थिर सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण भारत का रियल एस्टेट बाजार पिछली कुछ तिमाहियों में तेजी से बढ़ा है। उन्होंने गुरुवार को ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इसके परिणामस्वरूप आवासीय तथा कार्यालय स्थानों की मांग दशक भर में सबसे अधिक रही। उन्होंने कहा कि 2024 की पहली छमाही जनवरी-जून में कुल बिक्री में प्रीमियम आवास की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही। मुंबई में आवासीय बिक्री जनवरी-जून 2024 में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 47,259 इकाई रही, जबकि शहर में कार्यालय स्थान की मांग 79 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट हो गई। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवासीय बिक्री चार प्रतिशत घटकर 28,998 इकाई रह गई, हालांकि कार्यालय स्थान की मांग 11.5 प्रतिशत बढ़कर 57 लाख वर्ग फुट हो गई। बेंगलुरू में आवासीय बिक्री में चार प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 27,404 इकाई हो गई जबकि कार्यालय मांग 21 प्रतिशत बढ़कर 84 लाख वर्ग फुट हो गई। पुणे में आवासीय बिक्री 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,525 इकाई रही, जबकि कार्यालय स्थान की मांग 88 प्रतिशत बढ़कर 44 लाख वर्ग फुट हो गई, चेन्नई में आवासीय मांग में उछाल और कार्यालय स्थान की मांग में इस अवधि में गिरावट आई। हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद में आवासीय तथा कार्यालय स्थान की मांग दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिपोर्ट पर गुरुग्राम स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी के अे धिकारी ने कहा कि विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर आवासीय संपत्तियों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसे उच्च आर्थिक वृद्धि तथा बुनियादी ढांचे के विकास से बल मिला है।

रुपया पांच पैसे कमजोर होकर 83.54 डॉलर पर

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के दौरान रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 83.54 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण रुपये को समर्थन मिला और गिरावट पर अंकुश लगा। सेंसेक्स और निफ्टी ने सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ और विदेशी पूंजी का पर्याप्त प्रवाह हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.52 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.49 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 105.36 पर रहा।

आगामी पांच वर्षों में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दुगना

प्रहलाद सबनानी

आगे आने वाले लगभग 10 वर्षों में भारत में 10 करोड़ नागरिक गरीबी से निकलकर मध्यम वर्गीय परिवार बन सकते हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 45 करोड़ हो जाएगी। जबकि हाई नेटवर्थ नागरिकों की संख्या 50 लाख के आस पास ही है। इससे नागरिकों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों की खपत भी बढ़ेगी। सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होने से गरीबी कम होती है। परंतु, महंगाई एवं विकास दर में संतुलन होना भी आवश्यक है।

पूरे विश्व में विभिन्न देशों के शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने के सम्बंध में विदेशी निवेशक संस्थानों को सलाह देने वाले एक बड़े संस्थान मोर्गन स्टैनली ने हाल ही में अनुमान लगाया है कि बहुत सम्भव है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे आने वाले 5 वर्षों में दुगना हो जाए।

आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचुअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है। अब, जब भारत में कई कम्पनियां अपनी विस्तार योजनाओं को लागू करने जा रही हैं अतः इन कम्पनियों के द्वारा नए शेयर, बाजार में जारी किए जाएंगे, जिन्हें खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे।

वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401ङ योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है।

भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, को कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ भी अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यतः शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अतः भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल

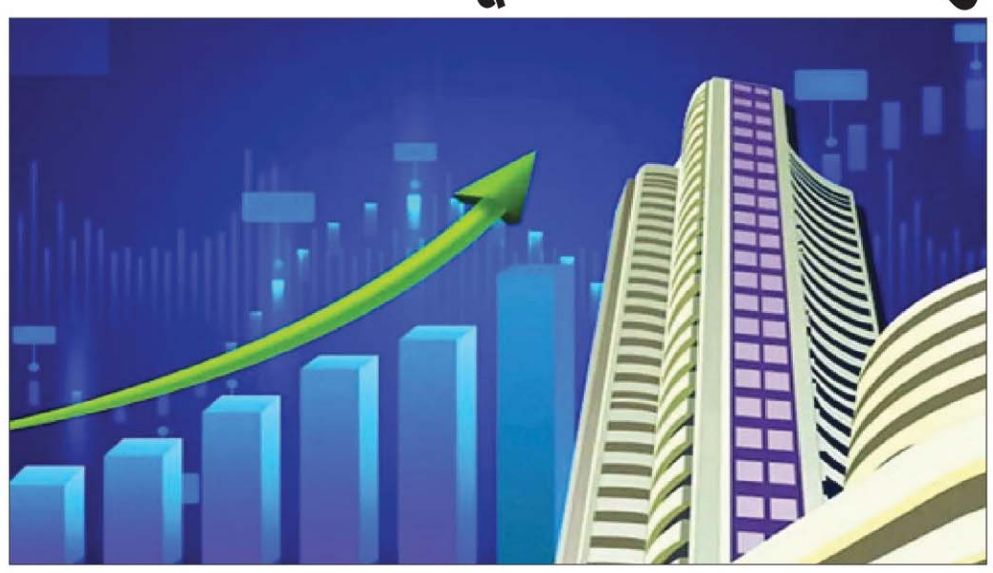

बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

भारत के नागरिकों की जेब में सीधे पैसे डालने के बजाय सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने में सरकार ने नागरिकों की भरपूर मदद की है, जैसे 3 करोड़ से अधिक मकान बनाकर गरीब वर्ग को उपलब्ध कराए गए हैं, ग्रामीण इलाकों सहित घरों में पानी उपलब्ध कराया गया है, 95 प्रतिशत से अधिक गावों में बिजली उपलब्ध कराई गई है, लगभग सभी घरों में गैस उपलब्ध कराई गई है, सड़क मार्ग विकसित किए गए हैं, गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खोले गए, आदि। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और वे कम बीमार पड़ने लगे हैं, उनके स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्चे कम हुए हैं और उनकी बचत बढ़ी है। कुल मिलाकर यह साइकल बहुत अच्छे तरीके से अपना काम करता दिखाई दे रहा है। सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने का कार्य अभी भी जारी है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस सबका यह परिणाम भी हुआ है कि देश में पिछले 10 वर्षों में गरीबी आधी रह गई है और इसे शून्य पर लाने के लिए कार्य जारी है।

भारत में उत्पादों के निर्माण में आधारभूत संरचना से सबंधित लागत बहुत अधिक है। इस पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है, इससे उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। हालांकि भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बहुत काम हुआ है। नए नए रोड बने हैं, रेल्वे का विकास हुआ है (रेल्वे का लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है), पोर्ट का विकास हो रहा है, नए एयर पोर्ट का निर्माण हुआ है, परंतु अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष हैं। वर्ष 2015 ने भारत में मालगड़ियां औसतन लगभग 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती थीं। अब वह औसतन लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं और आगे आने वाले 5 वर्षों में यह और आगे बढ़कर औसतन लगभग 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगेगी। इससे सबसे बड़ा लाभ उद्योग जगत को हुआ है, क्योंकि अब उन्हें कच्चे माल का स्टॉक कम मात्रा में रखना पड़ता है और इससे अंततः उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की लागत कम हुई है।

पिछले कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगातार कम होती रही थे अथवा स्थिर हो गई थी। परंतु, अब यह स्थिति भी बदलती जा रही है और आने वाले 5 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ने जा रही है। इसके परिणाम कई क्षेत्रों जैसे सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल्वे, फार्मा, औटोमोबाइल, ड्रोन निर्माण, सेमी कंडक्टर, फूड प्रासेसिंग, एयरो स्पेस, आदि में दिखाई भी देने लगे हैं।

भारत शेयर बाजार पूंजीकरण की दृष्टि से विश्व में आज अमेरिका, चीन, जापान, हांगकांग के बाद 5वें स्थान पर है। तीसरे स्थान पर शीघ्र ही आ सकता है। आगामी 10 वर्षों में बहुत सम्भव है कि भारत दूसरे स्थान पर भी आ जाए क्योंकि चीन और जापान के आर्थिक क्षेत्र में जिस प्रकार की समस्याएं दिखाई देने लगी हैं, इससे अमेरिका के बाद भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ सकता है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से विश्व में भारत तीसरे स्थान पर ही आ पाएगा। वर्तमान में भारत के शेयर बाजार का पूंजीकरण लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही हो पाया है।

आगे आने वाले लगभग 10 वर्षों में भारत में 10 करोड़ नागरिक गरीबी से निकलकर मध्यम वर्गीय परिवार बन सकते हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 45 करोड़ हो जाएगी। जबकि हाई नेटवर्थ नागरिकों की संख्या 50 लाख के आस पास ही है। इससे नागरिकों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों की खपत भी बढ़ेगी। सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होने से गरीबी कम होती है। परंतु, महंगाई एवं विकास दर में संतुलन होना भी आवश्यक है। यदि मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है तो यह गरीब वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करती है अतः विकास दर को कम रखने का प्रयास किया जाता है ताकि महंगाई की दर को कम किया जा सके। इसी नियम को विश्व के कई देश लागू कर रहे हैं इसीलिए वैश्विक स्तर पर विकास दर भी कम हो रही है। परंतु भारत में महंगाई की दर को नियंत्रण में रखने में सफलता मिली है इसीलिए भारत की विकास दर भी 7 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। हालांकि यदि महंगाई को यदि और अधिक नियंत्रण में (लगभग 3 प्रतिशत) लाया जा सके तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 से 9 प्रतिशत तक जा सकती है। भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में किसी प्रकार की जोखिम दिखाई नहीं दे रही है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में होने वाली समस्याओं के चलते ही हो सकती है।

संपादकीय

लापरवाही के हादसे

उत्तर प्रदेश में हाथरस के सिकन्द्राराऊ के पुलराई गांव में आयोजित सत्संग में मची भगदड़ से 125 लोगों की मौत हो गई। अनेक लोग घायलावस्था में अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। पुलिस के अनुसार मरने वालों की संख्या 116 बताई जा रही है। कथावाचक नारायण साकार हरिनाम जिसे विश्व हरि भी कहा जाता है, का यह सत्संग था जो एटा से अलग हुए कासगंज के पटियाली के बहादुरपुर गांव का मूल निवासी बताया जाता है। इसका असली नाम सूरजपाल जाटव है। उप्र पुलिस में कान्सटेबल जाटव छेड़खानी के मामले में निलंबित कर दिया गया था, बाद में बर्खास्त हो गया। अदालत द्वारा नौकरी बहाल किए जाने के बाद जाटव ने दावा किया कि परमात्मा से उनका सीधा संवाद होता है। इसके बाद तो उनके साथ-साथ धर्मभीरु जनता जुड़ती चली गई और बड़े-बड़े आयोजन होने लगे, जिनमें हजारों की संख्या में गरीब और वंचित शामिल होते हैं। कुचल कर मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। तीन साल पहले इसी बाबा के इटावा के नुमाइश मैदान में हुए सत्संग के दौरान भी अफरातफरी हुई थी। बेशकीमती चश्मा और सफेद कपड़े पहनने वाले बाबा के वदीधारी स्वयंसेवकों की लंबी-चौड़ी फौज बताई जा रही है। कार्यक्रम के लिए प्रशासन से केवल कुछ लोगों के शामिल होने की अनुमति थी। आयोजन स्थल के भीतर की व्यवस्था का जिम्मा स्वयंसेवकों का होता है। यह भीषण त्रासदी पुलिस-प्रशासन के गैर-जिम्मेदाराना रवैये का सबब कही जाएगी क्योंकि गांव की तरफ आ रही भारी भीड़ की अनदेखी की गई। चश्मदीदों के अनुसार भक्तों में बाबा के चरण छूने की मची होड़ का नतीजा थी यह भगदड़। बाबा फरार बताया जा रहा है और उसकी लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास जारी हैं। सत्संग के व्यवस्थापकों का कोई अता-पता नहीं है। इस तरह के आयोजनों, मेलों और विशाल कार्यक्रमों के प्रति मुस्तैदी क्यों नहीं बरती जाती। साल में कई दफा भीड़ के भगदड़ में कुचल कर मारे जाने के बावजूद सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली प्रतीत होती है। मात्र संवेदनाएं व्यक्त करने से मृतकों के परिवार संतुष्ट नहीं हो सकते। यह बड़ी चूक है। श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए भी ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी जरूरी है, जिससे इस तरह के हादसों से वे सुरक्षित रहें। भले ही इस पर पड़ने वाले आर्थिक भार की वसूली व्यवस्थापकों से की जाए परंतु जनता के प्रति जिम्मेदाराना रवैया निभाने से मुकरना कतई उचित नहीं है।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

झूठ और सच के बीच झूलती संसद

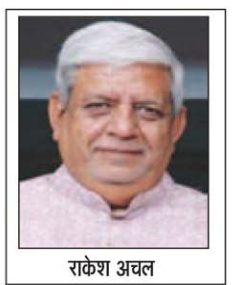

राकेश अचल

अठरहवीं संसद का पहला सत्र हालाँकि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया है ,लेकिन देश ने देखा कि नयी संसद भी पुरानी संसदों की तरह झूठ और सच के बीच झूल रही है। संसद में यदि सदन के नेता सच नहीं बोल रहे तो विपक्ष के नेता भी झूठ का सहारा ले रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की गलतबयानी को सेना ने शहीद अग्निवीरों की दी जाने वाली आर्थिक सहायता देने वाले बयानों ने उजागर कर दिया है।

भारतीय संसद की कार्रवाई का जबसे टीवी पर सीधा प्रसारण शुरू हुआ है तब से शायद ऐसा कोई भी मौका होगा जब मैंने उसे न देखा हो। मै लगातार देख रहा हूँ कि संसद में लगातार झूठ बोलने की परम्परा चल पड़ी है। न सरकार झूठ बोलने से हिचकती है और न विपक्ष। सरकार को तो कदम-कदम पर झूठ का सहारा लेना पड़ता है। झूठ सुनने और कहने के लिए अभिशप्त देश की संसद आखिर करे तो क्या करे ? संसद में झूठ बोलना कानून और संसदीय प्रक्रिया के तहत अपराध है । संसद में झूठ बोलना संसद के विशेषाधिकार का दुरूपयोग भी है और हनन भी,लेकिन अभी तक इस कानून और व्यवस्था के तहत न किसी प्रधानमंत्री को और न किसी मंत्री को और न किसी विपक्षी नेता को दण्डित किया गया और न शायद किया जा सकेगा।

मुझे याद है कि कोविडकाल में कैसे तबके स्वास्थ्य मंत्री ने देश में कोविड से हुई मौतों, आक्सीजन की उपलब्धता और दवाओं की कमी के बारे में सफेद झूठ बोला था ,लेकिन विपक्ष कुछ नहीं कर पाया। इसी तरह विपक्ष के अनेक नेता झूठ का सहारा लेकर सरकार पर वार करते आये हैं किन्तु किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी ,क्योंकि सभी तो इस मामले में मौसेरे भाई है। इस मामले में मीडिया भी कम नहीं है। मीडिया ने भी संसद में सरकार और विपक्ष के झूठ को न कभी पकड़ने की कोशिश की और न उसे उजागर करने का कभी कोई भी जोखिम लिया ।

लोग पूरी बेशर्मी से झूठ बोलते हैं। झूठ का सहारा लिए बिना न संसद चल रही है और न देश। झूठ किसी भी पक्ष का हो उसे पकड़ने के लिए,उजागर करने के लिए श्रम करना पड़ता है ,लेकिन कोई ये तकलीफ उठाने के लिए तैयार नहीं है। देश और दुनिया ने देखा कि पिछले दिनों आम चुनाव के दौरान सरकार ने कितने बड़े-बड़े सफेद झूठों का सहारा लिया ,बावजूद स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर पायी। यही हाल विपक्ष का हुआ,उसे भी सत्ता से मीलों दूर ठिठक जाना पड़ा,क्योंकि आखिर झूठ तो झूठ होता है। झूठ के पांव नहीं होते। आखिर झूठ कितना दौड़ सकता है ?

बकौल गूगल गुरु -झूठ एक असत्य बयान के रूप में दिया गया एक प्रकार का धोखा है , जो विशेष रूप से किसी को धोखा देने की मंशा से बोला जाता है। प्रायः झूठ का उद्देश्य होता है किसी राज या प्रतिष्ठा को बरकरार रखना, किसी की भावनाओं की रक्षा करना या सजा या किसी के द्वारा किए गए कार्य की प्रतिक्रिया से बचना। झूठ बोलने का तात्पर्य कुछ ऐसा कहने से होता है जो व्यक्ति जानता है कि गलत है या जिसकी सत्यता पर व्यक्ति ईमानदारी से विश्वास नहीं करता और यह इस इरादे से कहा जाता है कि व्यक्ति उसे सत्य मानेगा. एक झूठा व्यक्ति ऐसा व्यक्ति है जो झूठ बोल रहा है, जो पहले झूठ बोल चुका है, या जो आवश्यकता ना होने पर भी आदतन झूठ बोलता रहता है।

हमारे पृथक बुंदेलखंड आंदोलन के संरक्षक और कांग्रेस के बड़े नेता तथा मंत्री रहे स्वर्गीय विठ्ठल भाई पटेल ने तो बॉबी फिल्म के लिए एक गीत ही ऐसा लिखा था जो जनता की जुबान पर युगों तक चढ़ा रहा। उन्होंने लिखा था कि - झूठबोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो दुर्भाग्य ये है कि हमारे यहां झूठ बोलने वाली सरकार हो या विपक्ष किसी काले कौवे से ,किसी काले कानून से डरती ही नहीं है और 56 इंच का सीना फुलाकर झूठ पर झूठ बोलती जाती है। झूठ बोलने का सिलसिला हरि अनंत ,हरि कथा अनंता की तरह अनंत है। गांधी जी झूठ बोलने के खिलाफ थे और शायद उन्होंने कभी झूठ का सहारा देश को आजाद करने के लिए नहीं लिया। हमारे यहां एक हरिश्चंद्र हुए थे जिन्हें सत्यवादी कहा जाता था। लेकिन इस विरासत पर हमने रत्ती भर गर्व नहीं है। हम लगातार झूठ पर झूठ बोलते जा रहे हैं और सत्य को आहत कर रहे हैं। ये सिलसिला न कांग्रेस के जमाने में रुका और न भाजपा के जमाने में। आगे किसका जमाना आएगा ये हमें मालूम नहीं।

इस मामले में मेरा भरोसा कीजिये कि मै प्रायः झूठ नहीं बोलता । जरूरत पड़ने पर जनहित में मैंने अनेक बार झूठ बोला है ,लेकिन मेरा झूठ राहुल गांधी या मोशा की जोड़ी के झूठ की तरह कभी पकड़ा नहीं गया। मुझे अपने झूठ के लिए कभी शर्मशार नहीं होना पड़ा। जब हम बच्चे थे और हमने गांधी या सत्यवादी हरिश्चंद्र के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जाना था तब भी हम आपस में कहते थे कि - झूठ बोलना पाप है,नदी किनारे सांप है यान हमारे संस्कारों में झूठ को कभी महत्ता नहीं दी गई। हमारे सनातन धर्म ग्रन्थ भी झूठ से दूर रहने कोई सीख देते रहे हैं।हम हमेशा गाते हैं कि -सजन रे झूठ मत बोलो, खुदा के पास जाना है । लेकिन हम न खुदा से डरते हैं,न ईश्वर से।

झूठ का कोई एक रंग नहीं होता। कोई झूठ सफेद होता है तो कोई काला,कोई सतरंगी भी होता है। आपने मुमकिन है कि हर तरह का झूठ सुना हो ,लेकिन इस सदी के दो बड़े झूठ है। पहला कांग्रेस के जमाने में कहा गया झूठ गरीबी हटाओ का था दूसरा सबसे बड़ा झूठ मोदी युग में अच्छे दिन आएंगे का झूठ था। देश से न गरीबी हटी और न अच्छे दिन आये । आज भी देश में 90 करोड़ गरीब हैं। जबकि सरकार कहती है कि उसने पिछले दस साल में 25 करोड़ गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला।

विज्ञान ने झूठ और सच को पकड़ने के लिए मशीन भी बनाई जिसे अंग्रेजी में लाय डिटेक्टर कहते है। लेकिन ये मशीन भी सौ फीसदी भरोसे की नहीं है। झूठ बोलने वाले दुर्दांत लोग इस मशीन को भी धोखा देने में कामयाब हो जाते हैं। जांच एजेंसियां इस मशीन का अक्सर इस्तेमाल करतीं है ,लेकिन इस मशीन का इस्तेमाल आजतक किसी प्रधानमंत्री,मंत्री,सांसद या विधायक के झूठ को पकड़ने के लिए नहीं किया गया। सरकार को ईडी ,सीबीआई के साथ ही अब लाय डिटेक्टर का इस्तेमाल भी विरोधियों को जेल की हवा खिलने के लिए करना चाहिए। सबसे पहले इसे जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर और बाद में सत्तारूढ़ दल के किसी भी नेता पर ,राहुल गांधी पर आजमाया जा सकता है।

झूठ के मामले में हमारे नेता सुधरने वाले नहीं है। सत्तापक्ष हो या विपक्ष झूठ बोलने से बाज आने वाला नहीं है ,इसलिए सच तक पहुँचने के लिए अपना तीसरा नेत्र खोलने की कोशिश करते रहिये ,अन्यथा आप झूठ के दंश से अपने आपको,आने वाली पीढ़ी को बचा नहीं पाएंगे।

जन्म जयन्तीः रामविलास पासवान दलित महानायक एवं विकासपुरुष थे

बिहार की राजनीति में चमत्कार घटित करने वाले, भारतीय दलित राजनीति के शीर्ष नेता एवं पूर्व केन्द्रीय खाद्य आपूर्ति मंत्री श्री रामविलास पासवान का जीवन राजनीति में नये मूल्यमानक गढ़ने का प्रेरक रहा है जिन्होंने राजनीति में पाँच दशकों से भी ज्यादा समय तक सक्रिय रहकर विधायक, सांसद और केंद्रीय मंत्री तक की जिम्मेवारी बखूबी निभाई थी। पासवान को एक ऐसा नेता माना जाता है जिन्हें हर धर्म और समुदाय के लोगों का प्यार व समर्थन हासिल हुआ और वे देश में विकास पुरुष के तौर पर जाने गए। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू के में पासवान की अहम भूमिका रही। उनके रेलमंत्रित्व काल में बिहार में कई परियोजनाएं शुरू हुईं और जिस भी मंत्रालय में वे रहे, उनकी चिंताओं के केंद्र में हमेशा गरीब-गुरबा और हाशिए पर रहनेवाले लोग ही रहे। रामविलास पासवान का जीवन दलित सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक जीवंत दस्तावेज है। 5 जुलाई 2024 को उनका 78वां जन्म जयन्ती समारोह राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

रामविलास पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी की वर्ष 2000 में स्थापना की एवं संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से उनका राजनीति सफर शुरू हुआ। वे अकेले ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व थे जिन्हें अनेक प्रधानमंत्रियों के साथ काम करने का मौका मिला और वे दो बार लोकसभा में सदन के नेता भी रहे। उन्होंने 1977 में हाजीपुर से रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीत कर एक अनूठा इतिहास बनाया। उन्होंने दलितों से लेकर सर्वहारा वर्ग के लिये हमेशा आगे बढ़कर एक कर्मयोद्धा की भांति लड़ाई लड़ी। 1969 से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले रामविलासजी ने जेपी आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और फायरब्रांड समाजवादी के रूप मे उभरे। वे वंचित वर्गों की आवाज मुखर करने वाले तथा हाशिए के लोगों के लिए सतत संघर्षरत रहने वाले जनसेवक थे। उनका जीवन राजनीति में न केवल दलितों-वंचितों के उन्नायक महानायक बल्कि उच्च चारित्रिक एवं नैतिक मूल्यों का प्रेरक था।

पासवानजी का जन्म बिहार के खगरिया जिले के अलौली प्रखंड के शाहरबन्नी गाँव में हुआ। अनुसूचित जाति के परिवार में पिता जामुनजी पासवान एवं माता सियादेवी की कुक्षी से आपका जन्म 5 जुलाई, 1946 को हुआ। उन्होंने 1960 के दशक में राजकुमारी देवी से पहली शादी की जिसे 1981 में तलाक दे दिया था। उनकी पहली पत्नी राजकुमारी से उषा और आशा दो बेटियां हैं। 1983 में, अमृतसर से एक एयरहोस्टेस और पंजाबी हिन्दू रीना शर्मा से दूसरा विवाह किया। जिससे उनके एक बेटा और बेटी है। उनके बेटे चिराग पासवान एक अभिनेता से राजनेता बने हैं, वर्तमान में लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष है और हालही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर वे अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए केन्द्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यहनुमानह्ल के रूप में वे उनके विश्वासपात्र है।

श्री रामविलास पासवान का राजनीति जीवन अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं का समवाय रहा है। उन्होंने 11 बार चुनाव लड़ा और उनमें से नौ बार जीत हासिल की थी। वे सत्रहवीं लोकसभा में मोदी सरकार में एक बार फिर से उपभोक्ता मामलात मंत्री बने। बिहार में कभी बड़ी ताकत नहीं बन पाए पासवान ने दिल्ली की राजनीति में खुद को एक ताकत बनाए रखा और तीन दशकों तक देश के विभिन्न प्रधानमंत्रियों की जरूरत बने रहे। विश्वनाथ प्रताप सिंह, एच डी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी की सरकारों में भी अहम पदों पर रहे। भारतीय राजनीति के इस जुझारू एवं जीवट वाले नेता ने राजनीति में कर्मयोगी की भांति जीवन जीया। यह सच है कि वे बिहार के थे यह भी सच है कि वे लोजपा के थे किन्तु इससे भी बड़ा सच यह है कि वे राष्ट्र के थे, राष्ट्रनायक थे। देश की राजनीति में वे दुर्लभ एवं संवेदनशील व्यक्तित्व थे। गरीबों, वंचितों, दलितों की आवाज बनने वाले इस विलक्षण राजनेता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की अनेक विशेषताएं थी, वे उदात्त संस्कार, लोकजीवन से इतनी निकटता, इतनी सादगी-सरलता, इतना धर्म-संस्कृतिप्रेम और इतनी सचाई ने उनके व्यक्तित्व को बहुत और बहुत ऊँचा बना दिया था। वे अन्तिम साँस तक देश की एवं दलितों-वंचितों की सेवा करते रहे। उनका निधन एक राष्ट्रवादी सोच की राजनीति एवं सर्वहारा वर्ग के मसीहा महानेता का अंत था। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक थे। उनके जीवन को राजनैतिक जीवन में शुद्धता की, मूल्यों की, संस्कृति की, दलित राजनीति की, सर्वहारा वर्ग के लिये संघर्ष की, सिद्धांतों पर अडिग रहकर न झुकने, न समझौता करने की प्रेरकता का विलक्षण एवं अनुकरणीय उदाहरण था। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। उनके जीवन से जुड़ी विधायक धारणा और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार थे जिसका वार कभी खाली नहीं गया। बिहार के लिए सचमुच वे 'राम' यानी सबके प्रिय एवं चेहते थे। एक युवा नेता के रूप में उन्होंने आपातकाल के दौरान अत्याचार और लोकतंत्र पर हमले का सशक्त एवं प्रभावी विरोध करते हुए अपनी स्वतंत्र राजनीतिक सोच एवं दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया।

जरूरतमंदों की सहायता करते हुए, नये राजनीतिक चेहरों को गढ़ते हुए, मुस्कराते हुए और हंसते हुए छोटों से स्नेहपूर्ण व्यवहार और हम उम्र लोगों से बेलौस हंसी-मजाक करने वाले श्री रामविलास पासवान की जिंदगी प्रेरक, अनूठी एवं विलक्षण इस मायने में मानी जाएगी कि उन्होंने जिंदगी के सारे सरोकारों को छुआ। वह राजनेता थे तो उन्होंने दलित-वंचितों के लिये आवाज उठाई, सर्वहारा वर्ग की चिन्ता की, उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनका दृष्टिकोण व्यापक था और दलित हितों से प्रतिबद्ध था। वे दलित आंदोलनकारी और राजनीतिक घटनाक्रमों के सूत्रधार भी रहे।

– ललित गर्ग

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सही समय पर सही साथी जरूर मिलेगा, मैं उसके पीछे नहीं भागना चाहता

एक जमे-जमाए सफल करियर को छोड़कर अपने सपनों में नया रंग भरने की हिम्मत कम ही लोग कर पाते हैं। ऐसे ही एक बिरले कलाकार हैं नंदीश सिंह संधू। टीवी की सफल पारी छोड़कर फिल्मों का रुख किया। उनकी मेहनत रंग भी लाई। सुपर 30 और फैमिली ऑफ ठाकुरगंज जैसी फिल्मों के बाद नंदीश जुबली और अनदेखी जैसी सीरीज में अपनी अदाकारी ने लिए चर्चा में रहे।

असफलता से डरना नहीं सीखा

टीवी का सफल करियर छोड़कर फिल्मों के लिए एक नई शुरुआत करने का फैसला कितना मुश्किल था? इस पर नंदीश कहते हैं, निश्चित तौर पर यह मुश्किल फैसला था। जब मैं टीवी कर रहा था, तब एक कंफर्टेबल जिंदगी जी रहा था, रेगुलर इनकम आ रही थी, वह सब छोड़कर अपने क्राफ्ट को बेहतर करने का फैसला मुश्किल था, मगर मैं खुश हूं कि मैंने वो फैसला लिया। अगर मैं वह नहीं करता तो मुझे अफसोस होता कि मैंने कोशिश ही नहीं की और मैं ऐसा नहीं चाहता। इसलिए जो मेरा मन करता है, मैं उसके लिए कोशिश जरूर करता हूं। भले ही मैं उसमें सफल ना होऊं लेकिन आखिरी वक्त में जब मुझे फ्लैश बैक आए तो ये मलाल नहीं होना चाहिए कि मैंने असफलता के डर से कोशिश ही नहीं की। वैसे, अगर यह संभव होता कि मैं टीवी शोज करते हुए फिल्मों के लिए कोशिश कर पाता तो शायद मैं दोनों साथ में करता, मगर हमारी इंडस्ट्री में ऐसा होता नहीं है कि आप टीवी करते-करते फिल्म कर पाओ। अगर आप टीवी एक्टर हैं तो एक सोच बन जाती है कि ये टीवी कर रहा है तो इसका एक सेट पैटर्न होगा या इसके पास वक्त नहीं होगा। ऐसा होता भी है, जब आप 25 दिन शूट कर रहे हो तो अपने ऊपर कब काम करोगे? डेली सोप में किसी चीज के लिए वक्त नहीं बचता तो मेरी ग्रोथ ही नहीं हो रही थी, इसलिए टीवी से ब्रेक लेना पड़ा।

सही समय पर सही साथी मिल जाएगा

टीवी के जमे-जमाए करियर को छोड़ने के फैसले का असर क्या नंदीश की निजी जिंदगी, रिश्तों, शादी पर भी पड़ा? यह पूछने पर वह कहते हैं, बिल्कुल भी नहीं। मेरा परिवार और पैरंट्स मेरे फैसले को पूरी तरह सपोर्ट करते हैं। मेरे खास दोस्त अब भी करीब हैं। परिवार मेरे साथ है। लेकिन क्या नंदीश (रश्मि देसाई से अलगाव के बाद) जिंदगी में किसी साथी की कमी महसूस करते हैं? इस पर उनका कहना है, मैं अपने साथ खुश हूं। अपनी जिंदगी में खुश हूं। मैं खुद में भी पूर्ण महसूस करता हूं। मेरा मानना है कि सही समय पर सही साथी जरूर मिलेगा। मैं उसके पीछे नहीं भागना चाहता।

अदा खान ने बताई टीवी इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

नागिन सीरियल से सुर्खियां बटोरने वाली एक्ट्रेस अदा खान अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनके लाखों चाहने वाले हैं लेकिन लंबे समय से एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर भी दिखी नहीं हैं। उन्होंने हाल ही में इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई के बारे में बात की है।

तकरीबन डेढ़ दशक से छोटे पर्दे के दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब अदा खान ने टेलिविजन पर कई भूमिकाएं की हैं, मगर नागिन की शेषा की भूमिका ने उन्हें एक अलग तरह की शोहरत दिलाई है। कुछ अरसा पहले वे वेब सीरीज रात्रि के यात्री के सीजन 2 में भी नजर आई थीं। मगर इन दिनों अदा भूमिकाओं को लेकर चूजी हो गई हैं। उनका कहना है, मनोरंजन जगत काफी विकसित और बदल गया है। आज टीवी और फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी के कई प्लैटफॉर्म आ गए हैं, मगर इन विभिन्न प्लैटफॉर्म्स के कारण कॉम्पटीशन बढ़ गया है। यहां तक कि टीवी उद्योग ने भी काफी प्रगति की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा कई गुना बढ़ गई है। ऐसे में सही भूमिकाएं ढूंढना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है और खास तौर पर ऐसी भूमिकाएं जो आप करना चाहते हैं।

करीना, काजोल, रूपाली ने उम्र का बंधन तोड़ा है

मनोरंजन जगत में अभिनेत्रियों की उम्र हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रही है। क्या उन्हें भी इंडस्ट्री में ऐज फैक्टर का सामना करना पड़ा है? इस पर वे कहती हैं, एज फैक्टर हर पेशे की सचाई है और हमारे प्रोफेशन में ये सच कुछ ज्यादा कठोर होता है, मगर लेकिन माधुरी दीक्षित, करीना कपूर, सुष्मिता सेन, काजोल सरीखी अभिनेत्रियों को परफेक्ट रोल मिल रहे हैं और यहां तक कि टीवी पर भी रूपाली गांगुली जैसी अभिनेत्रियां अच्छा काम कर रही हैं, तो एक तरह से इन अभिनेत्रियों ने उम्र के बंधन को तोड़ा है, मगर मुझे लगता है कि आपको सही स्क्रिप्ट की जरूरत है और निश्चित रूप से अभिनेत्रियों के लिए ऐसी स्क्रिप्ट कम हैं, जो उनके प्रोफाइल से मेल खाती हो। हर कोई उम्र और अनुभव के साथ बड़ा होता है। इसलिए किसी को भी शालीनता से उम्र बढ़ानी चाहिए।

वही करती हूं, जो दिल करता है

जिंदगी से मिली सीख और अफसोस को लेकर वे ईमानदारी से कहती हैं, मेरी सबसे बड़ी सीख यह है कि हमें निजी और प्रोफेशनल जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। साथ ही, सोशल मीडिया ने हमारे सोचने, महसूस करने और जीने के तरीके को बदल दिया है। और अवसर बहुत हैं, फिर भी संदर्भ मायने रखता है। मुझे इस बात का कोई अफसोस नहीं है, लेकिन कई बार सोचने पर मुझे लगता है कि मैं बेहतर अवसरों की हकदार हूं और मुझे यह भी लगता है कि मेरे पास बेटर नेटवर्किंग स्किल होनी चाहिए, जिसकी मुझमें कमी है। मैं काम को लेकर जुनूनी हूं और अपने काम से काम रखती हूं।

दिलजीत ने पंजाबी अभिनेताओं की रूढ़धारणा को तोड़ा

एक्टर-सिंगर एमी विर्क ने बॉलीवुड में म्यूजिक और शोबिज के क्षेत्र में धमाल मचाने वाले दिलजीत दोसांझ को अभिनेताओं की रूढ़धारणा तोड़ने का श्रेय दिया है। जल्द ही फिल्म बैड न्यूज में नजर आने वाले एमी ने कहा, धर्मा प्रोडक्शन्स, करण जौहर, आनंद तिवारी, विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ काम करना एक सपना है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मैं कई और मनोरंजक फिल्मों का हिस्सा बनूंगा। एमी ने कहा कि पंजाब से आकर इन बड़ी मनोरंजक फिल्मों में काम करना मेरे लिए बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, दिलजीत (दोसांझ) पाजी आए और पंजाबी अभिनेताओं की रूढ़ धारणा को तोड़ा, इससे हमें यहां अच्छा काम मिला। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने काम से पंजाब और आप सभी को गौरवान्वित करूंगा। उन्होंने मजाक में पंजाबी और हिंदी फिल्म उद्योग के बीच एक समानता भी बताई। एमी ने कहा कि टीम के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव था और सेट पर बहुत ही मजेदार माहौल था। पंजाब फिल्म इंडस्ट्री में हम ऐसे ही शूटिंग शुरू कर देते हैं, कोई अलार्म या शेड्यूल नहीं होता। उन्होंने कहा कि यहां पर वे बेहद पेशेवर हैं और जल्दी काम शुरू करते हैं और समय पर खत्म कर देते हैं। बैड न्यूज 19 जुलाई को रिलीज हो रही है। वहीं एमी की खेल खेल में भी रिलीज होने वाली है।

तय तारीख पर रिलीज नहीं होगी अजय-तब्बू की फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म औरों में कहां दम था की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्सुक हैं। इस रोमांटिक-थ्रिलर फिल्म में लंबे वक्त बाद एक बार फिर पर्दे पर अजय और तब्बू की जोड़ी देखने को मिलेगी। नीरज पांडे ने निर्देशन में बनी ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मगर नई रिपोर्ट्स के मुताबिर, फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है। इस दिनों सिनेमाघरों में नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 एडी लगी हुई है, जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। ये फिल्म प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी जैसे सितारों से सजी हुई है। भारत में सिर्फ 4 दिनों में फिल्म ने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में फिल्म औरों में कहां दम था के मेकर्स को डर है कि इससे उनकी फिल्म को नुकसान न हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय देवगन और तब्बू की फिल्म की रिलीज डेट को कल्कि 2898 एडी के डर से आगे खिसकाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि औरों में कहां दम था की रिलीज कुछ हफ्ते आगे बढ़ने की उम्मीद है। फिल्म की रिलीज डेट 5 जुलाई पहले से ही काफी व्यस्त तारीख थी। क्योंकि करण जौहर की किल और जान्हवी कपूर की उलझ भी इस दिन दस्तक दे रही थी। उलझ की रिलीज डेट भी आगे खिसक चुकी है।

साउथ में कमाल पर कमाल दोहरा रहीं कल्कि केकलां

बॉलीवुड की टैलेंटेड अदाकारा कल्कि केकलां दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे आने वाले दिनों में तमिल फिल्म नेसिप्पाया में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री इस फिल्म में एक वकील की भूमिका में नजर आएंगी। कल्कि केकलां हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई फिल्म खो गए हम कहां में नजर आई थीं। इस फिल्म में वे अहम भूमिका में नजर आई थीं। अब वेव तमिल फिल्म नेसिप्पाया में अपने अभिनय का जलवा बिखरने को तैयार हैं। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री इस फिल्म में पुर्तगाल में रहने वाली एक वकील इंदिरा की भूमिका निभाएंगी। कल्कि केकलां इस फिल्म से पहले अजित कुमार की फिल्म नरकोंडा पारवई में भी एक छोटी सी भूमिका में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म से उन्होंने तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू किया था। वहीं अब वे नेसिप्पाया एक अहम किरदार निभाती दिखेंगीं। कल्कि केकलां की यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है फिल्म होने जा रही है।

मुंज्या के 100 करोड़ क्लब में शामिल होने पर बोलीं शरवरी वाघ

सुपरनैचुरल हॉरर कॉमेडी फिल्म फिल्म मुंज्या का तूफानी कलेक्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 112 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए 100 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री की। फिल्म के कलेक्शन से बेहद खुश एक्ट्रेस शरवरी ने कहा कि यह उनके लिए काफी खुशी का पल है, क्योंकि यह उनकी पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। फिल्म को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पांस के बारे में शरवरी ने कहा, मैं उन बड़े सितारों से बहुत प्रभावित हूं, जिनकी फिल्मों ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। यह देखना कि इतने सारे लोग आपको देखने के लिए थिएटर में आए हैं, आपकी फिल्म और आपके काम पर अपना प्यार बरसा रहे हैं, मेरे लिए यह उत्साहजनक पल है। मुंज्या मेरे करियर की दूसरी फिल्म है और अपने करियर में इतनी जल्दी इस तरह की सफलता का स्वाद चखना काफी प्रेरणादायक है।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि एक एक्टर के तौर पर हर कोई हमेशा यही चाहता है कि उसकी फिल्में हिट हों। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए, यह और भी जरूरी है, क्योंकि हर हिट मुझे बेहतर रोल व बेहतर काम पाने का मौका देती है। इस इंडस्ट्री में आगे बढ़ने का दबाव ज्यादा है, और मैं इंडस्ट्री की आभारी हूं कि उसने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 100 करोड़ गर्ल के रूप में जाना जाना शानदार है, और यह मुझे हर बार कैमरे का सामना करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा। एक एक्टर के रूप में मेरी बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। मुझे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए सही कदम की जरूरत थी, और मुंज्या ने मेरे लिए वह कर दिखाया है।

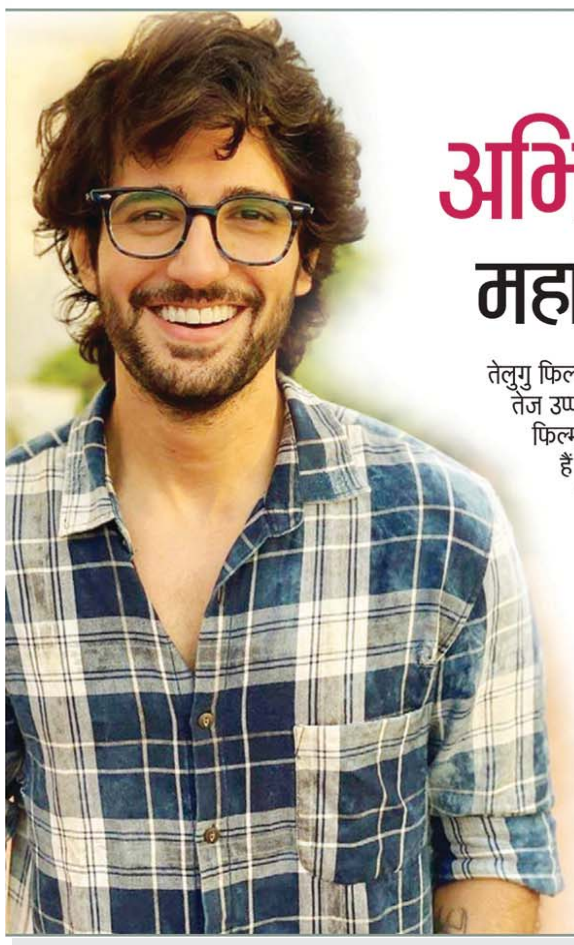

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 अभिनेता आदित्य सील महारागिनी में हुआ शामिल

तेलुगु फिल्मों के शानदार निर्देशक चरण तेज उप्पलापति अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म महारागिनी लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में मशहूर अभिनेत्री काजोल और प्रभुदेवा नजर आने वाले हैं। दोनों कलाकार करीब 27 साल बाद स्क्रीन पर एक साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले ये जोड़ी साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म सपने में नजर आई थी। हाल में ही फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसमें काजोल का दमदार एक्शन देखने को मिला। अभिनेत्री का ये अंदाज देख कर उनके फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसी बीच फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में अभिनेता आदित्य सील भी शामिल हो गए हैं। उन्हें तुम बिन 2 और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। अभिनेता अपनी इस भूमिका को लेकर काफी रोमांचित हैं और उन्होंने इस अवसर को खुद के लिए काफी महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। एक अभिनेता के तौर पर वह काजोल और प्रभुदेवा का काम देखते हुए बड़े हुए हैं, ऐसे में इन दिग्गजों के साथ पर्दे पर नजर आना, उनके लिए काफी शानदार अनुभव है। वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

ऋचा -अली फजल की गर्ल्स विल... ने इंडियन फिल्म फेस्टिवल लॉस एंजिल्स में बड़ी जीत हासिल की

शुचि तलाटी द्वारा निर्देशित ऋचा चड्ढा और अली फजल की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने लॉस एंजिल्स के भारतीय फिल्म महोत्सव में ग्रैंड जूरी पुरस्कार जीता। ऋचा और अली द्वारा समर्थित इस फिल्म ने पहले ही कई पुरस्कार जीत लिए थे। गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने पहले रोमानिया में ट्रांसिल्वेनिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और फ्रांस में बियारिट्ज़ फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड जूरी पुरस्कार जीते थे। इसने सनडांस फिल्म फेस्टिवल 2024 में दो प्रमुख पुरस्कार भी जीते। इस आने वाली उम्र की ड्रामा में कनी कुसरुति और प्रीति पाणिग्रही मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की अनूठी कथा और सम्मोहक अभिनय ने कई पुरस्कार जीते हैं, जो इसके निर्माण के पीछे की प्रतिभा और दृष्टि को दर्शाता है। इंडो-फ्रेंच सह-निर्माण में बनी गर्ल्स विल बी गर्ल्स 16 वर्षीय मीरा (जिसे प्रीति पाणिग्रही ने निभाया है) और उसकी माँ के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों के बारे में एक आने वाली उम्र का नाटक है। हिमालय के एक सख्त बोर्डिंग स्कूल में सेट की गई यह फिल्म महिला की इच्छा के सामाजिक निर्णय के लेंस के माध्यम से मीरा की किशोरावस्था के प्यार की यात्रा को दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

मैच के दौरान बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत

● इंडोनेशिया में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान आया हार्ट अटैक

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर गिरने से 17 वर्षीय चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत हो गई। खिलाड़ी का नाम झांग झिजी है जिसकी बैडममिंटन कोर्ट में हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वहीं इस घटना पर भारतीय बैडममिंटन स्टार पीवी सिंधु ने भी सोशल मीडिया भी दुखी नजर आई। यह घटना रविवार देर रात की है। झांग झिजी ने किंडरगार्टन में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और पिछले साल उन्हें चीन की नेशनल यूथ टीम में शामिल किया गया। इंडोनेशिया (जकार्ता) में एक टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी पहले बेहोश हुआ और फिर उसे हार्ट अटैक आया जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में झांग झिजी को वेन्यू पर ही इलाज दिया गया लेकिन हलचल न दिखते हुए फिर उनको एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रात में उनकी मौत हो गई।

पीवी सिंधु ने जताया शोक

इस खिलाड़ी की मौत के बाद भारतीय बैडममिंटन स्टार पीवी सिंधु ने एक पोस्ट लिखा है। संधू ने पर लिखा- जूनियर एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप से युवा बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी के निधन की खबर बेहद दुख है, मैं इस दुखद समय में झांग के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। आज दुनिया ने एक असाधारण प्रतिभा खो दी है।

रोनाल्डो ने अपने रिटायरमेंट को लेकर किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। बात अगर फुटबॉल की हो, और रोनाल्डो का नाम न आए ऐसा हो नहीं सकता। फुटबॉल के मैदान में अपना जादू बिखेरने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किसी न किसी खबर से घिरे ही रहते हैं। लेकिन इस बार उनकी चर्चा होने की वजह उनका फुटबाल से संन्यास है।

जी हां, पुर्तगाल के फुटबॉल जांबाज क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूरो कप से सन्यास ले रहे हैं और उन्होंने इस बात का ऐलान कर दिया है। रोनालडो ने कहा है कि इस बार वो अपना आखिरी यूरो कप खेल रहे हैं और फिर इसके बाद वो यूरोपियन चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगे।

रोनाल्डो का फुटबॉल से संन्यास

आपको बता दें कि 2024 का यूरो कप जर्मनी में खेला जाने वाला है। जिसमें रोनाल्डो की टीम (पुर्तगाल) ने स्लोवेनिया को हरा दिया है। ऐसे में अब टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और अब उनका मुकाबला फ्रांस की टीम के साथ होने वाला है। इस मैच में रोनाल्डो की आंखों से तब आंसू टपक गए, जब उन्होंने स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी मिस कर दी। उनको भावुक होता देख उनकी मां की आंखों से भी आंसू छलक गए। इस मैच के बाद ही रोनाल्डो ने इस बात की जानकारी एक पुर्तगाली चैनल के माध्यम से दी कि ये उनका आखिरी यूरो मैच है।

हॉकी

पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया

40 से अधिक उम्र के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा।

हॉकी इंडिया 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह पहली बार है जब हॉकी इंडिया इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है।

टूर्नामेंट की तारीखों और स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। इन खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया की सदस्य इकाई की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं।

यह ऐसा आयोजन होगा जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून को मान्यता देगा। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति उनके स्थायी प्रेम के जश्न के साथ हॉकी में उनके अमूल्य योगदान का एक प्रमाण है।

टोक्यो ओलंपिक समाप्त होते ही मैंने पेरिस 2024 के लिए तैयारी शुरू कर दी थी: निखत जरीन

नई दिल्ली, एजेंसी। निखत जरीन पेरिस 2024 में अपने प्रभावशाली पदक संग्रह को बढ़ाने के लिए ओलंपिक पदक पर नजर रख रही हैं। छह भारतीय मुक्केबाज, चार महिलाएं और दो पुरुष, ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है और उनमें से पांच खेलों के लिए फ्रांस की राजधानी जाने से पहले 22 जुलाई तक जर्मनी में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

टीम में निखत ज़रीन (महिला 50 किग्रा), प्रीति पवार (महिला 54 किग्रा), टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन (महिला 75 किग्रा), निशांत देव (पुरुष 71 किग्रा) और अमित पंघल (पुरुष 51 किग्रा) शामिल हैं। टोक्यो 2020 में भारत का अभियान समाप्त होने के बाद से, ज़रीन का ध्यान पेरिस 2024 पर केंद्रित है, उन्हें विश्वास है कि यह उनके लिए अपनी चमक दिखाने का क्षण है। जरीन ने जियोसिनेमा से कहा कि जब टोक्यो ओलंपिक में भारत का अभियान समाप्त हुआ, तो उस दिन मैंने अपना ध्यान पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगाने का फैसला किया। मैंने पेरिस की उलटी गिनती के बारे में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी पोस्ट की। मुझे लगता है कि हर किसी का अपना एक पल होता है, और यह मेरा पल है। जिसने भी कहा था कि मैं पेरिस नहीं पहुंच पाउंगी, मैंने आखिरकार इसे हासिल कर लिया। मैं अपने आस-पास की सभी नकारात्मकता और सकारात्मकता को सकारात्मक रूप से लूंगी और पेरिस में रिंग के अंदर एक अलग फाइटर के रूप में बेहतर होने की कोशिश करूंगी।

अपनी सफलता की राह पर विचार करते हुए, ज़रीन अपने समुदाय में सामाजिक मानदंडों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता के अटूट समर्थन को देती हैं। मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है, मैं एक ऐसे समुदाय से आती हूं जहां महिलाओं को समर्थन की कमी है। लेकिन मेरे पिता, जो खुद एक एथलीट हैं, जानते थे कि एक चैंपियन बनने के लिए क्या करना पड़ता है। उन्होंने हमेशा मेरी यात्रा में मेरा समर्थन किया। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे अपना ध्यान बॉक्सिंग पर केंद्रित करना चाहिए। जब आप देश के लिए मेडल जीतने का सपना पूरा कर लेंगे, उस दिन ये लोग आपको बधाई देने आएंगे और सेल्फी लेंगे।

ज़रीन ओलंपिक चैंपियन बनने की अनूठी चुनौती को रेखांकित करते हुए, अपने खेल के शिखर तक पहुंचने के लिए आवश्यक बलिदानों पर जोर देती हैं। मैंने विश्व चैंपियन बनने के लिए कई चीजों का त्याग किया है, लेकिन ओलंपिक चैंपियन बनना अलग बात है। जब भी मैं प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही होती हूं, मैं सोशल मीडिया से दूर रहती हूं।

मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ ज्यादा बात नहीं करती हूं। मैं उनके साथ समय बिताती हूं। इस बार, पेरिस 2024 की तैयारी में, मैं इन सभी विकर्षणों से दूर रहने की कोशिश करूंगी, और जितना संभव हो सके सकारात्मक रहने की कोशिश करूंगी और पेरिस के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। पदक से पहले की हर जंग से पहले की अपनी मानसिकता की झलक दिखाते हुए ज़रीन ने हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के महत्व पर जोर दिया। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के मकसद से उतरती हूं ताकि रिंग के अंदर चाहे कुछ भी हो, परिणाम कुछ भी हो, मुझे इस बात का अफसोस नहीं होना चाहिए कि अगर मैंने 10 प्रतिशत और दिया होता तो मैं मुकाबला जीत सकती थी।

मैं वह पछतावा नहीं चाहती, इसलिए मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देने की मानसिकता के साथ उतरती हूं। निखत ज़रीन के शानदार करियर में दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में एक स्वर्ण और 2022 एशियाई खेलों में एक कांस्य पदक शामिल हैं। वह उन छह भारतीय मुक्केबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई किया है।

विमलडन :

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा उलटफेर का शिकार हुई

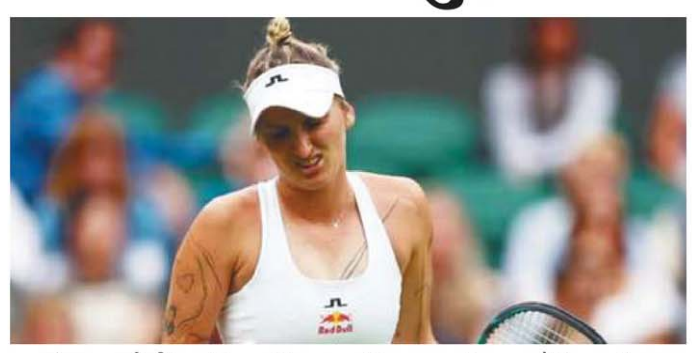

लंदन, एजेंसी। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा का खिताब का बचाव का अभियान विंबलडन के पहले ही दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में टूर्नामेंट में यह पहला बड़ा उलटफेर है।

जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। 1994 में स्टेफी ग्राफ के पहले दौर में बाहर होने के बाद यह पहली बार है जब विंबलडन की गत चैंपियन टीम का सफर शुरुआती दौर में ही समाप्त हुआ है। वोंद्रोसोवा पहले ही राउंड में संघर्ष करती दिखीं और उन्होंने 28 बेजां भूलें की। हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं और मैच के बाद जेसिका से हाथ मिलाने के दौरान उनके चेहरे पर इस हार का दुख साफ झलक रहा था। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं।

फैंस का दिल टूट गया...

मेसी ओलिंपिक नहीं खेल पाएंगे

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। लियोनेल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलिंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं। इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलिंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम

को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी। ओलिंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे। हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलिंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

डेविड मिलर ने ले लिया संन्यास?

अब सामने आकर कही ये बात

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम की जीत, विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बीच सूर्यकुमार यादव का ऐतिहासिक कैच भी काफी चर्चाओं में रहा है. यह कैच मुकाबले के आखिरी ओवर की पहली बॉल पर आया था. इस कैच के कारण डेविड मिलर पवेलियन लौटे थे और साउथ अफ्रीका के साथ से खिताब जीतने का मौका फिसल गया था.

इन सभी के बाद एक खबर और आई थी कि किलर मिलर कहे जाने वाले इस अफ्रीकी स्टार ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. ऐसे में फाइनल हार से निराश अफ्रीकी फैन्स को और भी

ज्यादा झटका लगा था. मगर अब मिलर ने खुद आकर इस बात पर सफाई दी है.

दरअसल, डेविड मिलर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है, जिसके जरिए कहा है कि उनके टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की जो खबरें चल रही हैं, वो बेबुनियाद हैं. यह सब अफवाह हैं.

डीएफसी ने क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

चंडीगढ़, एजेंसी। कौशल और दृढ़ संकल्प के शानदार प्रदर्शन के साथ पहले चैंपियन डीएफसी ने एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में मध्य प्रदेश के चैंपियन कासा बड़वानी एफसी पर 13-2 की शानदार जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

मैच की शुरुआत पोई के शानदार प्रदर्शन से हुई, जिनकी व्यक्तिगत प्रतिभा ने डीएफसी को शुरुआत में ही स्कोरबोर्ड पर पहुंचा दिया। किपगेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को बड़ा करते हुए दबाव में अपनी सटीकता और धैर्य का परिचय दिया।

कासा बरवानी के अबुजाफर ने एक गोल करके वापसी की और पहले हाफ का अंत 2-1 स्कोर से किया। हालांकि, दूसरे हाफ में डीएफसी के युवा स्वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन किया और पहले मिनट से ही मैदान पर अपना दबदबा बना लिया। थियाम और लुंकिम ने दो तेज गोल करके बढ़त को और आगे बढ़ाया।

शेर-ए-पंजाब टी-20 कप का दूसरा सीजन सफल

मोहाली, एजेंसी। शेर-ए-पंजाब टी-20 कप के दूसरे सीजन में रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला, जिसने घरेलू सीजन की शानदार शुरुआत की। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) द्वारा आयोजित टी-20 लीग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें रोमांचक अंत देखने को मिला।

बीएलवी ब्लास्टर्स और ट्राइडेंट स्टैलियंस के बीच खेला गया फाइनल इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच रहा, जिसमें नमन धीर की अगुआई वाली टीम ब्लास्टर्स ने मोहाली के आईएस बिंद्रा पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में लगातार दूसरे सीजन का खिताब अपने नाम किया। बीएलवी ब्लास्टर्स के ओपनिंग बल्लेबाज हरनूर पन्नू ने शेर-ए-पंजाब टी 20 कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया। 21 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने न केवल 52 गेंदों में 83 रनों की मैच विजयी पारी खेली और अपनी टीम को खिताब दिलाया। 12 मैचों में 578 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने, जिसमें उन्होंने कुल 33 मैचों के टूर्नामेंट में 33 छक्के लगाए। यह हरनूर के लिए एक आदर्श घर वापसी साबित हुई, जिन्होंने पंजाब के लिए अपना अंडर-14 और अंडर-16 क्रिकेट खेला, लेकिन 2019 में चंडीगढ़ यूनिट को बीसीसीआई से संबद्धता मिलने पर वे

बल्लेबाजों ने लगाए 868 चौके और 460 छक्के

यूटी क्रिकेट एसोसिएशन में चले गए। पहले एशिया कप और फिर 2022 में वेस्टइंडीज में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे हरनूर अपने करियर को पुनर्जीवित करने के लिए 2024 में फिर से पंजाब लौट आए। 2021 में अंडर-19 एशिया कप के दौरान प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे हरनूर ही नहीं, कार्तिक शर्मा (457 रन), प्रभसिमरन सिंह(454 रन), अभय चौधरी (445 रन), पुखराज मान (334 रन) जैसे अन्य बल्लेबाजों ने भी अपनी बल्लेबाजी प्रतिभा से प्रभावित किया।

अनुभवी मंदीप सिंह ने भी एग्री किंग्स नाइट्स के लिए खेलते हुए 349 रन बनाए। गेंदबाजी में, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने गेंद के साथ अपनी क्लास और आक्रामकता दिखाई। ट्राइडेंट स्टैलियंस के लिए खेलते हुए 11 मैचों में उनके 22 विकेट के साथ उनके कौशल को दर्शाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में 2 मध्यम गति के गेंदबाज और 3 स्पिनर शामिल हैं।

इसमें से एक हरप्रीत बरार ने फाइनल में आखिरी ओवर में 4 गेंदों पर 12 रन बनाकर ब्लास्टर्स को जीत दिलाई। मध्यम गति के गेंदबाज आराध्य शुक्ला, जो 2023 में भारत की अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे, उन्होंने भी ब्लास्टर्स के लिए 16 विकेट लेकर गेंद से प्रभावित किया।

ब्राजील में भयावक बाढ़ से 180 लोगों की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में कई हफ्ते से बाढ़ का कहर जारी है। बाढ़ से कम से कम 180 लोगों की मौत हो गई है और 32 लोग लापता बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रियो ग्रांडे डो सुल में 29 अप्रैल को मूसलाधार बारिश शुरू हुई और कई दिनों तक जारी रही। इसके कारण पूरे राज्य के शहर जलमग्न हो गए। जून के मध्य में बाढ़ कम होने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू हुआ। रिपोर्ट में कहा कि खराब मौसम के कारण राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे सहित 478 शहरों के लगभग 2,398,255 निवासी प्रभावित हुए हैं। साथ ही 450,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सामाजिक संचार सचिव पाउलो पिमेन्टा के मुताबिक, ब्राजील सरकार ने रियो ग्रांडे डो सुल के पुनर्निर्माण के लिए 85.7 बिलियन रियल (लगभग 15.4 बिलियन डॉलर) आवंटित किए हैं।

सुनक ने पत्नी अक्षता संग डाला वोट , आज मिलेगा अंग्रेजों को नया पीएम

लंदन । यूनाइटेड किंगडम में गुरुवार सुबह 7 बजे से मतदान हो रहा है। मतदान रात 10 बजे तक चलेगा। मतदान समाप्त होने के बाद रात 10 बजे एक एग्जिट पोल परिणाम का पहला संकेत आएगा, जिसके विस्तृत परिणाम शुक्रवार की शुरुआत में आने की उम्मीद है। इस साल के यूके चुनाव के लिए जनमत सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि केंद्र-वाम लेबर पार्टी गुरुवार के चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए तैयार है। इसके बाद संभावित रूप से 14 साल के कंजर्वेटिव शासन का अंत होगा और स्टार्मर को 10 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में स्थान मिल जाएगा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार ऋषि सुनक ने उत्तरी यॉर्कशायर में अपना वोट डाला है। मतदान शुरू होने के लगभग तीस मिनट बाद वह और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति नॉर्थहेलर्टन के एक गांव के हॉल में अपने मतदान केंद्र पर गए।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

ओटावा । पश्चिमी कनाडा में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी स्वामित्व वाला हेलीकॉप्टर ब्रिटिश कोलंबिया के कोलंबिया घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में पायलट की मौत हो गई और बचे हुए यात्रियों को ऐसी चोटों के साथ अस्पताल ले जाया गया जो जानलेवा नहीं थीं।

उत्तरी कैलिफोर्निया में भीषण आग... 26,000 लोगों सुरक्षित निकाला

ऑरोविल । उत्तरी कैलिफोर्निया में भीषण गर्मी के बीच जंगल में लगी आग ने पूरे क्षेत्रों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। जिसके मद्देनजर करीब 26,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं वहीं आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर से पानी डाला ला रहा है। सैक्रामेंटो से करीब 110 किलोमीटर दूर बट काउंटी के ऑरोविल शहर के पास वन क्षेत्र में सबसे पहले आग लगी, इससे धुएं का विशाल गुबार उठा। इस बीच दोपहर को ऑरोविल से लगभग आठ किलोमीटर दूर दक्षिण में ग्रब्स नामक स्थान पर आग लग गई, जिसके कारण पलेर्मो शहर के लोगों को अपने घरों को खाली करना पड़ा। आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। कैलिफोर्निया वन एवं अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) के अनुसार, राज्य में 12 से अधिक स्थानों पर आग लगी हुई है, हालांकि इनमें से अधिकांश स्थानों पर आग ने विकार रूप धारण नहीं किया है।

पश्चिमी सूडान में तोपखाने हमले में 15 की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में राजधानी एल फशर के एक बाजार में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के तोपखाने हमले में करीब 15 लोग मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खतिर ने बताया, सभी मृत और घायल नागरिक थे। उन्हें एल फशर में अल-मवाशी (पशुधन) बाजार को निशाना बनाया गया था। राजधानी एल फशर में 10 मई से भीषण झड़पें हो रही हैं। यह 15 अप्रैल, 2023 के बाद से सूडानी सशस्त्र बलों और आरएसएफ के बीच व्यापक संघर्ष की नवीनतम वृद्धि है। पिछले महीने मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के नवीनतम अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष ने अब तक करीब 16,650 लोगों की जान ले ली है।

जबरन नसबंदी... पीड़ितों को मुआवजा दे जापान सरकार, जापान के शीर्ष न्यायालय का फैसला

तोक्यो । जापान के शीर्ष न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में जापान सरकार को उन पीड़ितों को उचित मुआवजा देने का आदेश दिया जिनकी अब निरस्त किए जा चुके 'यूजेनिक्स प्रोटेक्शन लॉ' के तहत जबरन नसबंदी की गई थी। यह कानून शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के संतान न पैदा करने के लिए बना था। ऐसा अनुमान है कि पैदा होने वाली संतानों में किसी प्रकार की शारीरिक कमी को रोकने के लिए 1950 से 1970 के बीच कानून के तहत बिना सहमति के करीब 25,000 लोगों की नसबंदी की गई। वादी के वकीलों ने जापान में ''युद्ध के बाद के युग में सबसे बड़ा मानवाधिकार उल्लंघन'' बताया। अदालत ने कहा कि 1948 का यह कानून पूरी तरह असंवैधानिक था। फैसला 39 में से 11 वादियों के लिए था जिन्होंने अपने मामले की देश के उच्चतम न्यायालय में सुनवाई कराने के लिए जापान की पांच निचली अदालतों में मुकदमे लड़े। अन्य वादियों के मुकदमे अभी लंबित हैं। इनमें से कई वादी व्हीलचेयर पर आश्रित हैं। उन्होंने फैसले के बाद अदालत के बाहर शुक्रिया अदा किया। 81 वर्षीय वादी साबुरो किता ने कहा, मैं अपनी खुशी बयां नहीं कर सकता और मैं यह अकेले कभी नहीं कर पाता।'' किता ने बताया कि उनकी 1957 में 14 साल की उम्र में नसबंदी की गई थी जब वे एक अनाथालय में रहते थे। उन्होंने कई साल पहले अपनी पत्नी की मौत से कुछ समय पहले ही अपने इस राज से पर्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी वजह से कभी बच्चे न होने पाने का खेद है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने पीड़ितों से माफी मांग कर कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने के लिए वादियों से मुलाकात करने की उम्मीद है।

ब्राजील में भयावक बाढ़ से 180 लोगों की मौत

साओ पाउलो । ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में कई हफ्ते से बाढ़ का कहर जारी है। बाढ़ से कम से कम 180 लोगों की मौत हो गई है और 32 लोग लापता बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रियो ग्रांडे डो सुल में 29 अप्रैल को मूसलाधार बारिश शुरू हुई और कई दिनों तक जारी रही। इसके कारण पूरे राज्य के शहर जलमग्न हो गए। जून के मध्य में बाढ़ कम होने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू हुआ। रिपोर्ट में कहा कि खराब मौसम के कारण राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे सहित 478 शहरों के लगभग 2,398,255 निवासी प्रभावित हुए हैं। साथ ही 450,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सामाजिक संचार सचिव पाउलो पिमेन्टा के मुताबिक, ब्राजील सरकार ने रियो ग्रांडे डो सुल के पुनर्निर्माण के लिए 85.7 बिलियन रियल (लगभग 15.4 बिलियन डॉलर) आवंटित किए हैं।

जापानी शख्स को बलात्कार के जुर्म में सिंगापुर में जेल और बेंत से मारने की सज़ा मिली

सिंगापुर में नशे में धुत छात्रा पर क्रूर हमला करने और बलात्कार के जुर्म में एक जापानी हेयर स्टाइलिस्ट को 17.5 साल की जेल और 20 बेंत मारने की सजा सुनाई गई है। उसके वकील ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बचाव पक्ष के वकील एड्रियन वी ने बताया कि 39 वर्षीय किता इक्को ने बलात्कार और अश्लील फिल्म बनाने के आरोप को सोमवार को स्वीकार कर लिया था। समाचार एजेंसी 'क्योदो' ने सिंगापुर में जापानी दूतावास के हवाले से कहा कि सिंगापुर में बेंत से मारने की सज़ा पाने वाला किता पहला जापानी है। किता को दिसंबर 2019 में 20 वर्षीय छात्रा के साथ बलात्कार करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत की थी कि वह किता से पहली दफ़ा एक बार में मिली थी। अभियोजकों के अनुसार, किता उसे अपने घर ले गया जहां उसने उससे बलात्कार किया और इस कृत्य की अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्डिंग कर उसे अपने एक मित्र को भेज दिया। सिंगापुर में बलात्कार, मादक द्रव्यों की तस्करी, तोड़-फोड़ और लूटपाट सहित विभिन्न अपराध के, 50 साल से कम उम्र के पुरुष दोषियों को बेंत की सजा देने का प्रावधान है।

पेरिस में फ्रेंच फार राइट (नेशनल रेली) पार्टी को शुरुआती चरणों में मिली जीत का विरोध करने के दौरान फिलीस्तीनी झंडा लहराते हुए एक व्यक्ति।

अस्ताना में मिले भारत-चीन के विदेश मंत्री, सीमा क्षेत्रों को लेकर हुई चर्चा

अस्ताना। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने गए हैं। जयशंकर ने वांग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर ने मुलाकात के बारे में बताया कि अस्ताना में आज सुबह चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात हुई। इस दौरान सीमा क्षेत्रों में बाकी मुद्दों के जल्द समाधान पर चर्चा की। इस दिशा में कूटनीतिक और सेना के जरिए प्रयासों को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एलएसी का सम्मान करते हुए सीमा क्षेत्रों में शांति बनाए रखना जरुरी है। सम्मान, संवेदनशीलता और आपसी हित हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेंगे। इससे पहले जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के मुलाकात की थी। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे भारतीयों की वतन वापसी का मुद्दा उठाया था। पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अगले हफ्ते मास्को में होने वाली शिखर बैठक के एजेंडे पर भी बातचीत की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, अस्ताना में रुसी विदेश मंत्री से मुलाकात हुई। हमारे बीच द्विपक्षीय संबंधों से लेकर समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते रूस के दौरे पर जाने वाले हैं। अभी तक पीएम मोदी की रूस यात्रा को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है, लेकिन विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि पीएम मोदी 8 या 9 जुलाई को रूस और ऑस्ट्रिया दौरे पर जाने की तैयारी में हैं।

अंतरिक्ष में सुनीता... कई तरह की शारीरिक दिक्कतों से होता हैं सामना

-ज्यादा दिनों तक अंतरिक्ष में रुकना जानलेवा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ स्पेस में फंस हुई हैं। शुरुआत में उनका मिशन 8 दिनों में पूरा होना था। लेकिन स्पेस क्राफ्ट में खराबी के कारण उनकी वापसी नहीं हुई है। अंतरिक्ष यात्री जब स्पेस में जाते हैं, तब पृथ्वी से बिल्कुल अलग वातावरण होता है। यहा माइक्रोग्रैविटी, रेडिएशन का खतरा, अंतरिक्ष स्टेशनों के सीमित क्वार्टर मानव स्वास्थ्य के लिए अनूठी चुनौतियां पेश करते हैं। स्पेस स्टेशन पर लंबे समय तक रुकना एक बड़ा जोखिम होता है। अंतरिक्ष यात्रियों की ओर से अंतरिक्ष में अनुभव किए जाने वाले तात्कालिक परिवर्तनों में से एक द्रव पुनर्वितरण है। गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में शारीरिक तरल पदार्थ शरीर के ऊपरी हिस्से में पहुंचने लगते हैं, इससे चेहरे पर सूजन, नाक बंद होना और पैरों में तरल पदार्थ की कमी होती है। पृथ्वी पर लौटने पर इसका असर दिखाई देता है। अंतरिक्ष यात्रियों को कुछ समय तक खड़े होने पर चक्कर आता है या बेहोशी होती है। हालांकि सुनीता विलियम्स अलग नहीं हैं, बल्कि स्पेस में जाने वाले हर अंतरिक्ष यात्री के साथ ऐसा होता है। माइक्रोग्रैविटी का मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर भी असर पड़ता है। मांसपेशियों के समर्थन की आवश्यक्ता वाले गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण अंतरिक्ष यात्रियों की मांशपेशियां पैरों और पीठ में विशेष तौर पर कमजोर हो जाती है। इससे हड्डियों की महत्वपूर्ण क्षति हो जाती है, विशेष रूप से रीढ़ और श्रोणि जैसी वजन उठाने वाली हड्डियों में। यांत्रिक तनाव की कमी से ऑस्टियोपोरोसिस के समान हड्डियों के घनत्व में कमी आती है।

इन प्रभावों से निपटने के लिए स्पेस स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री व्यायाम करते हैं। लेकिन फिर भी कुछ हद तक हड्डियों को नुकसान हो ही जाता है। द्रव वितरण में परिवर्तन मूत्र प्रणाली को प्रभावित करता है, इससे यूरिन में कैल्शियम के उच्च स्तर के कारण गुर्दे में पथरी का खतरा बढ़ जाता है। हार्मोन के स्तर, इंसुलिन संवेदनशीलता और आंत माइक्रोबायोटा की संरचना में परिवर्तन देखा गया है, जो संभावित रूप से दीर्घकालिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। पृथ्वी की तुलना में अंतरिक्ष यात्री उच्च स्तर के रेडिएशन का सामना करते हैं। इसमें गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें और सौर कण शामिल होते हैं। यह डीएनए क्षति और कैंसर की बढ़ती संभावना को बढ़ते हैं। रेडिएशन के लेवल की स्पेस एजेंसियां सावधानी पूर्वक निगरानी करती हैं। गुरुत्वाकर्षण की कमी संवेदी इनपुट प्रभावित करती है।

यूक्रेन ने रुस के सबसे बड़े बंदरगाह पर किया ड्रोन हमला, कोई हताहत नहीं

-दक्षिण रूस में कच्चे तेल और तेल उत्पादों के निर्यात का यह प्रमुख केंद्र

मास्को (एजेंसी)। रुस-यूक्रेन जंग को दो से ज्यादा हो चुके हैं। दोनों ही देशों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। आज के इस युग में किसी को पंगु बनाने का सबसे अच्छा तरीका उसे आर्थिक रूप से कमजोर करना। रूस-यूक्रेन जंग पर भी यह लागू होता है। रूस ने यूक्रेन को कमजोर करने के लिए गैस सप्लाई तोड़ दिया। इससे सबक लेकर अब यूक्रेन भी रूस को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। इसका नतीजा है कि यूक्रेन ने ब्लैक-सी में स्थित रूस के सबसे बड़े पोर्ट नोवोरोसिस्क बंदरगाह पर ड्रोन से हमला किया है। ड्रोन हमले के बाद रूस ने कुछ देर के लिए बीच को आमलोगों के लिए बंद कर दिया था। हालांकि, बाद में इस चेतावनी को वापस ले लिया।

मीडिया रिपोर्ट में बताया कि यूक्रेन के समुद्री ड्रोन हमले के प्रयास के बाद रूस के काला सागर बंदरगाह (ब्लैक सी पोर्ट) नोवोरोसिस्क पर फिर से काम शुरु हो गया है। एक बयान के हवाले से बताया गया है कि यूक्रेन के हमले के बाद कोई प्रतिबंध नहीं है। शिपिंग सामान्य रूप से चल रही है। नोवोरोसिस्क रूस का ब्लैक-सी में सबसे बड़ा बंदरगाह है और दक्षिण रूस में कच्चे तेल और तेल उत्पादों के निर्यात का एक प्रमुख केंद्र है। यह कजाकिस्तान और अजरबैजान से आने वाले तेल को भी लोड करता है और अनाज, कोयला, उर्वरक, लकड़ी, कंटेनर, भोजन और केमिकल कार्गो का काम भी यहां से किया जाता है।

नोवोरोसिस्क के मेयर आंद्रेई क्रावचेंको ने बताया कि यूक्रेन के ड्रोन अटैक में दो कमर्शियल प्रोपर्टी और एक आवासीय अपार्टमेंट को मामूली नुकसान पहुंचा है। इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सेना ने नोवोरोसिस्क की ओर जा रहे दो समुद्री ड्रोनों को मार गिराया है। बता दें कि रूस ने बार-बार कहा है कि यूक्रेन ने ब्लैक-सी कोस्ट पर उसके बंदरगाह शहरों पर हमला किया है, लेकिन रूसी अधिकारी अक्सर यूक्रेनी हमलों से हुए नुकसान के बारे में कम विवरण देते हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एससीओ सम्मेलन में आतंकवाद का मुद्दा उठाया

अस्ताना (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में सदस्यों देशों में आतंकवाद को एक बड़ी चिंता का विषय बताया और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ ÷सार्थक÷ वार्ता की अपील की। बुधवार को दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना पहुंचे शहबाज ने एससीओ सम्मेलन में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में चीन, भारत, तुर्किये, ईरान, आजरबैजान और किर्गिस्तान के नेताओं व राजनयिकों ने आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की।

'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार प्रधानमंत्री शरीफ ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास के लिए क्षेत्र में शांति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान में स्थायी शांति कायम करना इस साझा उद्देश्य का मुख्य आधार है।' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय 'अफगान सरकार के साथ सार्थक रूप से बातचीत कर उनकी वास्तविक आर्थिक व विकास

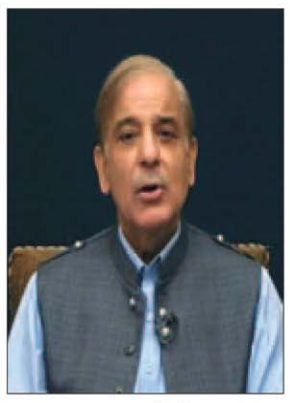

संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करे।'

शरीफ ने यह भी कहा कि अफगान तालिबान को यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे कि उसकी धरती का इस्तेमाल किसी अन्य देश के खिलाफ आतंकवाद के लिए न किया जाए। उन्होंने कहा, 'प्रायोजित आतंकवाद समेत आतंकवाद के सभी रूपों की कड़े और स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।' उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए निर्दोष लोगों की हत्या करने या आतंकवाद का डर दिखाने का कोई औचित्य नहीं है।

फ्रांस चुनाव: नेशनल रैली पार्टी जीती तो पड़ोसी देशों में मच सकती है खलबली

-मरीन ले पेन चाहती हैं कि जॉर्डन बार्डेला बनें पीएम, मुस्लिम भी चिंतित

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में संसदीय चुनावों में इस बार बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है। मरीन ले पेन के नेतृत्व वाली धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली (आनएन) अप्रत्याशित जीत की ओर बढ़ रही है। वहीं, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी तीसरे स्थान पर है। मरीन ले पेन चाहती हैं कि उनके उत्तराधिकारी जॉर्डन बार्डेला पीएम बनें। बार्डेला 28 साल के हैं लेकिन उनकी लोकप्रियता बहुत है। लोग उन्हें चमत्कारिक लीडर के तौर पर देख रहे हैं लेकिन फ्रांस में रह रहे मुस्लिम इससे चिंतित हैं उन्हें डर है। धुर दक्षिणपंथी पार्टी की जीत ने यूरोपीय देशों के लीडर्स की नींद उड़ा दी है क्योंकि बार्डेला फ्रांस फर्स्ट की बात करते हैं। वे मुस्लिम शरणार्थियों को देश से निकालने की वकालत करते हैं। यूरोपीय संघ को बकवास कहते हैं। जर्मनी समेत फ्रांस के सभी पड़ोसी देशों में भी बेचैनी है।

मरीन ले पेन और जॉर्डन बार्डेला का फ्रांसीसी संस्कृति अपनाने पर जोर है। अप्रवासियों की गिनती करने, उनकी जांच करने की बात कहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक जॉर्डन बार्डेला ने फ्रांस की जनता से कहा है कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो वे दोहरी नागरिकता वाले लोगों को सरकारी पदों से हटा देंगे। उन्होंने कहा मैंने अनुभव किया है कि इन लोगों की वजह से वह अपने ही देश में विदेशी बन गया हैं। फ्रांस के मुस्लिम समुदाय को इस बात की चिंता है कि ली पेन पहले ही सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पर पाबंदी लगाने की बात कर चुकी हैं। वहीं बार्डेला ने हिजाब को भेदभाव का साधन बताया है। मुस्लिमों को डर है कि उनके कल्चर पर प्रहार किया जा सकता है। इस्लामोफोबिया की वजह से उनसे भेदभाव बढ़ सकता है। हिजाब पर प्रतिबंध लगाने और गैर-अप्रवासी नागरिकों को प्राथमिकता देने से जीवन बहुत मुश्किल हो जाएगा। छात्रों को डर है कि कई इस्लामोफोबिक बिल पास किए जाएंगे, जो उनकी आजादी छीन लेंगे। कुछ लोगों को ऐसा भी लग रहा है कि कहीं उन्हें अपना ही देश न छोड़ने को मजबूर होना पड़े।

एक वकील ने कहा स्थिति गंभीर हैज्रंगभेद, नस्लभेद के हालात पैदा हो सकते हैं। छात्रा ओमेयमा ने कहा, एक ऐसा देश, जिसे हम प्यार करते हैं. जहां हम पैदा हुए- अब हमें खुद को बताना पड़ेगा कि हम फ्रांसिसी हैंज्हमारे पास यहां रहने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। उधर, जर्मनी, हंगरी समेत सभी पड़ोसी देशों में खलबली है। उन्हें यूरोपीय संघ के बिखरने का खतरा सता रहा है। क्योंकि बार्डेला फ्रांस फर्स्ट की नीति अपनाना चाहते हैं और उन्हें यूरोपीय संघ बकवास लगता है। यूक्रेन युद्ध के बाद बड़ी संख्या में शरणार्थी फ्रांस और उसके पड़ोसी देशों में आना चाहते हैं। ऐसे में अगर फ्रांस में इन पर रोक लगी, तो काफी मुश्किल हो सकती है।

एलएसी पर खत्म हो जाएगा झगड़ा ! भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की मीटिंग, हो गई दोस्ती?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली ने एक बयान में कहा कि भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने गुरुवार को कजाकिस्तान में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की है। जहां दोनों अपनी सीमा पर मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए बातचीत बढ़ाने पर सहमत हुए। भारत और चीन एक लंबी हिमालयी सीमा साझा करते हैं, इसका अधिकांश भाग खराब तरीके से सीमांकित है, और जुलाई 2020 में सैन्य गतिरोध के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ गई है, जब कम से कम 20 भारतीय सैनिक और चार चीनी सैनिक मारे गए थे। भारत ने कहा कि जयशंकर ने अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मौके पर यी से मुलाकात की, जहां वे इस बात पर सहमत हुए कि 'सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति का लंबे समय तक बढ़ना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों नेता शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए अपने राजनयिक और सैन्य अधिकारियों के बीच बैठकें बढ़ाने पर सहमत हुए। भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पिछले महीने अपना तीसरा सीधा कार्यकाल शुरू किया था, ने अप्रैल में कहा था कि दोनों देशों को अपनी सीमा पर लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। दोनों परमाणु-सशस्त्र देशों ने 2020 से अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और सीमा पर अतिरिक्त सैनिकों और उपकरणों को तैनात कर दिया है, जो 1962 में खूनी सीमा युद्ध के बाद दशकों तक असहज पड़ोसी रहे हैं।

नई दिल्ली के बयान में कहा गया, 'उन्होंने अतीत में दोनों सरकारों के बीच हुए प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकॉल और समझ का पूरी तरह से पालन करने के महत्व की पुष्टि की। दोनों देश पहले सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। बयान में कहा गया है कि जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में शेष क्षेत्रों से सैनिकों की पूर्ण वापसी और उनके संबंधों में सामान्य स्थिति की वापसी के लिए प्रयास बढ़ाने पर भी जोर दिया।

शहीद अग्निवीर अजय के परिवार को 98.39 लाख का किया जा चुका है भुगतान

–नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों का सेना ने दिया जवाब

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में किए गए उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अजय कुमार के परिजनों को मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया बताया था। सेना ने कहा कि अजय के परिवार को 98.39 लाख रुपए का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। सेना ने साफ कहा कि कुल राशि करीब 1.65 करोड़ रुपए होगी।

यह स्पष्टीकरण लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'एक्स' पर ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अजय कुमार के पिता का एक वीडियो शेयर करने के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें कोई पैसा नहीं मिला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'अग्निवीर' की मृत्यु की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक मदद मिलने के बारे में संसद में झूठ बोला। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह को संसद, देश और सेना से माफी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 'संसद में मैंने अपने भाषण में कहा था कि सत्य की रक्षा हर धर्म का आधार है लेकिन जवाब में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद अग्निवीर के परिवार को आर्थिक मदद मिलने के बारे में संसद में झूठ बोला। राहुल ने कहा कि रक्षामंत्री को संसद, देश, सेना और शहीद अग्निवीर अजय कुमार के परिवार से माफी मांगनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए अग्निवीर योजना को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने दावा किया था कि अग्निवीर को मोदी सरकार 'शहीद' का दर्जा नहीं देती और उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाता है। इस पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया था और कहा था कि हमारी सीमाओं की रक्षा करते हुए या युद्ध में अपने प्राण निछावर करने वाले अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है।

सेना के एडीजीपीआई ने कहा कि भारतीय सेना अग्निवीर अजय कुमार के बलिदान को सलाम करती है और इस बात पर जोर देती है कि एक शहीद नायक को मिलने वाले भत्ते का भुगतान अग्निवीरों समेत दिवंगत सैनिकों के परिजनों को जल्द किया जाना चाहिए। सेना ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट से पता चला है कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अजय कुमार के परिजनों को मुआवजा नहीं दिया गया है। सेना ने पोस्ट में कहा कि अग्निवीर अजय कुमार का अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया था। कुल देय राशि में से अग्निवीर अजय कुमार के परिवार को पहले ही 98.39 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अग्निवीर योजना के प्रावधानों के मुताबिक लागू करीब 67 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और अन्य लाभ पुलिस सत्यापन के बाद जल्द ही भुगतान कर दिए जाएंगे। कुल राशि करीब 1.65 करोड़ रुपए होगी।

रक्षामंत्री कार्यालय ने बाद में 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारतीय सेना अग्निवीरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और एडीजीपीआई की पोस्ट को साझा किया। अधिकारियों के अनुसार अजय के मामले में भुगतान की गई राशि में भारत सरकार से बीमा के रूप में 48 लाख रुपये, एक समझौता के तहत वित्तीय संस्थानों से बीमा के रूप में 50 लाख रुपये और 39,000 रुपए की अतिरिक्त राशि शामिल है। उन्होंने कहा कि उचित प्रक्रिया के बाद शेष 67.3 लाख रुपए का भुगतान कर दिया जाएगा। इसमें 44 लाख रुपए की अनुग्रह राशि, आठ लाख रुपए की सेना कल्याण निधि, कार्यकाल पूरा होने तक शेष वेतन के करीब 13 लाख रुपए और सेवा निधि के 2.3 लाख रुपए शामिल हैं।

यमुना में मरी मछलियों से किसानों और मछुआरों को हो रहा चर्म रोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। यमुना में मरी मछलियों की दुर्गंध से करीब एक किमी के दायरे में लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। तलहटी में सब्जियां उगाने वाले और मछली पकड़ने वाले किसानों और मछुआरों को यमुना के पानी से चर्म रोग की समस्या उत्पन्न हो रहा है। यमुना में ऑक्सीजन घटने से कुछ दिनों में लाखों मछलियां मर गई व अन्य जलीय जीवों की जान भी खतरे में है। यमुना किनारे रहने वाले किसान और मछुआरे बताते हैं कि यमुना में केमिकल युक्त पानी छोड़ने से ये मछलियां मर रही हैं जबकि जीव वैज्ञानिकों का मानना है कि गर्मी के दिनों में पानी में ऑक्सीजन का स्तर बेहद कम हो जाने के कारण अक्सर ऐसा होता है।

यमुना किनारे उतरा रहीं मरी मछलियों के कारण दुर्गंध से करीब एक किलोमीटर के दायरे में लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। यमुना तलहटी में सब्जियां उगाने वाले और मछली पकड़ने वाले किसानों के लिए नदी किनारे ठहरना मुश्किल है। मछुआरों को यमुना के पानी से चर्म रोग की समस्या उत्पन्न हो रही है। वजीराबाद पुस्ते से बुराड़ी 4 के जीरो पॉइंट तक तीन-चार दिन से लाखों मरी मछलियां उतरा रही हैं। स्थानीय किसानों और मछुआरों ने बताया कि यमुना नदी में सोनीपत नहर से आने वाला पानी जब छोड़ा जाता है तो इसी प्रकार से मछलियां मर जाती हैं। साल में एक-दो बार 8 नंबर नहर से इसी तरह से जहरीला पानी छोड़ा जाता है। इसमें इंडस्ट्रियल एरिया से निकला खतरनाक रसायन मिला पानी होता है जिस कारण यमुना का पानी जहरीला हो गया है। यमुना में मछलियों व अन्य जलीय जीवों की मौत के पीछे यमुना के पानी में घुली ऑक्सीजन की मात्रा बेहद कम होना हो सकता है। विशेषज्ञ इसके पीछे कई कारण मानते हैं जैसे साल भर नालों में जमा जहरीली गैसें पहली बारिश होने पर बहकर यमुना के पानी में मिलती है। पहले से दूषित यमुना के पानी में ऑक्सीजन का स्तर अचानक बेहद घट जाता है। फिर फैक्ट्रियों से खतरनाक रसायन युक्त पानी यमुना में छोड़ा जाना भी एक कारण हो सकता है।

धरती मां को बचाने के लिए कौन सी तैयारी कर रहा इसरो

नई दिल्ली। 30 जून 1908 को साइबेरिया के एक सुदूर स्थान तुंगुस्का में एक एस्टेरॉयड से हुए एक विशाल हवाई विस्फोट ने करीब 2,200 वर्ग किलोमीटर घने जंगल को बर्बाद कर दिया। इस घटना से लगभग 80 मिलियन पेड़ नष्ट हो गए हैं। पृथ्वी के निकट का एस्टेरॉयड, इस वर्तमान युग का सबसे खतरनाक कहा जाता है, 370 मीटर व्यास वाला एपोफिस 13 अप्रैल 2029 को और फिर 2036 में हमारे पास से गुजरेगा।

इस तरह के प्रभाव से डायनासोर के विलुप्त होने की परिकल्पना की गई है। दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां पृथ्वी को एस्टेरॉयड से बचाने की दिशा में काम कर रही हैं। इसरो भी इस संबंध में जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा, हमारा जीवनकाल 70-80 वर्ष है और हम अपने जीवनकाल में ऐसी आपदा नहीं देखते हैं, इसकारण हम यह मानकर चलते हैं कि ये संभव नहीं हैं। लेकिन मैंने बृहस्पति से टकराते हुए एस्टेरॉयड को देखा है, शूमेकर-लेवी को टकराते हुए देखा है। यदि पृथ्वी पर ऐसी कोई घटना होती है, तब हम सभी विलुप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि 'ये वास्तविक संभावनाएं हैं। हमें खुद को तैयार करना चाहिए। हम नहीं चाहते कि यह धरती माता के साथ हो। हम चाहते हैं कि मानवता और सभी जीव यहां रहें। हम पृथ्वी के निकट आने वाले एस्टेरॉयड का पता लगाकर उस दूर कर सकते हैं और कभी-कभी यह असंभव भी हो सकता है। इसलिए, तकनीक विकसित करने की आवश्यकता है, भविष्यवाणी करने की क्षमता, इसे विक्षेपित करने के लिए वहां भारी प्रॉप्स भेजने की क्षमता, अवलोकन में सुधार और एक प्रोटोकॉल के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर काम करना।

राज्यपाल बोस के खिलाफ....सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली पूर्व कर्मचारी ने कार्रवाई की मांग कर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में महिला ने राज्यपाल को आपराधिक मामलों में दी गई छूट को चुनौती दी है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि राज्यपाल को दी गई संवैधानिक छूट उनके जीवन के मौलिक अधिकार पर कैसे रोक लगा सकती है? राजभवन ने घटनाक्रम पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह की शुरुआत में होने की संभावना है। राजभवन की एक पूर्व कर्मचारी ने राज्यपाल बोस पर दो बार छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। महिला की शिकायत के बाद कोलकाता पुलिस ने 15 मई को राजभवन के तीन कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। 24 मई को हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश में तीनों कर्मचारियों को अग्रिम जमानत दे दी। यह विवाद तब और गहरा गया,जब राज्यपाल बोस ने डीओपीटी को पत्र लिखकर कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और डीसीपी (मध्य) इंदिरा मुखर्जी को हटाने के निर्देश दिए थे। ये दोनों अधिकारी छेड़छाड़ के आरोप की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) का नेतृत्व कर रही हैं। याचिका में कई सवाल भी पूछे गए हैं। पहला सवाल यह है कि यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ राज्यपाल के कर्तव्यों का हिस्सा कैसे बन सकते हैं? क्या न्याय पाने के लिए आरोपी के पद छोड़ने का इंतजार करना होगा। याचिका में दावा किया गया है कि अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल के खिलाफ आपराधिक मामलों में जांच के लिए पूछताछ की जा सकती है। जरूरत पड़ने पर उनका बयान भी दर्ज हो सकता है। इस बीच राजभवन की ओर घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया नहीं आई है। राजभवन के अधिकारी ने कहा कि उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में किसी मामले के दायर करने की कोई जानकारी नहीं है। महिला ने भी घटनाक्रम पर कुछ नहीं बोलने का फैसला किया।

प्राण जाई पर वचन न जाई... लिखकर किरोड़ी लाल मीणा ने दिया इस्तीफा

जयपुर। (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की खबर के बीच मीणा ने रामचरितमानस की बहु प्रचिलित चौपाई को कोट किया। डॉ.मीणा ने लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार अभियान के दौरान ऐलान कर कहा था कि अगर वे पार्टी की ओर से दी गई जिम्मेदारी सही प्रकार से नहीं निभा सके तब इस्तीफा दे दूंगा। हाल ही में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा था कि मीणा पीछे नहीं हटने वाले, इस्तीफा जरूर होगा। जानकारी के मुताबिक, मीणा ने शीर्ष नेतृत्व को पहले ही खत लिखकर त्यागपत्र की इच्छा जाहिर की थी। जिस पर आखिरकार मुहर लगी और उन्होंने लोगों के सामने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। किरोड़ी लाल मीणा सवाई माधोपुर से विधायक हैं।

डॉ. मीणा ने कहा था कि पीएम मोदी ने उन्हें 7 सीटों की जिम्मेदारी दी है। इन सीटों पर पार्टी हारी तब वे मंत्री पद छोड़ दूंगा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी दौसा सीट हार गई। इतना ही नहीं पार्टी को पूर्वी राजस्थान की दौसा, करौली-धौलपुर, टोंक-सवाई माधोपुर और भरतपुर सीट पर भी शिकस्त मिली। 4 जून को परिणाम आने के बाद मीणा ने पोस्ट किया था वहीं इस्तीफे की घोषणा के बाद दोहराया। उन्होंने रामचरितमानस की सुप्रसिद्ध चौपाई-रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाई पर वचन न जाई-लिखकर जता दिया कि वे अपने फैसले पर अडिग हैं। दरअसल, राजस्थान में जल्द ही 5 विधानसभा सीटों झुंझुनूं, खींवसर, दौसा, देवली-उनियारा और चौरासी पर उपचुनाव होने हैं।

सीएम योगी के मोर्चा संभालने के बाद यूपी पुलिस ने की ताबड़तोड़ कार्रवाई, गिरफ्तार सभी अभियुक्त सेवादार

हाथरस। (एजेंसी)। हाथरस में हुए हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मोर्चा संभालने के बाद यूपी पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई को अंजाम देना शुरू कर दिया है। पुलिस ने गुरुवार को 6 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की है, जिनमें सत्संग आयोजन समिति से जुड़े 4 पुरुष तथा 2 महिलाएं शामिल हैं। यूपी पुलिस के सीनियर अफसर के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में राम लडैते यादव (मैनपुरी), मंजू यादव (हाथरस), उपेंद्र सिंह यादव (फिरोजाबाद), मंजू देवी यादव (हाथरस), मेघ सिंह (हाथरस) और मुकेश कुमार (हाथरस) शामिल हैं। ये सभी सेवादार हैं। वहीं, पुलिस ने मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों ने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को भोले बाबा के चरणरज लेने के लिए अनियंत्रित छोड़ दिया, जिसके बाद भगदड़ मच गई। हालात खराब देखकर ये सेवादार भाग निकले। मालूम हो कि सोमवार को घटी इस घटना में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कुल 121 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी, जिसमें अधिकांश महिलाएं शामिल हैं।

भीड़ नियंत्रित करने की थी जिम्मेदारी

अलीगढ़ मंडल के आईजी शलभ माथुर ने बताया कि अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया है कि वे आयोजन समिति के सदस्य हैं एवं सेवादार के रूप में कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य सत्संग कमेटी में भीड़ इकट्ठा करना और चंदा इकट्ठा करना है। साथ ही ये बैरिकेटिंग द्वारा भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं को धूप व गर्मी से बचाने के लिए पांडाल की व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर खड़ंजा, बिजली की आपूर्ति हेतु जेनरेटर की व्यवस्था, सफाई इत्यादि की व्यवस्था भी करते हैं। कार्यक्रम के आयोजन के लिए इन लोगों को विभिन्न प्रकार की वर्दी दी गई है। भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा के लिए महिलाओं एवं पुरुषों को काले रंग की कमांडो ड्रेस व एकरूपता के लिए पिंक ड्रेस भी दी जाती है, जिससे वो भीड़ को अपने हिसाब से नियंत्रित कर सकें।

अनियंत्रित भीड़ को छोड़कर भाग निकले

पूछताछ में यह जानकारी भी सामने आई कि बाबा के अनुयायियों में बाबा के बारे में काफी मान्यताएं हैं। बाबा के चरणरज से बहुत सारे संकट

दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया है कि हम लोग बाबा के काफिले को भीड़ के बीच से निकालने के लिए आगे व पीछे दौड़ते हैं। उस दिन भी बाबा की चरणरज के लिए भीड़ गाड़ी के पास आई तो सेवादारों ने भीड़ को रोका और जैसे ही काफिला आगे निकल गया तो सेवादारों ने भीड़ को चरणरज लेने के लिए अनियंत्रित छोड़ दिया, जिससे वहां पर महिलाएं व बच्चे एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे और अफरा-तफरी मच गई। यह देखकर सेवादार वहां से जल्दी निकल गए। विवेचना में यह भी प्रकाश में आया है कि यह लोग पुलिस प्रशासन को आयोजन की फोटो, वीडियो बनाने से रोकते थे एवं उनके साथ अभद्रता करते थे। पुलिस द्वारा ये भी विवेचना की जा रही है कि इन सेवादारों में से किसी के द्वारा कोई आपराधिक साजिश तो नहीं की गई है।

मिड-डे मील के भोजन में मिला मरा हुआ सांप, मचा हड़कंप, अधिकारी ने किया आंगनवाड़ी का दौरा, जांच के लिए भेजा पैकेट

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली जिले में मिड-डे मील के भोजन के पैकेट में मरा हुआ सांप मिला है। मामला सामने आने के बाद बच्चों के परिजन चिंतित हैं। अब सवाल यह है कि मिड-डे मील के पैकेट में सांप कहां से आ गया। आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ की उपाध्यक्ष आनंदी भोसले ने बताया कि पलुस में एक बच्चे के माता-पिता ने घटना की सूचना दी। इसकी पुष्टि के लिए जिले के अधिकारियों से संपर्क नहीं किया जा सका है। उन्होंने बताया कि छह महीने से तीन साल की उम्र के बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों में मध्याह्न भोजन या मिड-डे मील के पैकेट दिए जाते हैं। इन पैकेटों में दाल खिचड़ी का मिश्रण होता है। सोमवार को पलुस में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भोजन के पैकेट बांटे थे। एक बच्चे के माता-पिता ने दावा किया कि उनके बच्चे को मिले पैकेट में एक छोटा मरा हुआ सांप था। भोसले ने बताया कि आंगनवाड़ी की महिला कार्यकर्ता ने अधिकारियों को घटना की सूचना दी। उन्होंने सांगली जिला परिषद के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप यादव और खाद्य सुरक्षा समिति के अन्य अधिकारियों ने आंगनवाड़ी का दौरा किया और पैकेट को प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा है। इस मामले ने उन बच्चों के परिजनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो आंगनवाड़ी जाते हैं या फिर वहां से मिलने वाली खाद्य सामग्री का इस्तेमाल करते हैं। फिलहाल इस मामले में अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

वायु प्रदूषण से दिल्ली में हर साल होती हैं 12 हजार मौतें

– देश के दस बड़े शहरों में किया गया अध्ययन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में वायु प्रदूषण लोगों के लिए जानलेवा बनता जा रहा है। एक रिपोर्ट में अध्ययन से पता चला है कि हर साल दिल्ली समेत देश के बड़े शहरों में हजारों लोग वायु प्रदूषण से अपनी जान गंवा रहे हैं। वायु प्रदूषण से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत कई शहर इसकी चपेट में हैं, लेकिन इन शहरों में देश की राजधानी दिल्ली का हाल सबसे बुरा है। वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा मौतें दिल्ली में हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक स्टडी से पता चला है कि दिल्ली में हर साल होने वाली मौतों में से करीब 11.5 फीसदी मौतें वायु प्रदूषण से हो रही हैं। दिल्ली में हर साल करीब 12 हजार लोग जहरीली हवा से दम तोड़ रहे हैं। यह अध्ययन देश के दस बड़े शहरों में की गई थी। इसमें दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, शिमला और वाराणसी में हर साल औसतन 33,000 से ज्यादा मौतें वायु प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। एक तरफ दिल्ली में वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं, तो इन शहरों में से शिमला में मृत्यु दर सबसे कम है। शिमला में हर साल सिर्फ 59 मौतें होती हैं, जो कुल मौतों का करीब 3.7फीसदी है। अध्ययन में कहा गया है कि इन 10 शहरों में कुल मौतों का करीब 7.2फीसदी यानी हर साल करीब 33,000 लोगों की मौत वायु प्रदूषण से होती है। अध्ययन में पाया कि भारत के इन दस शहरों में पीएम2.5 की कंसंट्रेशन डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बहुत ज्यादा है। इसका 99.8 फीसदी दिन ऐसा ही हाल रहता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के लिए 2008 से 2019 के बीच इन दस शहरों में नागरिक रजिस्ट्रियों से रोज मरने वाले लोगों का डाटा इकट्ठा किया। हरेक शहर के लिए इस अवधि के दौरान तीन से साल साल का रोज हो रही मौतों का डाटा उपलब्ध कराया गया था। इन शहरों में कुल 36 लाख से ज्यादा मौतों की जांच की गई। कई शहरों में वायु प्रदूषण डाटा पर शोधकर्ताओं ने पहले से विकसित मशीन-लर्निंग आधारित एक्सपोज़र मॉडल का इस्तेमाल किया1 खास बात यह है कि इस अध्ययन में दस शहरों में पीएम 2.5 के लेवल में हरेक 10 माइक्रोग्राम/घन मीटर की वृद्धि पर मृत्यु दर में 1.42 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बिहार में गिर रहे पुलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर

–मौजूदा और निर्माणाधीन पुलों का ऑडिट कराने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में एक दिन में दो पुल ढह गए। बीते 15 दिनों में बिहार में पुल गिरने की यह नौवीं घटना है। दोनों पुलों के ढहने से कई गांवों से संपर्क टूट गया और यातायात ठप हो गया है। इससे स्कूल और अस्पताल जैसी जरुरत की सेवाओं पर असर देखने को मिला। बता दें कि दोनों पुल गंडकी नदी पर बने थे। बिहार में लगातार गिर रहे पुल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

याचिका में बिहार सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि राज्य में सभी मौजूदा और निर्माणाधीन पुलों का उच्चतम स्तरीय संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए और राज्य में पुल ढहने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पुराने और कमजोर पुल या तो गिराया जाएं या उनका फिर से निर्माण कराया जाए। याचिकाकर्ता और वकील ब्रजेश सिंह ने सुप्रीम कोर्ट से बिहार सरकार को ऑडिट कराने के निर्देश जारी करने का आग्रह किया। याचिकाकर्ता ने कहा कि बिहार में पुल ढहने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को तत्काल विचार करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि दो साल के अंदन तीन बड़े निर्माणाधीन पुल और बड़े, मध्यम और छोटे पुलों के ढहने की कई घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं में कई लोगों की मौत भी हुई है और कई घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में सरकार की घोर लापरवाही और ठेकेदारों और संबंधित एजेंसियों के भ्रष्ट गठजोड़ के कारण और भी घटनाएं हो सकती हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह बहुत चिंता की बात है कि बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य में लगातार पुल गिर रहे हैं। बिहार में पुलों के गिरने की ऐसी घटनाएं विनाशकारी हैं। लोगों की जान बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरुरत है। जनहित याचिका में बिहार के अररिया, सिवान, मधुबनी और किशनगंज जिलों में कई पुलों के ढहने की घटनाओं को उजागर किया गया है, जिनमें ज्यादातर पुल नदी पर बने हैं।

कोटा में बिहार के 16 साल के छात्र ने की खुदकुशी

कोटा। राजस्थान के कोटा में पुलिस ने कहा कि स्नातक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) की तैयारी कर रहा बिहार के नालंदा का एक 16 वर्षीय छात्र गुरुवार को कोचिंग केंद्र कोटा में मृत मिला। पुलिस अधिकारी महेंद्र मारू ने कहा कि छात्र अपने पेइंग गेस्ट आवास में छत के पंखे से लटका हुआ मिला। दूसरी मंजिल पर रहने वाले दोस्तों ने कई बार छात्र का दरवाजा खटखटाया। जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद में उन्होंने पुलिस और उसके छोटे भाई को सूचित किया जो एनईईटी की तैयारी कर रहा है, लेकिन कोटा में एक अलग इलाके में रह रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 16 वर्षीय छात्र के कमरे का दरवाजा तोड़कर उसका शव बरामद किया। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। उसके माता-पिता को भी सूचित किया गया। इस साल कोटा में आत्महत्या से बारह छात्रों की मौत हो गई है, जिसमें पिछले महीने तीन छात्र शामिल थे। पिछले साल वहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 27 छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी। कोटा भारत के परीक्षण-तैयारी व्यवसाय का केंद्र है, जिसका सालाना मूल्य 10,000 करोड़ है। दसवीं कक्षा पूरी करने के बाद देश भर से छात्र बड़ी संख्या में कोटा पहुंचते हैं, और आवासीय परीक्षा-तैयारी संस्थानों में पंजीकरण कराते हैं। वे स्कूलों में भी दाखिला लेते हैं, जिसमें से अधिकांश बड़े पैमाने पर प्रमाणन के उद्देश्य से होते हैं। पुलिस ने कहा कि कोटा में 2022 में 15, 2019 में 18, 2018 में 20, 2017 में सात, 2016 में 17 और 2015 में 18 छात्रों की मौत हुई।

कोलकाता से भी ज्यादा तप रहा........श्रीनगर

श्रीनगर। भारत के कई राज्यों में मॉनसून ने दस्तक दे दी है, मगर उत्तर भारत के कई राज्यों में अभी भी भीषण गर्मी का कहर जारी है। इसतरह कश्मीर की घाटियों में भी तापमान लगातार अधिक हो रहा है। कश्मीर घाटी में इन दिनों भीषण गर्मी हो रही है। श्रीनगर में दूसरे दिन मौसम का सर्वाधिक तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इससे शहर कोलकाता से भी अधिक गर्म हो गया, जहां अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। 35.6ए सेल्सियस तापमान न केवल सामान्य से छह डिग्री अधिक था, बल्कि 25 वर्षों में जुलाई का सबसे अधिक तापमान था। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 35.6ए सेल्सियस दर्ज किया गया। 1999 के बाद से श्रीनगर में जुलाई का यह शीर्ष तापमान है, जब 9 जुलाई को अधिकतम तापमान 37.ए सेल्सियस तक पहुंच गया था।

मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने कहा, अब तक का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस 10 जुलाई 1946 को दर्ज हुआ था। परंपरागत रूप से, जुलाई और अगस्त को गर्मियों का सबसे गर्म महीना माना जाता है। स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में भी दिन का तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री अधिक 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पहलगाम में भी अधिकतम तापमान 5.5 डिग्री अधिक 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू भी 36.6 डिग्री सेल्सियस के साथ गर्म रहा, जबकि लद्दाख के लेह में अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगर धर्मांतरण को नहीं रोका तो बहुसंख्यक हो जाएंगे अल्पसंख्यक

–हिंदुओं के सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन मामले पर हाईकोर्ट की टिप्पणी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्मांतरण को लेकर अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर धर्मांतरण को रोका नहीं गया तो एक दिन बहुसंख्यक आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी। हाईकोर्ट के जस्टिस रोहित रंजन ने ये टिप्पणी सामूहिक धर्मांतरण कराने के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की। यह मामला एक गांव में हिंदुओं के सामूहिक रूप से ईसाई धर्म अपनाने से जुड़ा था। सामूहिक धर्मांतरण कराने का आरोप कैलाश नाम के व्यक्ति पर लगा है। हाईकोर्ट ने कैलाश की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे धार्मिक जमावड़ों को तुरंत रोका जाना चाहिए, जहां धर्मांतरण हो रहा है और लोगों का धर्म बदला जा रहा है। जस्टिस रोहित रंजन ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन हैं। इस दौरान हाईकोर्ट ने ये भी कहा कि यूपी के कई हिस्सों में एससी-एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बड़े पैमाने पर ईसाई बनाया जा रहा है।

रामकली प्रजापति नाम की महिला ने हमीरपुर जिले के मौदाहा गांव के रहने वाले कैलाश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। रामकली ने आरोप लगाया था कि कैलाश मानसिक रूप से बीमार उसके भाई को दिल्ली ले गया था। कैलाश ने वादा किया कि वह उसके भाई का इलाज करवाएगा और ठीक होने पर गांव भेज देगा, लेकिन इसकी जगह उसे ईसाई बना दिया गया। एफआईआर के मुताबिक, जब कैलाश वापस लौटा तो वह गांव के सभी लोगों को दिल्ली में एक कार्यक्रम में ले गया, जहां उसने सभी को ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया। कैलाश ने रामकली के भाई को ईसाई धर्म अपनाने के बदले पैसे की पेशकश की थी।

वहीं, कोर्ट में कैलाश के वकील ने दावा किया कि रामकली के भाई का धर्म परिवर्तन नहीं किया गया है। कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोपों को देखते हुए उसे जमानत देने से इनकार कर दिया। देश के कई राज्यों में जबरन धर्मांतरण को लेकर सख्त कानून हैं। यूपी सरकार ने 2021 में जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कानून पास किया था। इस कानून में दस साल तक की सजा का प्रावधान है।

कानून के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति जबरदस्ती से, लालच देकर या डरा-धमकाकर किसी का धर्म बदलवाता है तो दोषी पाए जाने पर उसे एक से पांच साल तक की जेल और 15 हजार रुपए का जुर्माना भरने की सजा हो सकती है। महिला, नाबालिग और एससी-एसटी के मामले में दो से दस साल की जेल और 25 हजार रुपए के जुर्माने की सजा का प्रावधान है। वहीं, सामूहिक धर्मांतरण पर तीन से दस साल की जेल और कम से कम 50 हजार रुपए के जुर्माने की सजा हो सकती है।

कानून में है कि अगर कोई व्यक्ति दूसरी बार जबरन धर्मांतरण का दोषी पाया जाता है तो सजा को दोगुना किया जा सकता है। जैसे दूसरी बार दोषी पाए जाने पर दो से दस साल की सजा हो सकती है। 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की आबादी 121 करोड़ से ज्यादा है। इसमें 96.63 करोड़ हिंदू और 17.22 करोड़ मुस्लिम हैं। भारत की कुल आबादी में 79.8फीसदी हिंदू और 14.2फीसदी मुस्लिम हैं। इनके बाद ईसाई 2.78 करोड़ (2.3फीसदी) और सिख 2.08 करोड़ (1.7फीसदी) हैं। बाकी बौद्ध और जैन धर्म को मानने वालों की आबादी एक फीसदी से भी कम है।

2001 की तुलना में 2011 में भारत की आबादी 17.7फीसदी बढ़ थी। इस दौरान मुस्लिमों की आबादी सबसे ज्यादा करीब 25फीसदी तक बढ़ी थी। जबकि, हिंदू 17फीसदी से कम बढ़े थे। इसी तरह ईसाइयों की आबादी 15.5फीसदी, सिख 8.4फीसदी, बौद्ध 6.1फीसदी और जैन 5.4फीसदी बढ़े थे। वहीं, अगर 1951 से 2011 तक की तुलना की जाए तो सबसे ज्यादा आबादी मुस्लिमों की बढ़ी। 1951 में 3.54 करोड़ थी, जो 2011 तक 386फीसदी बढ़कर 17.22 करोड़ हो गई। जबकि, 1951 में हिंदुओं की आबादी 30.35 करोड़ थी। 2011 तक हिंदुओं की आबादी 218फीसदी से बढ़कर 96.62 करोड़ पहुंच गई। इसी तरह सिखों की आबादी

235फीसदी और ईसाइयों की 232फीसदी बढ़ गई। 1951 में भारत में हिंदू 84फीसदी, मुस्लिम 9फीसदी, ईसाई 2.2फीसदी और सिख 1.7फीसदी थे।

इस साल मई में पीएम की आर्थिक सलाहकार समिति की एक स्टडी आई थी इसमें दावा किया गया था 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी 7.8फीसदी तक घट गई है। स्टडी में कहा गया था कि भारत में बहुसंख्यक आबादी घट रही है, जबकि दूसरे मुल्कों में बहुसंख्यक आबादी बढ़ रही है। भारत के अलावा म्यांमार और नेपाल में भी बहुसंख्यक आबादी घटी है। दूसरी ओर बांग्लादेश में बहुसंख्यक समुदाय मुसलमानों की आबादी में हिस्सेदारी 18.5फीसदी और पाकिस्तान में 3.75फीसदी तक बढ़ है। स्टडी में कहा गया था कि 1971 में बांग्लादेश के अलग मुल्क बनने के बाद से मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी 10फीसदी से ज्यादा बढ़ी है।

देश में जबरन धर्मांतरण को रोकने के खिलाफ कोई समग्र कानून नहीं है। संविधान के तहत देश के सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार है और वह अपनी मर्जी से किसी भी धर्म को अपना सकता है. हालांकि, किसी की इच्छा के खिलाफ या जबरन धर्मांतरण करवाना अपराध है। जबरन धर्मांतरण के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर तो कोई कानून नहीं है, लेकिन कई राज्यों में इसे लेकर कानून है। इनमें ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्य शामिल हैं।